श्रावण शुक्ल पक्ष 02, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

रांची, शनिवार
26 जुलाई 2025
वर्ष-26, अंक-174, पृष्ठ-12

रांची का तापमान

	कांके	रांची
अधिक.	27.4°	28.6°
न्यून.	21.0°	22.6°

पेज 10

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम जारी

आशीष अक्षत ने किया टॉप, गर्ल्स में श्वेता टॉपर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) ने शुक्रवार को सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम रिजल्ट जारी कर दिया। कुल 342 अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रशासनिक पदों के लिए चयनित किया गया है। आयोग की वेबसाइट पर परिणाम जारी कर दिया गया है। इस परीक्षा में धनबाद के आशीष अक्षत ने पूरे राज्य में टॉप किया है। खूंटी के अभय कुजूर ने दूसरा स्थान हासिल कर राज्यभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। तीसरे स्थान पर रवि रंजन कुमार और चौथे स्थान पर गौतम गौरव आए हैं। पांचवें स्थान पर आईं श्वेता गर्ल्स टॉपर हैं। सिविल सेवा परीक्षा 2023 में पदों की कुल संख्या 342 है। प्रारंभिक परीक्षा में सफल अभ्यर्थी की संख्या 7011 रही थी। इंटरव्यू के लिए चयनित हुए लोगों में 864 शामिल हुए थे। अंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों की संख्या 342 है। इस चयन प्रक्रिया में लगभग 1 वर्ष समय लगा। अब प्रशिक्षण की प्रक्रियाएं शुरू की जाएंगी। जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए 27 जनवरी 2024 को विज्ञापन निकला था। 17 मार्च को प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। इस परीक्षा के तहत राज्य के विभिन्न प्रशासनिक, पुलिस, वित्त, श्रम, उत्पाद, योजना और सामाजिक सुरक्षा सेवा जैसे विभागों में नियुक्ति की जाएगी। आयोग ने कहा है कि चयन पूरी तरह से योग्यता, अंक व आरक्षण नियमों के अनुरूप किया गया है।

झारखण्ड लोक सेवा आयोग
सर्कुलर रोड, रांची - 834001

342 अभ्यर्थियों का हुआ है **चयन**

लगातार मेहनत करने पर सफलता निश्चित : आशीष

सिविल सेवा परीक्षा 2023 के टॉपर आशीष अक्षत ने कहा कि जेपीएससी एक परिभाषित सिलेबस वाली परीक्षा है। अगर कोई लगातार मेहनत करे, तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, बड़े भाई और पत्नी को दिया है।

राज्य और समाज की सेवा करने का माध्यम है सिविल सेवा : अभय

सिविल सेवा परीक्षा 2023 के सेकेंड टॉपर अभय कुजूर खूंटी के रहने वाले हैं। वे आदिवासी समुदाय से आते हैं। उन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने इस परीक्षा के लिए 10 से 12 घंटे पढ़ाई की। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने हार नहीं मानी। जीत के लिए लगातार संघर्ष किया। अभय कहते हैं कि झारखंड में प्रशासनिक सेवा में जाना सिर्फ एक नौकरी लेना नहीं है। यह अपने राज्य और समाज को सेवा करने का माध्यम है।

यह मेरे परिवार के लिए गर्व का पल और संपूर्ण जिले की सफलता है : गौतम गौरव

सिविल सेवा परीक्षा 2023 के फोर्थ टॉपर गौतम गौरव मूल रूप से सुदना, डालटनगंज (पलामू) के निवासी हैं। वे वर्तमान में लोहरदगा में मोटर वाहन निरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता राजेश कुमार मेहता और दादा रामकृत महतो हैं। गौतम ने अपनी सफलता के संबंध में कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी प्रेरणा यह रही कि मैं जिस जिले में कार्यरत हूं, वहीं के छात्रों की मेहनत देख मैं भी प्रेरित हुआ। मैंने ठाना कि अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास के बल पर मैं भी प्रशासनिक सेवा में पहुंचूंगा। यह सफलता मेरे परिवार के लिए गर्व का पल और जिले के युवाओं की जीत है।

टॉप 10 सफल अभ्यर्थी

1. आशीष अक्षत
2. अभय कुजूर
3. रवि रंजन कुमार
4. गौतम गौरव
5. श्वेता
6. राहुल कुमार विश्वकर्मा
7. रॉबिन कुमार
8. संदीप प्रकाश
9. स्वाति केशरी
10. राजीव रंजन

सैनिक स्कूल तिलैया से संबंधित मुद्दों पर सीएस ने की बैठक

राज्य को मिलेगी एक और सैनिक स्कूल की सौगात

नवीन मेल डेस्क

रांची। राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने शुक्रवार को सैनिक स्कूल तिलैया से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों एवं मुद्दों पर हुई बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने स्कूली शिक्षा सचिव को निर्देश दिया कि झारखंड में एक अतिरिक्त सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरू की जाए। बैठक में उन्हें बताया गया कि राज्य में एक अतिरिक्त सैनिक स्कूल की जरूरत है। कुछ राज्यों में दो सैनिक स्कूल चल रहे हैं। पूरे देश के अलग-अलग सैनिक स्कूलों की तुलना में राज्य के तिलैया स्थित सैनिक स्कूल में सर्वाधिक 875 छात्र शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वहीं, मुख्य सचिव ने सैनिक स्कूल, तिलैया के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि स्कूल की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने में कोई कोताही नहीं होगी।

सैनिक स्कूल तिलैया में 9.49 करोड़ रुपए से नई जलापूर्ति योजना बहाल की जाएगी। इसकी तकनीकी स्वीकृति पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से प्राप्त हो चुकी है। सैनिक स्कूल, तिलैया में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण के लिए प्रस्ताव देने का निर्देश दिया गया। वहीं, स्कूल स्थित स्टॉफ क्वार्टरों के रख-रखाव के लिए भवन निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया। दूसरी ओर, सैनिक स्कूल तिलैया के कर्मियों की पेंशन, पारिवारिक पेंशन, एनपीएस तथा अन्य लाभ राज्य सरकार द्वारा वहन करने का प्रस्ताव सैनिक स्कूल, तियैया द्वारा रखा गया। बताया गया कि शेष पेज 11 पर

छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच अब कोडरमा में होगी

बोलीं मुख्य सचिव

- **एक और सैनिक स्कूल की स्थापना की प्रक्रिया शुरू की जाए**
- **तिलैया सैनिक स्कूल में 9.49 करोड़ से बहाल होगी नई जलापूर्ति योजना**

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने निर्देश दिया कि सैनिक स्कूल, तिलैया में अध्ययनरत छात्रों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच अब कोडरमा में ही होगी। अब तक इसके लिए छात्रों को हजारीबाग जाना पड़ता था। इससे काफी परेशानी होती थी।

राज्य के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है सरकार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हेमंत सोरेन सरकार इसके लिए कई योजनाएं भी चला रही हैं। राज्य सरकार झारखंड स्टूडेंट रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी 2025 तैयार करने जा रही है। वाल्मिकी छात्रवृत्ति योजना भी है। राज्य में 10वीं और 12वीं पास अनाथ एवं दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की ट्यूशन फी के लिए सरकार आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। राज्य में एक और सैनिक स्कूल की स्थापना की पहल हेमंत सरकार की शिक्षा नीति के अनुरूप राज्य के बच्चों की बेहतरी के लिए है।

'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकियों पर भारतीय सेना का सटीक प्रहार था

राष्ट्रीय नवीन मेल

रंजना वर्मा 'उन्मुक्त'

'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम में आतंकियों द्वारा धर्म पूछने के बाद भारतीय पत्नियों के समक्ष उनके सुहाग की नृशंस हत्या से सुलग रहे समस्त भारत को मलहम लगाने के लिए पाकिस्तान में पनप रहे प्रमुख आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा सटीक प्रहार था। इससे पाकिस्तान एवं उसकी भूमि में पनाह लिए हुए सारे आतंकी थर्रा उठे। यह ऐसी कार्यवाई थी, जिसमें भारत के सम्मान एवं प्रभुत्व के लिए भारतीय सेना ने अपने अद्भुत अदम्य शौर्य एवं साहस का परचम लहराया था। इसे सदियों तक भारतीय इतिहास में बड़े गौरव के साथ याद किया जाएगा।

शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

जोबला पाठ में गर्भवती महिला को पीठ पर लादकर पहुंचाया अस्पताल

चैनपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति आई सामने

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। जहां केंद्र और राज्य सरकारें आदिम जनजातियों के लिए अनेकों योजनाएं उनके घर तक पहुंचाने का दावा करती हैं, वहीं चैनपुर प्रखंड के कातिंग पंचायत स्थित ब्रह्मपुर जोबला पाठ की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। इस सुदूरवर्ती क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं, विशेषकर सड़कों की घोर कमी के कारण, मरीजों और गर्भवती महिलाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जोबला पाठ तक पहुंचने के लिए कोई उचित सड़क नहीं है। कच्ची, कीचड़ भरी पगडंडी ही एकमात्र सहारा है, जिस पर पैदल चलना भी दूभर है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जब पूरी मिट्टी गीली और फिसलन भरी हो जाती है। गांव में कोई व्यक्ति बीमार पड़ जाए, तो उसे कंधे पर उठाकर या पीठ पर लादकर ब्रह्मपुर तक पैदल लाना पड़ता है, जहां से आगे अस्पताल तक पहुंचने का कोई साधन मिल सके। हाल ही में ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जिसमें आदिम जनजाति की गर्भवती शेष पेज 11 पर

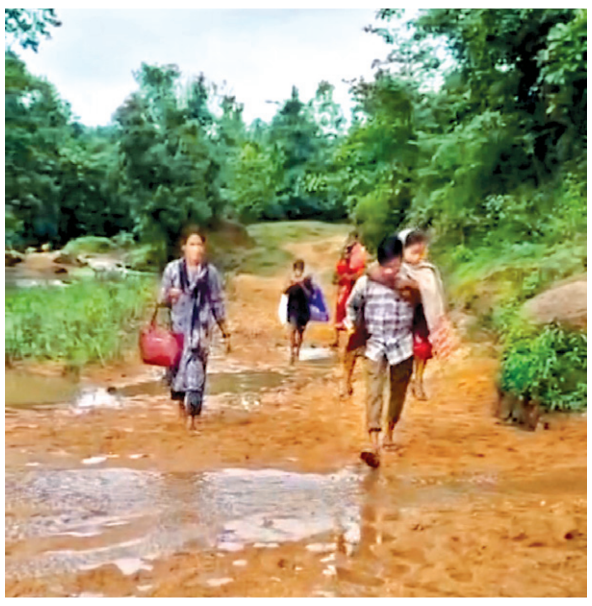

हजारीबाग में तोड़ी गई सिदो-कान्हू की प्रतिमा

हजारीबाग। हजारीबाग शहर में कुछ असामाजिक तत्वों ने दो अलग-अलग जगहों पर स्वतंत्रता सेनानी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बल्लभ सहाय तथा संथाल हूल विद्रोह के नायक सिदो-कान्हू की प्रतिमाओं को खंडित कर दिया। इसे लेकर लोगों में आक्रोश है। फिलहाल, प्रशासन जांच में जुटा है और प्रतिमाओं को खंडित करने वालों की तलाश की जा रही है। शहर के संत कोलम्बस कॉलेज के सामने पार्क में लगी केबी सहाय की बड़ी प्रतिमा शुक्रवार की सुबह खंडित पाई गई। यह खबर फैलते ही बहुत सारे लोग पार्क पहुंचे और इस घटना का विरोध किया। इसके बाद दोपहर में 1856 के संथाल विद्रोह के नायकों शेष पेज 11 पर

पीएम मोदी ने तोड़ा इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड

सबसे लंबे कार्यकाल वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री बने

- पीएम ने पूरे किए 4 हजार 78 दिन, कई उपलब्धियां की अपने नाम

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे कर लिए। इस तरह उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के 24 जनवरी, 1966 से 24 मार्च, 1977 तक लगातार 4,077 दिनों तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस उपलब्धि के साथ, प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे व्यक्ति बन गए हैं, उनसे आगे केवल देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 जुलाई, 2025 को लगातार 4,078 दिनों तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे, और इस तरह उनके नाम कई ऐतिहासिक उपलब्धियां भी दर्ज हो गई हैं।

पीएम मोदी आजादी के बाद जन्मे पहले और एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो गैर-कांग्रेसी सरकार और गैर-हिंदी भाषी राज्य से आते हैं। वे दो पूर्ण कार्यकाल पूरे करने वाले और दो बार बहुमत के साथ पुनः निर्वाचित होने वाले पहले और एकमात्र गैर-कांग्रेसी नेता भी हैं, जिससे वे लोकसभा में अपने दम पर बहुमत हासिल करने वाले एकमात्र गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, वे वर्ष 1971 में इंदिरा गांधी के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। स्वर्गीय जवाहरलाल नेहरू के अलावा, वे भारत में किसी राजनीतिक दल के नेता के रूप में लगातार तीन चुनाव जीतने वाले भी एकमात्र प्रधानमंत्री हैं। भारत के सभी प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों में, वे एकमात्र ऐसे नेता हैं, जिन्होंने किसी दल के नेता के रूप में लगातार छह चुनाव जीते हैं—

शेष पेज 11 पर

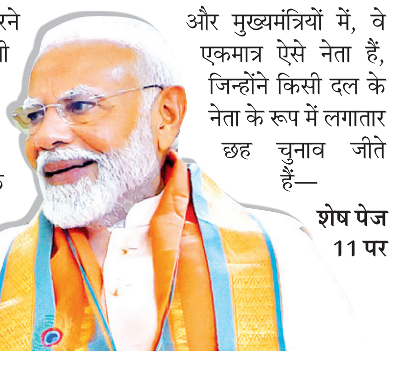

पीएम के नेतृत्व में हम विकसित भारत का संकल्प पूर्ण करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले दूसरे व्यक्ति बनने पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी हैं। संजय सेठ ने कहा, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बन गए हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी ने अपने कार्यकाल के 4,078 दिन पूरे किए हैं। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में भारत के विकास और शासन की स्थिरता का प्रतीक है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आगे बढ़ रहा है। इनके नेतृत्व में हम वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूर्ण करेंगे।

इंडिया

जलवायु परिवर्तन से संकट में पड़ सकता है झारखंड का भी भविष्य

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

गर्मी में बरसात और बरसात में कभी सूखा तो कभी रिकार्डतोड़ बारिश से इस बार झारखंड सहित पूरा देश परेशान है और इस बार पुल,पुलिया से लेकर स्कूलों के पुराने भवनों के ध्वस्त होने से अभी तक जलवायु परिवर्तन को फालतू विषय समझने वाले लोग भी महत्व देने लगें हैं ।झारखंड में अनावृष्टि से वर्षों से सूखे और कम खेती की उपज से परेशान किसान अब अतिवृष्टि को लेकर चिंतित हैं पर इस बेमौसम और बेशुमार बारिश या भीषण गर्मी से जो बड़ा नुकसान भविष्य में हो सकता है वह झारखंड के नौनिहालों का भविष्य ।देश-विदेश की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों में कम से कम 75 प्रतिशत जलवायु संबंधी आपदाओं के दौरान स्कूल बंद हुए और हर बार 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। जलवायु संबंधी तनाव जैसे गर्मी, जंगल की आग, तूफान, बाढ़, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढ़ता स्तर शिक्षा को प्रभावित करते हैं। जो बच्चे छोटी उम्र में गर्मी की मार झेलते हैं, वे 1.5 साल तक की पढ़ाई खो सकते हैं। जलवायु परिवर्तन शिक्षा को सीधा नुकसान पहुंचा रहा है और अब तक की शैक्षिक प्रगति को मिटा सकता है। यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा की निगरानी एवं मूल्यांकन परियोजना और कनाडा के सस्केचवान विवि के शोधार्थियों के ताजा अध्ययन में ये बातें सामने आईं हैं भारत में भी जिस प्रकार मौसम badal रहे हैं और जिसका नमूना इस बार देखने को मिला है उसे ध्यान में रखकर नीतियां बनाने का समय आया हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्षों में कम से कम 75 फीसदी जलवायु आपदाओं के दौरान स्कूल बंद हुए और हर बार 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। जलवायु संबंधी तनाव जैसे गर्मी, जंगल की आग, तूफान, बाढ़, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढ़ता स्तर शिक्षा को प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन आपदाओं के कारण खासकर गरीब देशों में हर साल स्कूल बंद हो रहे हैं। इससे बच्चों के सीखने का नुकसान और ड्रॉपआउट यानी स्कूल छोड़ने की संभावना बढ़ रही है। 1969 से 2012 तक 29 देशों के आंकड़े बताते हैं कि जन्म से पहले और शुरुआती वर्षों में गर्मी झेलने वाले बच्चों की स्कूली पढ़ाई कम होती है। दक्षिण पूर्व एशिया में यह प्रभाव सबसे ज्यादा देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है यदि कोई बच्चा बहुत ज्यादा तापमान का शिकार होता है, तो उसकी शिक्षा में 1.5 साल की कमी आ सकती है। अमेरिका में जिनके पास कम आय या माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र नहीं है वे लोग 15 फीसदी अधिक खतरे में हैं, क्योंकि उन्हें जलवायु परिवर्तन की वजह से वायु प्रदूषण के इलाकों में रहना होता है। इन इलाके में बच्चे अस्थमा जैसी बीमारियों से अधिक पीड़ित होंते। वे अमेरिकी स्कूल जो सरकारी आपदा राहत फंड पाते हैं, उनमें समाज के कमजोर तबकों के छात्र ज्यादा होते हैं।2013 की जकार्ता बाढ़ के बाद कई स्कूल बंद हुए, शिक्षक और छात्र मारे गए। कुछ को राहत शिविर बना दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जकार्ता के जिन स्कूलों के पास आपदा प्रबंधन योजना और बाढ़ की आपात स्थितियों से निपटने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया थी उन 81 फीसदी स्कूलों ने माना कि इस संकट में ये योजनाएं काफी मददगार रहीं।अमेरिका में सालाना तापमान औसतन एक डिग्री ज्यादा रहा और स्कूल में एसी नहीं था, तो बच्चों के अंक एक फीसदी तक घटे। अफ्रीकी अमेरिकी और हिस्पैनिक बच्चों पर इसका असर ज्यादा पड़ा, जिससे पांच फीसदी तक की शैक्षिक खाई बनी। लगभग अमेरिका के आधे से अधिक स्कूलों को अपने हीटिंग और कूलिंग सिस्टम को सुधारने की जरूरत है जबकि झारखंड के बहुत कम सरकारी स्कूलों में पंखे चलते हैं । ब्राजील के गर्म इलाकों के छात्रों को हर साल सीखने में एक फीसदी तक का नुकसान होता है।

विकास योजनाओं से वंचित रहने वाले लोग भारत में जलवायु संकट से ज्यादा पीड़ित हैं। 2019 में आपदाओं से सबसे अधिक प्रभावित 10 देशों में से आठ गरीब या निम्न मध्यम आय वाले देश थे। बच्चों के लिए उच्च जलवायु जोखिम वाले 33 देशों में से 29 कमजोर देश हैं। झारखंड में अनेक स्कूल ऐसे हैं जहां बच्चों को मौसम के अनुसार गर्मी या ठंढ से बचाव के लिए साधन नहीं हैं और अनेक स्कूल तो ऐसे हैं जहां बरसात में असुविधा होती है और बच्चे स्कूल नहीं जाते। राजधानी रांची के पास सिल्ली के राजकीयकृत मध्य विद्यालय बंता में कक्षाओं की भारी कमी से विद्यार्थियों को पढ़ाई में कठिनाई हो रही है। 348 छात्रों के लिए केवल 5 कमरे हैं, जिससे कक्षा चार के अधिकांश छात्र बरामदे में पढ़ाई करते हैं अंदाजा किया जा सकता है कि प्रतिकूल मौसम में बच्चे कैसे पढ़ाई करेंगे।

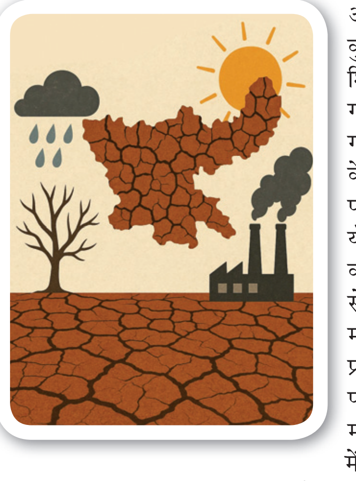

जेसीएसएसआई ने रांची के जेएससीए स्टेडियम में किया वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन

सुरक्षा प्रथम मानसिकता विकसित करने के लिए हमेशा प्रयास करें : अनूप कुमार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। इस्पात उद्योग में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर संयुक्त समिति (जेसीएसएसआई) ने शुक्रवार को जेएससीए स्टेडियम, रांची में वार्षिक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। ज्ञात हो कि जेसीएसएसआई, राष्ट्रीय स्तर पर एक अनूठा द्विपक्षीय मंच है, जिसमें सेल, आरआईएनएल, टाटा स्टील जमशेदपुर और मेरामंडली, जेएसडब्ल्यू स्टील, विजयनगर और डोलवी, आर्सेलर मित्तल, निप्पॉन स्टील, हॉस्पेट स्टील लिमिटेड, नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड, भूषण पावर एंड स्टील कंपनी, एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट आदि जैसी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों से जुड़े 25 सदस्य संगठनों के प्रबंधन और ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व है। सेल सुरक्षा संगठन, रांची द्वारा आयोजित पुरस्कार समारोह में अनूप कुमार, उपाध्यक्ष, जेसीएसएसआई और ईडी (एसएसओ), सेल, एस वशिष्ठ, सदस्य सचिव, जेसीएसएसआई और सीजीएम (सुरक्षा), एसएसओ, गौतम भाटिया, मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) और ट्रेड यूनियन नेता, विद्या सागर गिरि (एटक), बीएन चौबे (इंटक), केएस राव (बीएमएस), संजय वाधवकर (एचएमएस), पीके मुखर्जी (सीटू) उपस्थित थे। इस भव्य पुरस्कार समारोह में पुरस्कार विजेताओं, जेसीएसएसआई के प्रबंधन और टीयू प्रतिनिधियों के साथ-साथ सेल सुरक्षा संगठन, रांची के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

पूरे देश से जुटे इस्पात कंपनियों के प्रतिनिधि

अपने स्वागत भाषण में अनूप कुमार ने सदस्य संगठनों से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करने का आग्रह किया और एकजुट होकर काम करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुरक्षा-प्रथम मानसिकता विकसित करने के लिए अथक प्रयास करने का आह्वान किया, जो इतनी गहराई से समाहित हो कि कार्यबल का सबसे निचला स्तर भी असुरक्षित कार्य से इनकार करने में सक्षम महसूस करे।

अनूप कुमार ने कहा कि इस्पात उद्योग में सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित करने और 'शून्य हानि' के अंतिम लक्ष्य की दिशा में सामूहिक रूप से प्रयास करने की साझा जिम्मेदारी दोहराई। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और यूनियन सदस्यों से सुरक्षा प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन में निरंतर समर्थन देने का आग्रह किया, जो सुरक्षा प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायक होगा। ट्रेड यूनियन नेता बीएन चौबे, संजय वाधवकर, विद्या सागर गिरि, पीके मुखर्जी और केएस राव ने भी सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में अपने बहुमूल्य विचार रखे।

विजेता सदस्य संगठनों के बीच विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 162 पुरस्कार (2023 के लिए 79 और 2024 के लिए 83) वितरित किए गए। वर्ष 2023 के लिए स्टील प्लांट में शून्य घातक दुर्घटना के लिए प्रतिष्ठित 'इस्पात सुरक्षा पुरस्कार' दुगार्पुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर, नीलाचल इस्पात निगम स्टील प्लांट और एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट, नगरनार को मिला। वर्ष 2024 के लिए, राउरकेला स्टील प्लांट, इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर, टाटा स्टील मेरामंडली, नीलांचल इस्पात निगम स्टील प्लांट, एनएमडीसी आयरन एंड स्टील प्लांट, नगरनार और जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, विजयनगर ने पुरस्कार जीता। समारोह का समापन संजय अग्रवाल, महाप्रबंधक (सुरक्षा) एसएसओ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। पुरस्कार समारोह के बाद, समिति ने जेएससीए स्टेडियम, रांची में विस्तृत बैठक की, जो कि कल तक जारी रहेगी। बैठक में सदस्य संगठनों द्वारा सुरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

मंत्री सुदिव्य से मिला वोकेशनल टीचर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से शुक्रवार को वोकेशनल टीचर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सीनेट सह सिंडीकेट सदस्य डॉ अटल पांडेय के नेतृत्व में एक प्रतिनधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनधिमंडल ने उन्हें झारखंड की उच्च शिक्षा की बदहाल व्यवस्था, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की दुर्दशा के निवारण के लिए 20 सूत्री ज्ञापन दिया। वोकेशनल टीचर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अटल पांडे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी अनेकों समस्याओं से प्रतिदिन जूझ रहे हैं। उच्च न्यायालय, झारखंड ने नवंबर 2024, में 4 महीने के भीतर प्राध्यापकों की नियुक्ति करने का आदेश दिया था, जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शिक्षकों के 2500 से ज्यादा पद खाली हैं, कर्मचारियों की वर्ष 1990 के बाद नियुक्ति नहीं की गई है। प्राध्यापकों को प्रमोशन नहीं मिलने से 54 महाविद्यालयों में प्राचार्य के पद रिक्त हैं। विभागाध्यक्ष एवं अधिकारियों के अधिकतर पद प्रभार में चल रहे हैं।

रांची विश्वविद्यालय की कार्रवाई कोर्ट के अंतिम निर्णय से प्रभावित होगी

रांची। रांची विश्वविद्यालय द्वारा विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ मिथिलेश कुमार सिंह को 'लिएन' यानी ग्रहणाधिकार अवकाश की अवधि नहीं बढ़ाने और फिर 14 जुलाई को पत्र जारी कर दस दिनों के भीतर रांची विवि में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में योगदान नहीं करने पर चेतावनी देने के मामले में दायर याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दायर याचिका डब्ल्यूपी (एस) फाइलिंग नंबर 712/2025 में हाईकोर्ट ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की कोई भी कार्रवाई कोर्ट के अंतिम फैसले से प्रभावित होगी। हाईकोर्ट के समक्ष रांची विश्वविद्यालय के अधिवक्ता ने आग्रह किया कि इस मामले में कुलाधिपति और विनोबा भावे विवि को भी पार्टी बनाया जाए तथा काउंटर एफिडेविट दायर करने के लिए समय दिया जाए।

झारखंड राज्य देने वाले युग पुरुष का अपमान : सेठ

रांची। झारखंड में झामुमो कांग्रेस सरकार द्वारा अटल मोहल्ला क्लीनिक की योजना का नाम बदल कर मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लीनिक करना सरकार की मानसिकता को दर्शाने वाला है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इसकी कड़ी शब्दों में निंदा की है श्री सेठ ने कहा कि झारखंड के निर्माता श्रद्धेय अटल जी का अपमान है। झारखंड की सरकार थोड़ी सी भी संवेदनशील होती तो इस मामले को समझ पाती कि अटल जी ने झारखंड के गठन में क्या योगदान दिया है परंतु सरकार पूरी तरह से ऐसी शक्तियों के हाथ में है, जिसे झारखंड से कोई मतलब ही नहीं है। बेहतर होता कि नाम बदलने की जगह सरकार ने ऐसे क्लिनिक और राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया होता है। ऐसे नए क्लीनिक खोलकर राज्य की जनता की सेवा की तरफ कदम बढ़ाया होता।

स्वतंत्रता समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने की बैठक, कहा

स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यवस्था ससमय पूर्ण करें

- कहा, मोरहाबादी मैदान में अस्थायी मंच को पूर्व के मंच के आकार का बनाएं
- राष्ट्रीय गान के समय प्रोटोकॉल का पालन भी सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने शुक्रवार को रांची और दुमका में 15 अगस्त को होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कर लेने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। बारिश का मौसम होने के कारण उन्होंने निर्देश दिया कि झंडारोहण निर्धारित समय से संपन्न हो, इसके लिए सभी जरूरी कार्य समय रहते संपन्न कर लिया जाए। साथ ही, मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि समारोह के दौरान राष्ट्रीय गान के समय प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। ज्ञात हो कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम रांची के मोरहाबादी मैदान और दुमका के पुलिस लाइन में आयोजित होता है। रांची में मुख्यमंत्री और दुमका में राज्यपाल झंडारोहण करते हैं।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए निर्मित होने वाले अस्थायी मंच को पूर्व के मंच के आकार का बनाने का निर्देश दिया। मंच की गुणवत्ता और सुरक्षा मानक पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने मोरहाबादी में समारोह के प्रसारण के लिए लगी एलईडी स्क्रीन पर तस्वीरें स्पष्ट आए, इसे भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने आमंत्रण कार्ड की छपाई और वितरण, स्वतंत्रता सेनानियों एवं अन्य महपुरुषों की मूर्तियों की सफाई तथा माल्यार्पण, समारोह स्थल पर बैठने की व्यवस्था, मुख्य समारोह स्थल तक मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों को लाने, ले जाने की व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, पेयजल एवं अस्थायी शौचालय की व्यवस्था, समारोह स्थल के सभी पहुंच पथ एवं फ्लैंक की मरम्मत और रंग-रोगन, समारोह स्थल पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करने का निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिया।

बताया गया कि मुख्य समारोह में सीआरपीएफ, जैप, आईआरबी, जिला पुलिस, फायर बिग्रेड, होम गार्ड एवं एनसीसी के पुरुष व महिला बटालियन सम्मिलित होंगे। इसी तरह जिलों में होने वाले कार्यक्रमों के लिए भी पूर्व की तरह व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।

परेड रिहर्सल को समन्वय के साथ ससमय पूर्ण करें

समारोह के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था और मीडिया के लिए इनक्लोजर निर्माण का भी निर्देश दिया गया। ध्वनि विस्तारक यंत्र की व्यवस्था सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जिम्मे दिया गया। समीक्षा के दौरान विधि व्यवस्था, अग्निशमन और यातायात, पार्किंग आदि के लिए भी निर्देश दिए गए। मुख्य समारोह के दौरान आकर्षण का केंद्र रहने वाले परेड के रिहर्सल को समन्वय के साथ ससमय पूर्ण कर लेने को कहा गया।

लिटिल चैंप्स प्रतियोगिता 2025-26 का हुआ उद्घाटन

झारखंड में जन्मजात खिलाड़ी पैदा होते है, यहां आदिवासियों में तीरंदाजी एक परंपरा है : शिक्षा मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बीआईटी मेसरा में शुक्रवार से प्रथम राज्यस्तरीय लिटिल चैंप्स प्रतियोगिता 2025-26 का आगाज हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया। मौके पर मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि सरकार की खेल नीति के तहत सभी जिलों में खेल प्रभारियों की नियुक्ति की गयी है। ऐसे अभिभावक भी प्रशंसा के पात्र है, जिन्होंने अपने बच्चो को पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। हमारी सरकार की सोच है कि आज हम शिक्षा के साथ साथ खेल और संस्कृति को भी व्यवहार में शामिल करे। केवल शिक्षा से ही पूर्ण रूप से भविष्य को उज्जवल नहीं कर सकते है, शिक्षा के साथ शारीरिक और मानसिक विकास भी होना आवश्यक है। उज्जवल भविष्य की शुरुआत बच्चो से ही होती है। मंत्री ने कहा कि फुटबॉल झारखंड का लोकप्रिय खेल है। यहाँ के गांव देहात में बच्चे कपड़ो का फुटबॉल बनाते है। पढ़ाई से फुर्सत निकालकर बच्चे मैदानों में फुटबॉल खेलते है। झारखंड में जन्मजात खिलाड़ी पैदा होते है। क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और तीरंदाजी इसका उदाहरण है। तीरंदाजी में तो झारखंड का कोई जवाब नहीं है, राज्य के घर घर में आदिवासी शिकार खेलने जाते है। तीरंदाजी यहां के आदिवासियों की परंपरा है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के साथ हुनर को बढ़ावा देने का कार्य किया है, जिससे बच्चे +2 के बाद स्वरोजगार भी कर सकते है।

झारखंड में शिक्षा में हो रहा है निरंतर नवाचार : निदेशक

समारोह को संबोधित करते हुए झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि प्रथम राज्यस्तरीय लिटिल चैंप्स प्रतियोगिता मंत्री के मार्दर्शन में हो रहा है। झारखंड में शिक्षा में लगातार नवाचार हो रहा है। लिटिल चैंप्स प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चो को कम उम्र में ही खेल भावना के साथ जोड़ना है, आज अंतरराष्ट्रीय स्तर के सफलतम खिलाड़ियों ने भी छोटी उम्र से ही खेल प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

नगर मंदिर के चोरों का नहीं पकड़ा जाना पुलिस पर बड़ा सवाल : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता

रांची/चंदवा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने 18 जुलाई 2025 को चंदवा नगर मंदिर में दान पेटी चोरी की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह घटना न सिर्फ कानून व्यवस्था की दुर्दशा को दर्शाती है, बल्कि प्रदेश सरकार की धार्मिक आस्थाओं के प्रति संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। प्रतुल ने कहा कि इससे पहले भी 24 फरवरी 2023 को मंदिर की दान पेटी को काटकर चोरी कर ली गई थी। ढाई वर्ष बाद भी इस घटना का भी उद्भेदन नहीं हो पाया है। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हाल की चोरी की घटना के एक हफ्ते बीत जाने के बाद भी पुलिस न तो चोरी का उद्भेदन हो पाया है और न ही दोषियों की पहचान या गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर जब एक सार्वजनिक मंदिर में जहां प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है, वहां की दान पेटी तक सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा की क्या गारंटी है?

राज्यपाल की भूमिका को कमज़ोर करने का प्रयास : प्रतुल शाहदेव

रांची। प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों से राज्यपाल के कुलपति, प्रति कुलपति एवं अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति करने के निर्णय को समाप्त करने का जो निर्णय लिया गया है। वह पूरी तरह असंवैधानिक, दुर्भावनापूर्ण और लोकतंत्र के मूलभूत ढांचे पर सीधा प्रहार है। यह स्पष्ट रूप से शिक्षा व्यवस्था का राजनीतिककरण करने और उच्च शिक्षण संस्थानों को अपनी कठपुतली बनाने का षड्यंत्र है।

न्यूज बॉक्स

कांग्रेस के पिछड़ा सम्मेलन में पिछड़ा समाज से नफरत उजागर : अमर बाउरी

रांची। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा निशाना साधा है। श्री बाउरी कांग्रेस पार्टी द्वारा दिल्ली में आयोजित पिछड़ा सम्मेलन में झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी द्वार इशारे इशारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिए गए बयान अपमानजनक टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी पिछड़ों का हितैषी बनने का नाटक कर रही है लेकिन इसका चाल चरित्र पिछड़ा विरोधी है। कहा कि एक चाय वाले पिछड़े समाज से आने वाले भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हैं। इसलिए कांग्रेस के नेता को प्रधानमंत्री पर असंसदीय भाषा का प्रयोग करने से परहेज नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसे भी इरफान अंसारी बड़बोलेपन के शिकार हैं। ये भले ही स्वास्थ्य मंत्री हैं लेकिन मीडिया में अपने उल्टे पलटे बयानों के माध्यम से मीडिया में बने रहने केलिए मानसिक रोगी हो चुके हैं। कहा कि कांग्रेस पार्टी ऐसे ही बड़बोले नेताओं के माध्यम से कभी आदिवासी ,तो कभी दलित ,कभी पिछड़े समाज का अपमान कराती रही है। कांग्रेस के डीएनए में कोई बदलाव की गुंजाइश नहीं बची है।

विश्वविद्यालय विधेयक की कैबिनेट से स्वीकृति ऐतिहासिक कदम : डॉ तनुज

रांची। जेएमएम के केंद्रीय सदस्य डॉ तनुज खत्री ने उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से शुक्रवार को मुलाकात की और झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 की स्वीकृति पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह विधेयक राज्य की विश्वविद्यालय प्रणाली में दक्षता, पारदर्शिता और गुणवत्ता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। ज्ञात हो कि झारखंड सरकार ने गत गुरुवार को उच्च शिक्षा क्षेत्र में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी थी। मुलाकात के दौरान डॉ तनुज ने मुद्दा उठाया कि झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में वोकेशनल (व्यावसायिक) पाठ्यक्रम पहले से ही सेल्फ फाइनेंस मोड में संचालित हो रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक पूर्ण रूप से विश्वविद्यालयीय ढांचे में समायोजित नहीं किया गया है। डॉ तनुज ने आग्रह किया कि इन वोकेशनल पाठ्यक्रमों को औपचारिक मान्यता और संरचनात्मक समर्थन प्रदान करते हुए पूर्ण रूप से लागू किया जाए, जिससे छात्रों को रोजगारोन्मुख शिक्षा का वास्तविक लाभ मिल सके।

खाट पर ढोए जा रहे मरीज, सरकार क्लिनिक का नाम बदलने में व्यस्त : प्रवीण प्रभाकर

रांची। आजसू पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड में मरीज खाट पर ढोए जा रहे हैं और हेमंत सरकार स्वास्थ्य सेवा की बदहाली को नामकरण की राजनीति से ढंकने में जुटी है। अटल मोहल्ला क्लिनिक का नाम बदलने पर झारखंड निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी और नोबल पुरस्कार प्राप्त मदर टेरेसा दोनों महान हस्तियों का अपमान हुआ है। प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस-झामुमो झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी करते रहे, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आजसू से वार्ता कर अलग राज्य का गठन किया और वनांचल की बजाय झारखंड नामकरण किया। उनका अपमान करना ठीक नहीं।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के आगामी सम्मेलन पर चर्चा

रांची। झारखंड विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा की कार्यकारिणी की बैठक विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो के कार्यालय कक्ष में हुई। झारखंड विधानसभा अध्यक्ष सह सभापति राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा रबीन्द्रनाथ महतो ने झारखंड से सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रतिनिधिमंडल के संबंध बैठक में चर्चाएं की। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की आगामी सम्मेलन के संबंध में उन्होंने जानकारी दी कि 05 से 12 अक्टूबर 2025 तक सीपीए का 68 वां सम्मेलन बारबाडोस में आयोजित होगी। इस सम्मेलन में झारखंड विधानसभा से जाने वाले प्रतिनिधि मंडल के संबंध में कार्यकारिणी की बैठक में विचार विमर्श किया गया। बैठक में सदस्य नवीन जयसवाल, दशरथ गगराई, नीरा यादव, अनंत प्रताप देव तथा प्रभारी सचिव झारखंड विधानसभा सह सचिव राष्ट्रमंडल संसदीय संघ झारखंड शाखा माणिकलाल हेंब्रम बैठक में उपस्थित रहे।

बच्चों ने विस का किया शैक्षणिक भ्रमण

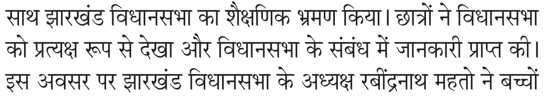

रांची। दलादली स्थित आइडियल इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने शिक्षकों के साथ झारखंड विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्रों ने विधानसभा को प्रत्यक्ष रूप से देखा और विधानसभा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने बच्चों से संवाद किया। विधानसभा की कार्यप्रणाली और कानून निर्माण के बारे में सरल भाषा में बताया। एवं बच्चों से उनकी रूचियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों को संविधान के महत्व और एक जागरूक नागरिक बनने की दिशा में अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित भी किया। विद्यालय की निर्देशक डॉ. सुम्बुल आलम ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य बच्चों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके भीतर जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को विकसित करना है। छात्रों ने मन में उठ रहे सवालों को माननीय अध्यक्ष से साझा भी किया। एक बच्चे ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय को विस्तार से जानकारी दी जिस पर वे काफ़ी ख़ुश हुए। विधानसभा परिसर के भ्रमण के दौरान बच्चों में उत्साह और जिज्ञासा सराहनीय थी।

सम्मान पर चोट — अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने पर बाबूलाल मरांडी ने दी कड़ी प्रतिक्रिया, कहा

राजनीति के निम्न स्तर पर उतरी हेमंत सरकार

बोले नेता प्रतिपक्ष

- झारखंड और आदिवासी अस्मिता को वाजपेयी ने ही दी पहचान
- नाम बदलने से ज्यादा जरूरी है, स्वास्थ्य व्यवस्था में बुनियादी सुधार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को राज्य सरकार द्वारा अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलकर मदर टेरेसा के नाम पर किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा है कि इसे कृतघ्नता कहा जाए या नैतिक पतन कि राज्य सरकार ने मोहल्ला क्लिनिक के नाम से अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम हटाने का निर्णय लिया है? उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी का योगदान किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बाबूलाल मरांडी ने कहा, वर्ष 1999 में अटल जी ने झारखंड की धरती से जनता से वादा किया था कि यदि केंद्र में उनकी सरकार बनी, तो झारखंड के लोगों को एक अलग राज्य का उपहार दिया जाएगा। जैसे ही उनकी सरकार बनी, उन्होंने अपना यह वादा निभाया। कहा कि झारखंडवासियों को उनका अधिकार दिलाने में और आदिवासी अस्मिता को अलग पहचान देने में अटल जी के अटल इरादों की निर्णायक भूमिका रही है। लेकिन, हेमंत सरकार ने राजनीति के निम्नतम स्तर को छूते हुए उनके योगदान को अनदेखा कर दिया।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि क्या सरकार यह स्पष्ट कर सकती है कि कैबिनेट के इस निर्णय से स्वास्थ्य व्यवस्था में वास्तविक सुधार होगा। एंबुलेंस समय पर पहुंचने लगेगी? क्लिनिक में बेहतर इलाज उपलब्ध होगा? मरांडी ने कहा, यदि सरकार को वास्तव में मदर टेरेसा का सम्मान करना था, तो उनके नाम पर कोई नई योजना लाती, ऐसी योजना जो मरीजों को सहारा और सेवा प्रदान करती, जो स्वयं मदर टेरेसा के जीवन का उद्देश्य था। किंतु ऐसा न कर सरकार ने यहां भी केवल राजनीतिक हित साधने का प्रयास किया है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था इतनी बदहाल है कि गर्भवती महिलाओं को एंबुलेंस न मिलने के कारण रास्ते में ही प्रसव कराना पड़ रहा है। वृद्ध महिलाओं को खाट पर अस्पताल ले जाया जा रहा है और शवों को ले जाने तक के लिए एंबुलेंस उपलब्ध नहीं है। परंतु, इन बुनियादी समस्याओं को दूर करने के बजाय, सरकार नाम बदलने में व्यस्त है।

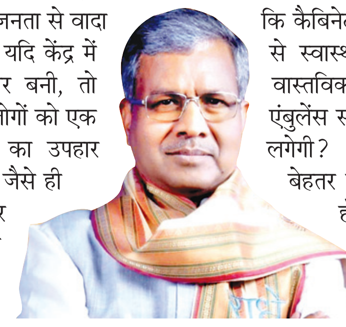

पीएम मोदी के सेवा-समर्पण के 4078 दिन स्वर्णाक्षरों में अंकित : बाबूलाल

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को बतौर प्रधानमंत्री 4078 दिन पूरा कर देश के दूसरे प्रधानमंत्री बनने वाले नरेंद्र मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन केवल काल गणना नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण के दिन है। गांव, गरीब, किसान को समर्पित दिन है। यह अंत्योदय से आत्मनिर्भर भारत को समर्पित दिन है। ये दिन परिवारवाद के पार राष्ट्रवाद को समर्पित दिन है। ये दिन भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित दिन है। मरांडी ने कहा, मोदी के नेतृत्व में देश लगातार प्रगति की ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ ,सुखी यशस्वी जीवन की कामना करते हुए कहा कि भारत की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार होते देखना चाहती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, मनोज कुमार सिंह सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी एवं मोर्चा अध्यक्ष शामिल हैं।

शिव शिष्यों ने एचईसी क्षेत्र में किया पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शिव शिष्यों ने शुक्रवार को रांची के एचईसी क्षेत्र में पौधरोपण किया। शिव शिष्य परिवार के मुख्य सलाहकार अर्चित आनंद ने कहा कि आप सभी को ज्ञात हो की शिव शिष्यता की जननी दीदी नीलम आनंद जी के 73वें जन्म दिवस के अवसर पर 20 जुलाई से 27 जुलाई 2025 तक पौधरोपण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसमें देश और विदेश में कम से कम 73 हजार पौधे लगाकर उसका संरक्षण करने का संकल्प लिया गया है।

उन्होंने कहा की आज का समय काफी विकट हो गया है, इसलिए 'सांसे हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम' के नारे के साथ पिछले 20 वर्षों से यह अभियान श्री हरींद्रानंद के संकल्प से बना न्यास शिव शिष्य हरींद्रानन्द फाउंडेशन, शिव शिष्य परिवार और वैश्विक शिव शिष्य परिवार के तत्वावधान में चल रहा है।

इस पौधरोपण अभियान में अबतक एक करोड़ से अधिक पौधे देश-विदेश में लगाए जा चुके हैं।

आज के पौधारोपण अभियान में कुल 286 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर बरखा आनंद, प्रो रामेश्वर मंडल, रत्नम, गौरी, रामशंकर, गौतम, शिव कुमार, राजेश, रजनीश, आदित्य, सरिता सहित सैकड़ों शिव शिष्यों ने हिस्सा लिया ।

डीपीएस रांची में कक्षा दसवीं के मेधावी छात्र किए गए सम्मानित

सीखने की इच्छा में निहित होती है सच्ची सफलता : नरेंद्र सिंह

- किरण कुमारी पासी ने ने कहा, रातों-रात नहीं मिलतीं उपलब्धियां
- कर्नल संतोष कुमार ने कहा, सफलता एक यात्रा है, मंजिल नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) रांची ने विवेकानंद सभागार में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन कर शुक्रवार को सीबीएसई कक्षा दसवीं (बैच 2025) के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। इस अवसर को छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यार्थियों की उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धियों का गौरवपूर्ण उत्सव मनाया।

इस अवसर पर किरण कुमारी पासी (आईएएस), डायरेक्टर ऑफ सोशल वेलफेयर, झारखंड एवं डायरेक्टर ऑफ एनिमल हसबेंडरी, झारखंड, नरेंद्र कुमार सिंह, आईजी (एचआर), झारखंड एवं कर्नल संतोष कुमार, कमांडिंग ऑफिसर, 3 झारखंड बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रांची ने विशिष्ट अतिथियों के रूप में इस सम्मान समारोह की शोभा बढ़ाई।

डीपीएस रांची के मूल सिद्धांतों का दर्शाती हैं ये उपलब्धियां : प्राचार्या

सम्मान समारोह में प्राचार्या डॉ जया चौहान ने सभी अभिभावकों और शिक्षकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ये शैक्षणिक उपलब्धियां पूरे विद्यालय समुदाय की सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने कहा, ये उपलब्धियां हमारे विद्यालय के मूल सिद्धांतों – प्रतिबद्धता, दृढ़ता और उत्कृष्टता की निरंतरता को दर्शाती हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से हुई। अतिथियों का स्वागत सैपलिंग और स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया, जिसे प्राचार्या डॉ जया चौहान ने प्रस्तुत किया। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया। विद्यार्थियों की मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से समारोह का औपचारिक शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में सीबीएसई कक्षा दसवीं 2025 में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 188 विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने संदेश में नरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, सच्ची सफलता केवल पुरस्कारों या शैक्षणिक उत्कृष्टता में नहीं होती, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र की दृढ़ता और प्रत्येक अनुभव से सीखने की इच्छा में निहित होती है। आज की उपलब्धियां आपकी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब हैं, लेकिन याद रखिए — असली दुनिया आपका नेतृत्व, करुणा और धैर्यशीलता देखने के लिए प्रतीक्षा कर रही है। मौके पर किरण कुमारी पासी ने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, ये असाधारण परिणाम केवल आपकी बुद्धिमत्ता नहीं, बल्कि आपकी अथक मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का प्रमाण हैं। ऐसी उपलब्धियां रातों-रात नहीं मिलतीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, त्याग और शिक्षकों व अभिभावकों के सतत सहयोग से हासिल होती हैं।

साल भर पीछे चल रहे हैं रांची के दोनों विश्वविद्यालय

60 प्रतिशत पद खाली, बिना पढ़ाई बांट रहे हैं डिग्री

काजल मेहता। रांची। रांची विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विद्यार्थियों को पढाई के साथ साथ परीक्षा कब होगी और सेमेस्टर जो काफी पीछे चल रहा है उसमें सुधार कब होगी, की चिंता भी सता रही है। रांची विश्वविद्यालय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय दोनों ही विश्वविद्यालयों में स्नातक स्तर और स्नातकोत्तर स्तर के सेमेस्टर लगभग एक साल से 6 महीने पीछे चल रहा है। जिससे विद्यार्थियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं डीएसपीएमयू में सेमेस्टर में देरी के कारण परीक्षाएं प्रबंधन के द्वारा हर दूसरे महीने ली जा रही है। जिस से विद्यार्थियों और छात्र नेताओं ने भी नाराजगी व्यक्त की। रांची विश्वविद्यालय में लेट सेमेस्टर के बाद ली गई यूजी की परीक्षा में डोरंडा महाविद्यालय बीएससी आईटी के 50 प्रतिशत बच्चों को एक अंक से फेल किया गया।

डीएसपीएमयू में लेट सेशन से विद्यार्थियों को हो रही परेशानी : एनएसयूआई

डीएसपीएमयू में लेट सेशन और मनमाने ढंग से हो रही परीक्षाओं पर छात्र संगठन एनएसयूआई ने आक्रोश व्यक्त किया। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय कुमार महतो के नेतृत्व में एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल ने डीएसपीएमयू में चल रहे लेट सेशन और सिलेबस पूरा किए बिना कॉलेज प्रबंधन के मनमाने ढंग से परीक्षा करवाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि डीएसपीएमयू के द्वारा जारी हाल के आदेश में कहा गया है कि कोई भी छात्र या समूह बिना कुलपति की अनुमति के प्रदर्शन, धरना या किसी भी सार्वजनिक गतिविधि में भाग नहीं ले सकता।

लेट सेशन और परीक्षा परिणाम में गड़बड़ी पर एबीवीपी ने भी उठाई आवाज

रांची विश्वविद्यालय में भी सेशन लेट चल रहा। इसे लेकर शुक्रवार को छात्र संघठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्नातक सेमेस्टर 4 का परीक्षा परिणाम घोषित करने और विलंब से चल रही सेशन को नियमित करने के संबंध में परीक्षा नियंत्रक रांची विश्वविद्यालय को ज्ञापन दिया। साथ ही डोरंडा महाविद्यालय में बीएससी आईटी सेमेस्टर 4 परीक्षा परिणाम में लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को एक नंबर से फेल कर दिया गया। प्रदेश मीडिया संयोजक गुड्डू राय ने कहा कि इस प्रकार की त्रुटि विश्वविद्यालय प्रशासन अगर करती है तो यह विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा सेशन 22-26 के विद्यार्थियों का परीक्षा समय लेकर उनकी सेशन को नियमित किया जाए ताकि उन्हें आने वाले भविष्य में दाखिला लेने में कोई परेशानी ना हो।

अगस्त के अंत में भी बंद हो जाएगा एडमिशन पोर्टल : कुलपति

रांची विश्वविद्यालय कुलपति डीके सिंह से लेट सेशन और शिक्षकों के कमी पर सवाल पूछे जाने पर कहा कि सिर्फ रांची विश्वविद्यालय में ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड के कई एक विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की कमी है। उन्होंने लेट सेशन पर कहा कि विश्वविद्यालयों के चांसलर एडमिशन पोर्टल से दिसंबर तक दाखिला चलता रहता है। उन्होंने कहा कई बार छात्र नेताओं के दबाव में भी समय के बाद पोर्टल को खोलना पड़ता है। हालांकि उन्होंने अब 2025- 29 सेशन की रणनीति बताई जिसमे उन्होंने कहा अगस्त महीने के अंत तक एडमिशन पोर्टल से एडमिशन ले सकेंगे।

विवि की लापरवाही का खामियाजा भरते हैं विद्यार्थी : गोपाल चौहान

विद्यार्थी गोपाल चौहान ने कहा कि सेशन पूरा होने वाला है लेकिन अभी तक सेमेस्टर 4 का ही रिजल्ट नहीं आया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लापरवाही के कारण विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर है।

विद्यार्थियों का मनोबल होता है कमजोर : शबाना परवीन

शबाना परवीन ने कहा कि लेट सेमेस्टर के कारण विद्यार्थियों के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो जाती है। पढाई में ढिलाई और विश्वविद्यालय प्रबंधन के इस लापरवाही के कारण हम विद्यार्थियों का मनोबल काफी कमजोर होता है।

डोरंडा कॉलेज में सेमेस्टर 4 के परिणाम की होगी जांच : परीक्षा नियंत्रक

पूरे मामले पर रांची विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक संजय सिंह ने कहा कि डोरंडा महाविद्यालय के बीएससी आईटी सेमेस्टर 4 परिणाम को लेकर छात्र आए थे। उनका कहना है कि छात्रों ने ज्ञापन दिया है। परीक्षा परिणाम का जांच किया जाएगा। वहीं रांची विश्वविद्यालय के लेट सेमेस्टर को लेकर उन्होंने कहा रणनीति बने जा रही है।

आओ मिलकर करें दादी का मंगल पाठ : रामअवतार नारसरिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री दादीजी का सिंधारा रविवार को श्री राणी सती मंदिर कमेटी के तत्वाधन में स्थानीय राणी सती मंदिर प्रांगण में श्रावण सह सिंधारा महोत्सव 2082 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसे लेकर शुक्रवार सुबह मंदिर प्रांगण में एक समीक्षा मीटिंग रखी गई और सभी कार्यक्रम की रूप रेखा की जानकारी ली गई। अध्यक्ष रामअवतार नारसरिया ने सभी रांची वासियों एवं दादी भक्तों से आग्रह किया है कि 27 जुलाई को मंदिर में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले और राणी सती दादी का आशीर्वाद प्राप्त करें। मंत्री मनोज जालान बताया कि इस बार का मुख्य आकर्षण का केन्द्र संध्या 5:00 से मंगल सिंधारा रहेगा यह सिंधारा नव दंपतियों के द्वारा किया जाएगा महोत्सव संयोजक दीपक गोयनका ने बताया कि प्रातः 6:00 बजे से गणेश पूजन के साथ दादी का सिंधरा उत्सव की शुरुआत की जाएगी उसके पश्चात 8:00 बजे से 501 सुहागन महिलाओं द्वारा मंगला पाठ तथा सिंधारा उत्सव संध्या 5:00 बजे से, गजरा उत्सव संध्या 6:00 बजे से, नैवेद्य भोग संध्या 6:30 बजे से एवं नारायणी सिंधारा उत्सव संध्या 7:30 बजे से किया जाएगा रात्रि 8:30 बजे समापन आरती के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रतन जालान, प्रदीप नारसरिया, प्रदीप राजगढ़िया, सुशील नारसरिया, महेन्द्र जालान अमर पोद्दार, दिनेश टेकरीवाल, अक्षय हरलालका, विकास अग्रवाल एवं अन्य सदस्य दिन रात दादी की सेवा में लगे हुए हैं।

बोकारो में मिलन समारोह में शामिल होंगे सुदेश महतो

रांची। आजसू प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो शनिवार को बोकारो जिले के दौरा पर रहेंगे। वह बोकारो टाउन हॉल में आयोजित पार्टी के मिलन समारोह में भाग लेंगे। समारोह में हजारों युवा आजसू की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इस अवसर पर पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर समेत कई वरिष्ठ नेता भी मिलन समारोह को संबोधित करेंगे। बोकारो पहुंचने पर सुदेश महतो समेत पार्टी नेताओं का जैना मोड़ टोल प्लाजा के पास भव्य स्वागत किया जाएगा।

खेलगांव आवासीय परिसर के सेक्टर 4 फेज 2 के लेडीज क्लब ने भव्य सावन मिलन समारोह का आयोजन किया। इस सावन मिलन में महिलाओं ने एक-दूसरे के हाथों में मेहंदी लगाई। पारंपरिक ढंग से कजरी गीत गा कर एवं झुला झूलकर एक-दूसरे को बधाई दी।

विज्ञान प्रदर्शनी व बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रांची। लाला लाजपत राय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पंजाबी हिंदू बिरादरी सह विद्यालय के अध्यक्ष सुधीर उग्गल, सम्मानित अतिथि राजेश मेहरा, रवि पराशर विद्यालय के प्रधानाचार्य शैलेंद्र कुमार, उप प्रधानाचार्य प्रफुल्ल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर विज्ञान प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। जिसमें छात्रों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में 10 नवीन मॉडल प्रदर्शित किए गए, जिन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान के लिए स्थिरता, अपशिष्ट प्रबंधन और प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करके डिज़ाइन किया गया था। प्रधानाचार्य शैलेंद्र कुमार के सक्षम मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्रों को अपने वैज्ञानिक अवधारणाओं और विचारों को कार्यशील मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

31 जुलाई फसल बीमा की आखिरी तारीख

सीएससी सेंटर से डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं हो रहे

आंखों देखा प्रखंड दिवस

मनोज मिश्रा

रांची। प्रखंड दिवस गांव गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है लोगों में जागरूकता बढ़ी है कि प्रखंड और अंचल के सभी पदाधिकारी एवं अधीनस्थ कर्मचारी हर मंगलवार को प्रखंडों में उपस्थित रहते हैं। इस दिन जनता की समस्याएं सुनी जाती है और इसकी त्वरित करवाई भी की जाती है।

राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता ने मंगलवार को प्रखंड दिवस के अवसर पर चार प्रखंडों का (कांके, रातू, मांडर, चान्हो) का दौरा किया और ग्रामीणों से बात की। ग्रामीणों ने शिकायत की है कि फसल बीमा की आखिरी तारीख 31 जुलाई है और सीएससी सेंटर के माध्यम से डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं हो रहे है, और ओटीपी नहीं आ रहा है। वही भूमि संबंधी मामलों में साइट नहीं चलने के कारण लाखों काम पेंडिंग पड़े हैं। ग्रामीण बुजुर्गों का कहना है कि प्रखंड में या सीएससी सेंटर में कागजात अपलोड नहीं होते हैं और फसल बीमा का ओटीपी नहीं आ रहा है, आवेदन नहीं भरा जा सकता है। बताया जाता है कि साइट स्लो है साइट बंद है। सूत्रों से जानकारी मिली है कि चारों प्रखंडों में साइट काम काम नहीं कर रहे हैं बहुत देर में काम कर रहे हैं जिससे डॉक्यूमेंट अपलोड नहीं हो रहा है और फसल बीमा का आवेदन नहीं भरा जा रहा है क्योंकि ओटीपी नहीं आ रहा है। इस संबंध में राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक समाचार पत्र के संवाददाता ने कृषि निदेशक भोर सिंह यादव यादव से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

> "साइट बिहार के जमाने की बिजली हो गई है जिसके आने से छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी की लहर दौड़ जाती थी। इस तरह साइट काम करने पर खुशी होती है।"

VECTUS®
टंकी मतलब वैक्टस!
4 FOUR LAYER
VECTUS COOL
10 YEARS GUARANTEE
NSF
MICROBAN PROTECTED
वैक्टस ग्रुप ब्रांड्स
Ganga waterwell
व्हाट्सएप पर जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
टोल फ्री नं: 1800 202 6666 | व्हाट्सएप: 8800097939
deepak

खलारी में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, ग्रामीण रहे परेशान

ग्राम सड़क योजना में लापरवाही से उपजा आक्रोश, बच्चों की सुरक्षा पर संकट

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। खलारी प्रखंड अंतर्गत खलारी पंचायत के इराक मोहल्ला में गुरुवार को हुई मूसलधार बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। पानी भर जाने से आमजन की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई और स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर घर लौटना पड़ा। जिस सड़क पर यह स्थिति उत्पन्न हुई, वह जी टाइप कालोनी, खलारी पीएचसी और पतरातू-मैकलुस्कीगंज मार्ग जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ती है। प्रतिदिन इस मार्ग से हजारों लोग आवागमन करते हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सड़क योजना के तहत इस सड़क और पुलिया निर्माण का कार्य 'नेकसटेंसिया इंफ्रा' नामक एजेंसी को सौंपा गया था, लेकिन कार्य अब तक अधूरा है। अधूरी सड़क और अपूर्ण पुलिया के कारण बारिश के समय पूरे क्षेत्र में जलजमाव हो जाता है, वहीं तेज बहाव के कारण मार्ग कई घंटों तक जलमग्न रहता है। निवासियों ने बताया कि योजना में दो पुलियों का निर्माण प्रस्तावित था, लेकिन अब तक कार्य की शुरुआत तक नहीं हुई है। पहाड़ी इलाकों से उतरता पानी इतनी तेजी से बहता है कि राहगीरों को भारी जोखिम उठाकर गुजरना पड़ता है। स्कूली बच्चों के बहने तक का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने इस लापरवाही के लिए संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि स्थानीय विधायक सुरेशकुमार बैठा और प्रखंड प्रशासन को इस गंभीर समस्या पर शीघ्र संज्ञान लेना चाहिए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

रोजगार सेवक अंजूमाला लकड़ा ने 7वीं जेपीएससी में हासिल किया 290वां रैंक

खलारी। खलारी प्रखंड में रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत अंजूमाला लकड़ा ने कड़ी मेहनत और अटूट लगन से सफलता की नई मिसाल कायम की है। अंजूमाला को जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 में सफलता मिली है। झारखंड लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा में उन्हें 290वां रैंक प्राप्त हुआ है। अंजूमाला मूल रूप से लातेहार जिले के चंदवा थाना अंतर्गत सेरक गांव की निवासी है। यह उनका तीसरा प्रयास था। अंजू ने 7वीं से 10वीं जेपीएससी तक दो बार इंटरव्यू राउंड तक का सफर तय किया, जबकि 11वीं से 13वीं जेपीएससी के अंतर्गत तीसरे प्रयास में सफलता प्राप्त की। कृषक परिवार से आने वाली अंजू के पिता बुधराम उरांव किसान हैं और माता राजो देवी एक गृहिणी हैं। चार भाई-बहनों में तीसरे स्थान पर रहने वाली अंजूमाला ने सीमित संसाधनों के बावजूद संघर्ष करते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी। उनकी प्रारंभिक शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, लातेहार में हुई। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2014 में भुवनेश्वर (उड़ीसा) से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में बीटेक की डिग्री हासिल की। बीटेक के पश्चात उन्होंने दिल्ली और फिर रांची में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की। अंजूमाला बताती हैं कि सेल्फ स्टडी ज्यादा उपयोगी साबित हुई।

लापुंग के हुलसू पंचायत में दो जंगली हाथियों ने मचाया उत्पाद घरों को किया ध्वस्त

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र में एक बार फिर जंगली हाथियों ने दी दस्तक। गजराज एक बार फिर मचा रहे उत्पात , दो घरों को पहुंचाया नुकसान। रात लगभग 12 बजे हलसू डूरगू टोली गांव में पूरा गांव गहरे नींद में था। तभी अचानक जंगली हाथियों की चिग्घाड़ से अर्ध रात्रि में नींद खुल गई। अचानक दो जंगली हाथी हुलसू डुरगु टोली में नामजन होरो के घर पहुंचे और उसके घर की कच्ची दीवार को तोड़ कर वहां रखे दो क्विंटल धान और मडुवा को सूढ़ से खींचकर बाहर निकला और खा गया। जंगली हाथियों के अचानक हुए आक्रमण से पूरा परिवार घबरा गया। इस घटना से नामजन होरो को काफी आर्थिक नुकसान हुआ । वहीं दूसरी ओर जंगली हाथियों ने भोर लगभग चार बजे चालंगी रायटोली गांव में भारी उत्पात मचाया और जोसेफ होरो के घर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। यहां जोसेफ होरो के परिवार वालों ने भागकर जंगली हाथियों से अपनी जान बचायी। बाद में ग्रामीणों ने मिलकर जंगली हाथियों को खदेड़ा। जंगली हाथी जरिया गढ़ थाना की ओर जंगल में शरण लिया है। ग्रामीणों को आशंका है कि जंगली हाथी एक बार फिर से लापुंग के गांवों में आक्रमण करेंगे।

सहकारिता के क्षेत्र में लखन व सुशीला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

शिल्पी नेहा तिर्की
मंत्री
आबुआ लाह उत्पादक सहयोग समिति लिमिटेड सारंगलोया की उपविधियाँ

लापुंग। झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की की प्रेरणा से बेड़ो प्रखंड के कांग्रेस कमेटी कार्यालय में जिला सहकारिता पदाधिकारी रांची ने बेड़ो कांग्रेस कमेटी के प्रखंड अध्यक्ष कर्मा उरांव एवं नवल किशोर सिंह के साथ मिलकर सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले लापुंग प्रखंड के भारतीय किसान दुग्ध उत्पादन सहयोग समिति लालगंज के अध्यक्ष लखन साहु समेत कई लोगों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में भारतीय किसान दुग्ध उत्पादन सहयोग समिति सारंगलोया के अध्यक्ष बोनिफाश कोंगाड़ी, लाह उत्पादक सहयोग समिति पबीरा के अध्यक्ष निर्मल तिर्की, आबुआ लाह उत्पादक सहयोग समिति महुगांव के अध्यक्ष समीर टोपनो, नीलम मुर्गी उत्पादक सहयोग समिति मुरूप के अध्यक्ष अनमोल होरो एवं सुशीला बारला को सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया गया।

सीयूजे में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया शुरू

रांची। झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय रांची में 2025-26 सत्र में स्नातकोत्तर की विभिन्न कोर्स में प्रथम चरण के नामांकन प्रक्रिया के बाद 63 प्रतिशत नामांकन हो चुका हैं। बाकी रिक्त सीटों के लिए द्वितीय चरण की डायनेमिक नामांकन प्रक्रिया 25 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगी। 11 विषयों में रिक्त सीटों के लिए नामांकन किया जा रहा है। इसमें एमएससी- जियोइनफॉर्मेटिक्स, सांख्यिकी (स्टैटिसटिक्स), जियोलॉजी (भूविज्ञान), रसायन शास्त्र। **एमए** - अंग्रेजी, लोक प्रशासन (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), राजनीतिक विज्ञान, तिब्बती भाषा एमपीए- थिएटर आर्ट और हिन्दुस्तानी वोकल म्यूजिक। एमकॉम। सभी प्रक्रिया प्रथम चरण के नामांकन के अनुसार ही चलेगी। सभी उम्मीदवार जो कि प्रथम चरण में नामांकन नहीं किए हैं वे संबंधित कार्यक्रम के संबंधित विषय में सीयूईटी (पीजी) -2025 प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हुए हैं और जिनके पास वैध सीयूसीईटी स्कोर है, वे सीयूजे में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवार इस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

खलारी के केडी नेहरू स्टेडियम में श्रावणी मेला का भव्य उद्‌घाटन

1987 से खलारी कोयलांचल के लोगों का मनोरंजन कर रहा श्रावणी मेला

- आधुनिक इलेक्ट्रोनिक मनोरंजन मोबाइल, टीवी आदि से उब चुके लोगों के लिए इस मेले में आकर मनोरंजन में नयापन मिलता है

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। खलारी के केडी नेहरू स्टेडियम में श्रावणी मेला सह मीना बाजार का शुक्रवार को भव्य उद्‌घाटन किया गया। स्थानीय विधायक सुरेशकुमार बैठा सहित अन्य अतिथियों ने नारियल फोड़कर तथा फीता काटकर मेले का उद्‌घाटन किया। इससे पूर्व पुजारी बृजराज दुबे ने विधानपूर्वक पूजन कराया। वक्ताओं ने इस मेले के महत्व को बताया। अतिथियों ने कहा कि यह मेला पिछले करीब चार दशक से लग रहा है। इस तरह के मेले पारंपरिक मनोरंजन के साधन होते हैं। अपील किया गया कि खलारी कोयलांचल के लोग परिवार के साथ आकर मेले का आनंद लें। इस भव्य आयोजन के लिए मेला समिति को धन्यवाद दिया। आधुनिक इलेक्ट्रोनिक मनोरंजन मोबाइल, टीवी आदि से उब चुके लोगों के लिए इस मेले में आकर मनोरंजन में नयापन मिलता है। खासकर महिलाएं, बच्चे इस श्रावणी मेले में खूब आते हैं। स्वागत भाषण मेला समिति के अध्यक्ष राजनसिंह राजा ने दिया। आए अतिथियों ने भी बारी बारी से अपनी बातें रखी। संचालन तनवीर आलम ने किया। उद्‌घाटन समारोह में जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, ललनप्रसाद सिंह, बीएन पांडेय, विनय सिंह मानकी, मिथिलेश सिंह, राजनसिंह राजा, विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, अब्दुल्ला अंसारी, राजेशसिंह मिंटू, प्रेम कुमार, गोल्टेन यादव, सुनील सिंह, बिगनसिंह भोगता, विनय खलखो, नागेश्वर महतो, मोनू रजक, डीपी सिंह, किरण देवी, इंदिरा देवी, अनिल पासवान, रतिया गंझू, साबिर अंसारी, अशोक राम, इम्तियाज अंसारी, गोपाल सिंह, नरेश गंझू, सुनील सिंह, सोनू पांडेय, राजा खान, रंजनसिंह बिट्टू, विक्की सिंह सहित मेला समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आसपास के लोग उपस्थित थे।

महादानी मंदिर में भव्य शृंगार पूजा का आयोजन

भजन कीर्तन से गुलजार रहा पूरा मंदिर परिसर

बेड़ो। ऐतिहासिक महादानी मंदिर में शुक्रवार की रात विशेष श्रृंगार पूजा महोत्सव एवं भंडारा सहित भजन कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रृंगार पूजा दौरान लव कुश एवं गोल्डी ने संयुक्त रूप से ऐतिहासिक महादानी मंदिर में देर शाम महादानी मंदिर का भव्य श्रृंगार पूजा का आयोजन किया। ऐतिहासिक महादानी मंदिर में श्रृंगार पूजा समिति के अध्यक्ष विजय टंडन सहित मुख्य पुजारी अशोक पंडा की देखरेख में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस मौके पर समाजसेवी एवं डीएस संस के प्रोपराइटर लव कुश एवं गोल्डी ने मिलकर महादानी मंदिर के गर्भगृह में स्थित भगवान भोलेनाथ का विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों से श्रृंगार किया। देर शाम में स्थानीय भजन गायक मोतीलाल गुप्ता सहित अन्य लोगों के नेतृत्व में भजन कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके श्रद्धालुओं के लिए विशेष भंडारा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुंदर साहु, ईश्वर साहु, मोती साहु, ज्वाला साहु, प्रसिद्ध भजन गायक मोतीलाल गुप्ता, सोमा नायक, बंटी रौनियार वेदानंद प्रसाद, अवधेश ठाकुर,बंटी रौनियार सहित महादानी सत्संग समिति के लोगों सहित दर्जनों लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नई शिक्षा नीति में जनजातीय कृषि ज्ञान पर तकनीकी सत्र का आयोजन

जनजातीय समुदायों के पास प्रकृति के साथ समन्वयपूर्ण जीवन का उत्कृष्ट ज्ञान है : डॉ. शिवेंद्र

- यह सत्र जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक कृषि प्रणालियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण और शैक्षिक उपयोगिता पर केंद्रित था

नवीन मेल संवाददाता

रांची। संतोष कॉलेज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन के आईक्यूएसी सेल द्वारा आयोजित सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन "नई शिक्षा नीति में आदिवासी कृषि ज्ञान की भूमिका" विषय पर एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। यह सत्र जनजातीय क्षेत्रों में पारंपरिक कृषि प्रणालियों के संरक्षण, डिजिटलीकरण और शैक्षिक उपयोगिता पर केंद्रित था, जो नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विशेष रूप से प्रासंगिक है। इस अवसर पर डॉ. शिवेंद्र कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, आईसीएआर अनुसंधान परिसर, पूर्वी क्षेत्र, रांची ने रिसोर्स पर्सन के रूप में सहभागिता की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि जनजातीय समुदायों के पास संसाधन प्रबंधन और प्रकृति के साथ समन्वयपूर्ण जीवन का उत्कृष्ट ज्ञान है, जिसे लुप्त होने से पहले संरक्षित किया जाना आवश्यक है। डॉ कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि पारंपरिक कृषि प्रणालियां न केवल जैव विविधता के संरक्षण में सहायक हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने में भी इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। सुझाव दिया कि इस पारंपरिक ज्ञान को डिजिटल मैपिंग और अन्य तकनीकी साधनों के माध्यम से संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए विविध जिज्ञासाओं को प्रस्तुत किया और विशेषज्ञ द्वारा उनका समाधान प्राप्त किया।

कारगिल विजय दिवस पर जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

रांची। कारगिल विजय दिवस से पूर्व आयोजित स्मृति समारोहों के एक भाग के रूप में, भारतीय सेना की 8वीं माउंटेन डिवीजन ने द्रास के सैंडो रियर में "गौरवमयी संस्कृति" नामक एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में याक नृत्य, राष्ट्रीय अखंडता नृत्य और एक शानदार ड्रोन शो जैसे प्रदर्शनों के माध्यम से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और एकता की भावना का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया भी उपस्थित थे, जिन्होंने सशस्त्र बलों की बहादुरी और बलिदान की सराहना की और इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में संस्कृति और देशभक्ति का जश्न मनाने की भारतीय सेना की पहल की सराहना की। जिस तरह से हमारी सेना काम किया वह बहुत ही सराहनी है यह हमेशा याद किया जाएगा।

विदेश की धरती पर सम्मानित हुए सफल युवा उद्यमी अरुण सिन्हा

Business Excellence Awards 2025

रांची। राइडर ग्रुप ऑफ कंपनी के चेयरमैन अरुण कुमार सिन्हा एक बार फिर विदेश की धरती पर सम्मानित हुए हैं। रेडियो ऑरेंज इंटरनेशनल ने इन्हें ऑरेंज बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया है। यह आयोजन थाईलैंड के फुकेट में आयोजित किया गया था। जिसमें बॉलीवुड एक्टर राहुल देव बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। बताया गया रेडियो ऑरेंज के तेरह हो स्टेशन की ओर से यह आयोजन हुआ था। जिसमें देश भर के चुनिंदा सफल लोगों को सम्मानित किया गया। बता दें कि अरुण कुमार सिन्हा झारखंड के सफल उद्यमी हैं ओर इन्होंने गिरिडीह, हजारीबाग और रांची में बहुत छोटे स्तर से राइडर सिक्योरिटी कंपनी की स्थापना की थी और आज उनकी कंपनी ग्रुप आफ कंपनी के तौर पर पूरे देश में मानव संसाधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करती है। वहीं तकनीकी क्षेत्र में भी ईनकी कंपनी एक प्रतिष्ठित कंपनी के रूप में जानी जाती है। इधर यासी ब्रांड बेवरेज प्लांट भी ईन्होंने रांची में लगाया है और बेहतरीन क्वालिटी प्रोडक्ट के साथ यासी भी आज सफलता के मुकाम गढ़ रही है। इनके हिम्मत, बुलंद हौसले और जुनून ने इनकी सभी कंपनियों को ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। इसी वजह से रेडियो ऑरेंज में इन्हें नामित किया और थाईलैंड बुलाकर उनका सम्मान किया। वास्तव में अरुण कुमार सिन्हा नई पीढ़ी के उद्यमियों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत हैं।

न्यूज बॉक्स

ठाकुर गांव उरूगुट्टू मे बिजली चोरी कर रहे ग्रामीणों पर केस दर्ज

ठाकुरगांव। कांके बिजली सबस्टेशन के अभियंता पंकज कुमार ने अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे ग्रामीणों के विरुद्ध ठाकुरगांव थाना में मामला दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार छापेमारी के क्रम में उरूगुट्टू निवासी मतीउर रहमान,अब्दुल रौफ,अफरोज अंसारी,आरिफ अंसारी व जावेद आलम को अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा गया। इनके ऊपर दंड लगाते हुए मामला भी दर्ज किया गया है।

झारखंड स्टेट फीडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप चार चक्र खेल के बाद पांच खिलाड़ी रहे शीर्ष पर

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में झारखंड राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित चार दिवसीय आदित्य बिरला मेमोरियल 24वीं झारखंड स्टेट फीडे रेटिंग चेस चैंपियनशिप-2025 का शुक्रवार को दूसरा दिन था। दूसरे दिन चार चक्रों के खेल के बाद पूर्वी सिंहभूम के प्रीतम सिंह, रोहन विजय शाडिल्य, पश्चिमी सिंहभूम के तनिष्क कुमार, धनबाद के ईशांत कुमार शीर्ष पर रहे। प्रतियोगिता के दौरान झारखंड राज्य शतरंज संघ के सचिव मनीष कुमार, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, मुख्य समन्वयक प्रभात रंजन कुमार एवं सह सचिव दीपक कुमार एवं मृदुल कुमार सिंह उपंस्थित रहे। अन्य चक्रों के मुकाबले में प्रीतम सिंह ने अभिषेक राज, रोहन विजय शाडिल्य ने रूद्रनील राय, तनिष्क कुमार ने कृष्णा कुमार साव, ईशांत कुमार ने आरव राज मेहता और मनीष शर्मा ने रौशन गुप्ता को शिकस्त दी। प्रतिभागियों को राज्य शतरंज संघ के अध्यक्ष राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

अधर पर लटकी बिरसा हरित आम बागवानी योजना

बुढ़मू। बुढ़मू प्रखंड में चल रहे सरकार के सबसे महत्वाकांक्षी योजना बिरसा हरित आम बागवानी अधर पर लटकी हुई है,जहां किसानों ने गड्ढों की खुदाई कर पेड़ लगाने की राह जोह रहे हैं। वही अभी तक लाभुकों को पेड़ लगाने से पहले उपयोग करने वाले खाद तक नहीं मिल पाया है और ना ही उसकी आस दिखाई दे रहा है। लाभुक बरसात से पहले अपने खेत में गड्ढों की खुदाई तो कर चुके है पर भारी बारिश होने के कारण आधा से अधिक गड्ढे भर चुके हैं। पिछले वर्ष मनरेगा कर्मियों की हड़ताल में जाने की वजह से पूरे जिले में जहां एक भी आम बागवानी नहीं लग पाया। वहीं इस वर्ष भी देर होने से लाभुकों के चेहरे पर मायूसी दिखाई दे रही है। आम बागवानी की आस में किसान अपने खेत में गड्ढे होने के कारण दूसरे फसल भी लगाने पर मजबूर हैं। सोचने वाली बात यह है कि सरकार के सबसे महत्वाकांक्षी योजना का यह हाल है तो बाकी योजना का मालिक भगवान ही है।

राहे के राजकिशोर का झारखंड प्रशासनिक सेवा में चयन

रांची। राहे प्रखंड के बसंतपुर ग्राम निवासी चंद्रकांत सिंह मुंडा का पुत्र राज किशोर सिंह मुंडा का चयन झारखंड प्रशासनिक सेवा में हुआ है। राज किशोर सिंह मुंडा का स्कूली शिक्षा 12 वीं तक ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल रांची तथा सिविल इंजीनियर की पढ़ाई बीआईटी मेसरा से किया है। वर्तमान में एनएच डिवीजन गुमला में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने प्रशासनिक सेवा में जाने मन प्रारंभ से ही बना लिया था। सेल्फ स्टडी ओर ट्राईबल रिसर्च इंस्टीट्यूट के नियोजन पदाधिकारी,माता पिता और मित्रों के मार्गदर्शन से इन्होंने यह सफलता पायी है। श्री मुंडा को जेपीएससी सिविल सेवा के दूसरे प्रयास में 276 रैंक प्राप्त हुआ है। पिता चंद्रकांत सिंह मुंडा पथ निर्माण विभाग के क्षेत्र सर्वेक्षण प्रमंडल रांची में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत है इनकी सफलता पर पूरे गांव में खुशी का माहौल है।

पीएनबी में मेगा एमएसएमई आउटरिच प्रोग्राम का आयोजन

मेगा एमएसएमई
25 जुलाई, 2025

रांची। पंजाब नैशनल बैंक के द्वारा चलाए जा रहे 'मेगा एमएसएमई आउटरिच प्रोग्राम' के तहत रामगढ़ शाखा में कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक के मौजूदा एवं नए प्रतिष्ठित ग्राहकों ने सहभागिता की | इस बैठक में पीएनबी द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी मौजूदा एमएसएमई स्कीम की जानकारी दी गयी तथा सभी ग्राहकों से इसका लाभ लेने का अनुरोध किया गया | इस कार्यक्रम में प्रधान कार्यालय से महाप्रबंधक श्री एस.एस. दास पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थति रहें | उन्होंने रांची मंडल प्रमुख अवधेश कुमार झा एवं एमसीसी प्रमुख आरसी शर्मा के साथ आयोजित कैम्प का जायजा लिया तथा वहां उपस्थित ग्राहकों से विस्तृत बात की । कैंप में बैंक के सम्मानित ग्राहक श्री मंजीत साहवने, सचिव, रामगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स, कमल बगरिया, पवन गर्ग, विजय मेवाड, मेहुल बसंत, अशोक जैन, शिवलाल महतो, उज्ज्वल समन्ता, शुभम सिंह, श्यामनंदन सिंह, रुपेश अग्रवाल, अतुल कुमार बंसल, निरंजन कुमार सहित रामगढ़ के अन्य सम्मानित लोग उपस्थित रहें ।

6 से 9 महीने में कार्य करने लगेगा सिन्हा हेल्थ इंस्टीच्यूट

सस्ते दर पर दिल्ली, वेल्लौर जैसी मिलेंगे एमआरआई को सुविधा और इलाज़ : जयंत

नवीन मेल संवाददाता

बरही । सेवा परमो धर्म के भाव से विश्व स्तरीय एमआरआई सुविधा के साथ सिन्हा हेल्थ इंस्टीट्यूट आगामी 6 से 9 महीने में पूर्ण रूप से अस्तित्व में आ जाएगा. जिसका शिलान्यास पूर्व केंद्रीय मंत्री व हजारीबाग के पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने अपने डेमोटांड़ स्थित निवास परिसर ऋषभ वाटिका में किया. प्रेस वार्ता के माध्यम से श्री सिन्हा ने बताया कि उक्त सेंटर नो प्रॉफिट नो लॉस के सिद्धांत पर कार्य करेगा. जिसमें विश्वस्तरीय चिकित्सक भी मरीजों को बेहतर सलाह देंगे. जहां सस्ते दर पर वेल्लोर, दिल्ली जैसी सुविधा और इलाज़ मिलेंगे. उन्होंने कहा कि हजारीबाग में बेहतर स्वास्थ्य सेवा विकसित करना उनका लक्ष्य था. इसे लेकर वह लगातार प्रयासरत रहे. अपने कार्यकाल के दौरान मेडिकल कॉलेज, बेहतर मेडिकल सेवा, अस्पतालों में कई ऑक्सीजन युक्त बेड, ऑक्सीजन प्लांट इत्यादि जैसे सुविधा उपलब्ध करवाई थी. इसके साथ हीं बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए डीएमएफटी कोष से करीब ढाई सौ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई थी. उन्होंने बताया कि सिन्हा हेल्थ इंस्टीच्यूट का संचालन एक ट्रस्ट के माध्यम से होगा, जिसके निदेशक डॉ एस के सिन्हा होंगे.

गरजामु में पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज, तिलैया बस्ती में दो भाई बने एक दूसरे के दुश्मन

बरही। मारपीट की घटना को लेकर गरजाम निवासी मो. महफूज अंसारी पिता हफिज मियां ने पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है. आरोप है कि जानवर चराने के बाद वापस लौटते समय उनका मवेशी मो सुलेमान की खेत में चला गया. इसे लेकर उक्त व्यक्ति ने मो. मकसूद, मो. इस्लाम, मो. इम्तियाज के साथ उन्हे लाठी डंडे से मारकर घायल किया, बीच बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट किया गया. मामले को लेकर बरही थाना में सभी नामित आरोपियों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है. वही एक दूसरे मामले में तिलैया बस्ती निवासी सुरेंद्र यादव ने अपने ही छोटे भाई सिकंदर यादव के खिलाफ मारपीट और पैसे छीनने का गंभीर आरोप लगाते हुए बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है.

भुईंयाडीह रेलवे अंडर ब्रिज में जलजमाव से लोगों को हो रही परेशानी

रामगढ़। चैनपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित भुइयाडीह रेलवे अंडर ब्रिज में जलजमाव को लेकर क्षेत्र वासियों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। इस अंडर ब्रिज के बनने से हजारों लोगों के लिए आवागमन सुरक्षित तो हुआ लेकिन निर्माण कार्य के दौरान ब्रिज के नीचे होने वाले जलजमाव की निकासी का कोई ठोस उपाय नहीं किया गया। जिसके कारण हल्की सी बरसात से ब्रिज के नीचे काफी जलजमाव हो जाता है। जिससे दो पहिया वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए मुसिबत का कारण बना हुआ। दूसरी ओर भुइयाडीह में डीएवी स्कूल का नवनिर्माण किया गया। जहां स्कूली बच्चों का आना जाना शुरु हो चुका है। ऐसे में बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों और अभिभावकों को भी आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। क्षेत्र के ग्रामीणों और अभिभावकों ने रेलवे प्रबंधन से इसका स्थाई समाधान निकाले की अपील की है। जिससे भविष्य में कोई अप्रिय घटना ना हो सके।

जमीन सौदे में आठ लाख की ठगी का आरोप

रामगढ़। जरा टोला निवासी राजेश पटेल ने कथित भूमि सौदे में ठगी का आरोप लगाते हुए कोर्ट कंप्लेंट के आधार पर रामगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया है। आवेदन में कहा गया है कि रजरप्पा थाना क्षेत्र की कांति देवी और राजकिशोर महतो ने जमीन दिलाने का भरोसा देकर उनसे कुल आठ लाख रुपए लिए, पर जमीन उपलब्ध नहीं कराई गई। पीड़ित का आरोप है कि रकम भी वापस नहीं की गई। राजेश पटेल के अनुसार उन्होंने कई बार पहल की, पर समाधान नहीं मिला।

न्यूज बॉक्स

अपर समाहर्ता ने की जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति की बैठक

रामगढ़। शुक्रवार को अपर समाहर्ता, रामगढ़ कुमारी गीतांजलि की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में जिला टेलीकॉम समिति की बैठक का आयोजन किया गया। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में संचार मीनारों के अधिष्ठापन के लिए जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति से मोबाईल टॉवर. झारखंड. गोव. इन पोर्टल के माध्यम से स्वीकृति लेना जरूरी है। बैठक के दौरान जिला परियोजना पदाधिकारी यूआईडी आरती पंकज के द्वारा पोर्टल पर आए मामलों के संबंध में अपर समाहर्ता एवं अन्य अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्होंने पोर्टल के माध्यम से आवेदनों की जांच करने एवं स्वीकृति देने के संबंध में भी जानकारी दी। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता के द्वारा समिति के सदस्यों के साथ प्राप्त 4 आवेदनों पर चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए। साथ ही अन्य मामलों पर अपर समाहर्ता ने संबंधित पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए।

रंग-बिरंगे वर्षा ऋतु के परिधान पहनकर बच्चों ने मनाया रेनी डे

रामगढ़ । शहर के श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में रैनी डे कार्यक्रम शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नर्सरी एवं एलकेजी कक्षा के नन्हे-मुन्नों बच्चों ने पूरे जोश से भाग लिया।थीम के अनुसार रंग-बिरंगे वर्षा ऋतु के परिधानों में सजे बच्चों ने स्कूल का वातावरण को आनंद और रंगों से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत छतरियों के साथ मनमोहक नृत्य से हुई, जिसमें बच्चों ने मुस्कुराते हुए हिस्सा लिया।बच्चों ने बादल,मछली,कोयल,बारिश की बूंदे, रैंबो आदि का रूप धारण किया।बच्चों को हिंदी और अंग्रेजी में कविता पाठ करवाया गया तथा कागज़ की नावों को पानी में तैराना बच्चों के लिए बेहद रोचक अनुभव रहा। बच्चों ने छाता लेकर रैंप वॉक भी किया।इसके साथ ही बादलों से सजा हुआ सेल्फी कॉर्नर भी बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। अंत में बच्चों ने बारिश सॉन्ग पर डांस ही किया।इस दौरान शिक्षकों द्वारा बच्चों को वर्षा ऋतु के बारे में जानकारी, इसके फायदे और सावधानियों से अवगत कराया गया। शिक्षकों ने बताया कि वर्षा से प्रकृति हरी-भरी होती है और वातावरण शुद्ध होता है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य हरजाप सिंह ने सभी की सराहना की और बच्चों को इसी तरह हर गतिविधि में उत्साहपूर्वक भाग लेने

दो पक्षों के बीच मारपीट व रंगदारी का मामला दर्ज, अनुसंधान में जुटी पुलिस

बरही । पोकलेन मशीन के मालिकाना हक को लेकर दो हकदारों ने बरही थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार प्रथम पक्ष ने दूसरे पक्ष तारबंगला निवासी शमशाद अली व नौशाद अली व नजरूल हसन पर मारपीट व छिनतई को लेकर मामला दर्ज करवाया है. वही दूसरे पक्ष ने भी प्रथम पक्ष आजाद मुहल्ला निवासी मो मेराज, मो सेराज व कहकशा प्रवीण के खिलाफ गाली गलौज, धमकी देने और छिनतई आदि का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पोकलेन मशीन पर गलत तरीके से मालिकाना हक जताने का आरोप लगाया है. पुलिस दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान में जुट गई है.

अवैध बालू लदे छह ट्रैक्टर जब्त किसी भी वाहन पर नहीं था रजिस्ट्रेशन नंबर

बड़कागांव। सिकरी ओपी पुलिस ने डीएसपी पवन कुमार के नेतृत्व में बुधवार रात अवैध बालू लदे छह ट्रैक्टर जब्त किये. थाना प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी कि चोरका गांव की ओर से ट्रैक्टर चमगढ़ा की ओर जा रहे हैं. छापामारी कर सभी ट्रैक्टर को पकड़ा गया. जब्त ट्रैक्टरों पर रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं था, जिसके आधार पर इंजन व चेसिस नंबर से जांच शुरू की गयी है. कार्रवाई में अवर निरीक्षक अजय भगत, सहायक पुलिस संजीव पांडेय सहित थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे. पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है.

अंतिम सोमवारी को कांवर यात्रा निकालने को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक

गिद्दी। बड़काचुंबा पंचायत सचिवालय में अंतिम सोमवारी को कांवर यात्रा निकालने को लेकर ग्रामीणों की शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बड़काचुंबा पंचायत के मुखिया राजेंद्र कुशवाहा और संचालन पंसस मनोज महतो ने की। बैठक में प्रत्येक वर्ष की तरह इस साल भी अंतिम सोमवारी माँ छीनमास्तिका मंदिर से कर कांवर यात्रा निकालने की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें मां छीनमास्तिका मंदिर से कांवर यात्रा निकाल कर उच्चरिंगा शिवालय में जलाभिषेक करने का निर्णय लिया गया। 4 अगस्त को 5 बजे सुबह में मां रक्षा काली मंदिर बड़का चुंबा से कांवर यात्री रवाना होंगे जो माँ छीनमास्तिका मंदिर से कांवर में जल लेकर कांवर यात्रा निकलेगा। बैठक में अनिल सोनी, अरुण गोस्वमी, सुदामा करमाली, जितेंद्र मिश्रा, रामांनदन सिंह, रमेश गुप्ता, संतोष गोस्वामी, ओमप्रकाश शर्मा, नरेश तिवारी, उमेश गुप्ता, पिंटू रजक आदि उपस्थित थे।

रात भर बिजली कटे रहने से गुस्साए लोगों ने पीओ का किया घेराव

गिद्दी। रात भर बिजली कटे रहने से गुस्साए बुध बाजार कॉलोनी के लोगों ने गिद्दी ए पीओ का शुक्रवार को घेराव किया। कॉलोनी के लोग सीसीएल सेफ्टी बोर्ड के अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में गिद्दी ए पीओ सतीश त्रिवेदी, मैनेजर एसके श्रीवास्तव, एसओ ईएंडएम अरगड्डा क्षेत्र अमरेंद्र कुमार का घेराव करते हुए धरना पर बैठ गए। बाद में पीओ और संबंधित अधिकारियों के ट्रांसफार्मर को ठीक कर कॉलोनी में बिजली आपूर्ति बहाल करने के आश्वासन देने पर सभी वापस हुए। लोगों ने बताया इसके बाद शुक्रवार को दोपहर बाद लगभग 2 बजे बिजली अपूर्ति बहाल हो पाई। कॉलोनी के लोगों ने बताया गुरुवार को शाम में लगभग 5 बजे गिद्दी ए बुधबाजार स्थित ट्रांसफार्मर में खराबी आ गई।जिसकी रिपोर्ट करने के बाद भी बिजली कर्मियों ने उसे ठीक नहीं किया। जिसके कारण बुध बाजार ट्रांसफार्मर से बिजली अपूर्ति होने वाले सैकड़ो क्वार्टर में रात भर बिजली कटी रही। इससे गुस्साए कॉलोनी के दर्जनों लोग शुक्रवार को लगभग 10 बजे एसओएम कार्यालय में पीओ और संबंधित अधिकारियों का घेराव किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बहन ने दिव्य ईश्वरीय रक्षा सूत्र बांध लगाया आत्मा का तिलक

बरही । पटना रोड बरही स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र का दिव्या ईश्वरीय रक्षाबंधन कार्यक्रम जारी है. शुक्रवार को केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने शहर के विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय व संस्थान में भ्रमण कर रक्षा बंधन कार्यक्रम मनाया. इस दौरान उन्होंने आरएनवाईएम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बिमल किशोर, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविकांत ओम, डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य दो आशुतोष कुमार मैढ़, उप डाकघर के पोस्टमास्टर दीप्तेश आनंद सहित विभिन्न विद्यालय के शिक्षक - शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों को दिव्य रक्षा सूत्र बांधकर आत्मा का तिलक लगाया. उन्होंने लोगों को आत्मा का ज्ञान बताते हुए महादेव की अराधना करने की बात कही. इस अवसर पर उन्होंने आध्यात्मिक शिक्षा देते हुए मानव समाज के निर्माण व सुख शांति के लिए इसे ग्रहण करने पर जोर दिया.

कावरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना, गूंजे बोल बम' के जयकारे

बरही। शुक्रवार को धनवार और दूधपनियां गांव से दर्जनों कांवरियां सुलतानगंज के लिए रवाना हुए. जो सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा से पवित्र गंगाजल लेकर पद यात्रा करते हुए बाबानगरी देवघर पहुचेंगे. भोलेनाथ को जलार्पण करने के बाद बासुकीनाथ स्थित फौजदारी बाबा का जलाभिषेक करेंगे. उक्त जानकारी युवा समाजसेवी अजय कुशवाहा ने दी. उन्होंने बताया कि कांवरियों का यह जत्था बीते चार वर्षों से बाबा को जलार्पण कर रहा है. कावरियों के इस जत्थे में सुनील केसरी, आशीष केसरी, अमित केसरी, अभिषेक केसरी, विकास कुमार साहू, रंजन साहू, मिथलेश साहू, आकाश साहू, वासुदेव ठाकुर, प्रज्ञा ठाकुर और श्री पंडित विनोद पासवान आदि शामिल थे. यात्रा रवानगी के पूर्व सभी श्रद्धालुओं ने धनवार पंचायत के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना किया. फिर 'हर हर महादेव, जय भोलेनाथ और 'बोल बम' के जयकारों के बीच सुलतानगंज के लिए रवाना हुए. धनवार पंचयात के मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने सभी कांवरियों को शुभकामनाएँ देते हुए भगवान भोले नाथ से मंगल यात्रा की कामना किया है.

चैंबर ने विद्युत कार्यपालक अभियंता के समक्ष उठाई कई विद्युत समस्या

रामगढ़। रामगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मंजीत साहनी के नेतृत्व में शुक्रवार को झारखंड राज्य विद्युत वितरण निगम लिमिटेड रामगढ़ के कार्यपालक अभियंता से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रामगढ़ शहर सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में विद्युत की लचर व्यवस्था, रिलायंस पेट्रोल पंप का ट्रांसफार्मर बदलने, इंडस्ट्रीरियल ग्रीड को पुन: चालू करने, ग्रामीण फिडर में लाईनमैनों की संख्या बढ़ाने, विनायक फर्नीचर के कोने से बिजली के पोल को सामने की ओर हस्तांतरित करने आदि समस्याओं से अवगत करवाया गया। मौके पर कार्यपालक अभियंता ने उक्त समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और उनके निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

ममता देवी दिल्ली में ओबीसी भागीदारी न्याय महासम्मेलन में हुईं शामिल- कहा

हाशिए पर खड़े वर्गों को उनका अधिकार दिलाना जरूरी है

नवीन मेल संवाददाता

- तेलंगाना की तर्ज पर पूरे देश में जल्द से जल्द जातिगत जनगणना कराई जानी चाहिए

रामगढ़। दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कांग्रेस पार्टी के ओबीसी नेतृत्व सम्मेलन भागीदारी न्याय महासम्मेलन में रामगढ़ विधायक ममता देवी ने शामिल हुईं । यह सम्मेलन कांग्रेस पार्टी द्वारा सामाजिक न्याय, ओबीसी समाज के अधिकार, और राजनीतिक-सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस आयोजन में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने की। वहीं, कांग्रेस लोकसभा दल के नेता राहुल गांधी ने बतौर मुख्य वक्ता सम्मेलन को संबोधित किया। मंच पर ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयहिंद अनिल, कांग्रेस संगठन के अन्य वरिष्ठ नेता एवं देशभर से आए हज़ारों प्रतिनिधि उपस्थित थे। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश की सामाजिक संरचना को समझने और हाशिए पर खड़े वर्गों को उनका अधिकार दिलाने के लिए जातिगत जनगणना आवश्यक है। तेलंगाना की तर्ज पर पूरे देश में जल्द से जल्द जातिगत जनगणना कराई जानी चाहिए, ताकि ओबीसी समाज को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक भागीदारी मिल सके। रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कांग्रेस पार्टी हमेशा से सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की सशक्त आवाज रही है। ओबीसी समाज के हक-अधिकार को लेकर आज जो लड़ाई लड़ी जा रही है, उसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है और हम सब इसकी अगली पंक्ति में हैं। उन्होंने राहुल गांधी जी के 'भागीदारी न्याय' के सिद्धांत को समर्थन देते हुए कहा कि यह नारा अब एक आंदोलन बन चुका है, जो देश के हर कोने में गूंजेगा। मौके पर पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो, जिला प्रवक्ता सह मिडिया चैयरमेन सह दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, मनोज पुझर आदि उपस्थित रहे ।

अनंया मुखर्जी जिला सचिव मनोनित की गई

गिद्दी। गिद्दी निवासी अनंया मुखर्जी झारखंड मुक्ति मोर्चा की हजारीबाग जिला सचिव मनोनित की गई हैं। झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने अनंया मुखर्जी को पत्र भेजकर जानकारी दी है। साथ ही संगठनात्मक कर्मठता का पूर्ण उपयोग करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करने की बात कही है। इधर अनंया मुखर्जी के जिला सचिव बनने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का जो भी कार्य होगा उसे हम बखूबी निभाएंगे और इसे आगे की ओर ले जाएंगे। महमारा लक्ष्य है पार्टी को मजबूत करना और पार्टी को जोड़कर ओगे की ओर ले जाना है।

बधाई देने वालों में प्रखंड अध्यक्ष लखनलाल महतो, सचिव राजेश बेदिया, श्रीनाथ महतो, शमशुल, मुन्ना करमाली, श्रवण सिंह, साजीद आलम, फातमा खातुन, राजेश कुमार, संगीता देवी, आकांक्षा देवी, बबीता देवी, सोनी देवी, मेहरू नीशा खातून, अंजु देवी, ज्योति कुमारी, रवि कुमार आदि शामिल हैं।

विवि में विदाई व नए विद्यार्थियों का स्वागत किया गया

अंतिम वर्ष के सफल विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट और स्मृतिचिन्ह देकर किया गया सम्मानित

नरवीन मेल संवाददाता

FAREWELL AND FRESHER PARTY
25 July 2025

रामगढ़। शुक्रवार को राधा गोविंद विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में विदाई सह नवागंतुक विद्यार्थियों को स्वागत समारोह का आयोजन हुआ। इस आयोजन में एम.कॉम सत्र,2023-25 एवं बीकॉम सत्र, 2022-25 के विद्यार्थीयों को विदाई और एमकॉम,सत्र 2025-27 एवं बीकॉम,सत्र 2025-29 के विद्यार्थियों को स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के साथ हुई। तत्पश्चात सभी अतिथियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। फ्रेशर पार्टी में जूनियर छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं और सीनियर्स का गर्मजोशी से स्वागत किया, खेल, नृत्य, और गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।वहीं, फेयरवेल समारोह में सीनियर्स के अनुभव साझा किए गए। उन्होंने कॉलेज के दिनों की यादें ताजा करते हुए जूनियर्स को शुभकामनाएं दीं। स्वागत भाषण वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रंजन कुमार ने दिया। उन्होंने नए फ्रेशर विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत एवं अंतिम वर्ष में सफल विद्यार्थियों के आशीर्वाद दिए। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सचिव प्रियंका कुमारी सभी छात्रों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और अपने संबोधन में कहा कि कहा कि कॉलेज जीवन के ये क्षण यादगार होते हैं - नया उत्साह, नए अनुभव और नए सपनों के साथ ये यात्रा शुरू होती है और अनुभवों व उपलब्धियों के साथ नया मार्ग प्रशस्त होता है| कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल नए सत्र के विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित रहने का परामर्श दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ)अशोक कुमार ने कार्यक्रम की सराहना की एवं हार्दिक शुभकामनाएं दीं । सभी अतिथियों द्वारा अंतिम वर्ष में सभी सफल विद्यार्थियों को फेयरवेल सर्टिफिकेट और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

केदारुत के युवा को जेपीएससी व यूपीएससी (प्री) में मिली सफलता

जेपीएससी की परीक्षा में 215वां रैंक लाकर शुभम बने ग्रामीण युवाओं के लिए रोल मॉडल

नवीन मेल संवाददाता

बरही। जेपीएससी की परीक्षा में 215वां रैंक लाकर केदारुत के शुभम ग्रामीण युवाओं के लिए रॉल मॉडल बने हैं. जिन्हे वित्त विभाग की जिम्मेवारी मिली है. उनके पिता शंकर यादव वर्तमान में गोड्डा में एएसआई और मां कविता देवी एक कुशल गृहिणी है. जिनके तीन भाई है. इन्होंने डीएवी पब्लिक स्कूल बरही से 6ठी की पढ़ाई करने के बाद 12वीं तक की पढ़ाई हजारीबाग डीएवी से किया. संत जेवियर रांची से स्नातक पूरा करने के बाद प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जुट गए. इसी क्रम में इन्होने इग्नू से पीजी किया. यूजीसी (नेट) उत्तीर्ण शुभम को प्रशासनिक सेवा ज्यादा भाया और प्रशासनिक सेवा की तैयारियों में जुट गए. यूपीएससी (प्री) में सफलता हासिल करने के बाद आगे की तैयारी में लग गए. इसी क्रम में इन्होने जेपीएससी में अपना परचम लहराया और क्षेत्र सहित पूरे प्रखंड का नाम रौशन किया है. अध्ययन के साथ क्रिकेट में इनकी विशेष रुचि है. जो प्रशासनिक स्तर से समाज व क्षेत्र के विकास के लिए गंभीर हैं. अपनी सफलता के लिए इन्होंने अपने माता -पिता व गुरुजनों को श्रेय दिया है. इन्होने कहा कि लक्ष्य व दिनचर्या निर्धारित कर निष्ठा पूर्वक प्रतियोगिता करने वाले प्रतिभागियों को निश्चित हीं सफलता मिलती है.

इस उपलब्धि के लिए विधायक मनोज कुमार यादव, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव, जिप उपाध्यक्ष किसून यादव, प्रमुख मनोज रजक, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, स्थानीय मुखिया सरिता देवी आदि सहित भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, वरिष्ठ समाजसेवी दुलार यादव, विशेश्वर यादव, राजन ओम, विहिप जिला मंत्री गुरुदेव गुप्ता, विनोद प्रगतिशील फाउंडेशन अध्यक्ष मंजीत यादव आदि ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है.

गोला में हाथियों का उत्पात जारी घर तोड़कर अनाज को किया चट

गोला। गोला वन क्षेत्र में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रत्येक दिन किसी न किसी गांव में हाथियों का झंड प्रवेश कर भारी तबाही मचाते फिर रहा है। हाथी फसलों के साथ घरों को भी निशाना बना रहे हैं। जिससे जंगलों के समीप रहने वाले ग्रामीण काफी भयभीत हैं। शाम होते ही लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। पिछले एक सप्ताह से सुतरी के जंगल में डेरा जमाए हाथियों का झुंड सुतरी व आस पास के गांवों में उत्पात मचाते फिर रहा है।

शाम होते ही जंगलों से निकलकर हाथी गांव में प्रवेश कर जाते हैं और भारी तबाही मचाकर सुबह जंगल की ओर चले जाते हैं। बीती रात हाथियों का झुंड डुमरडीह गांव में प्रवेश कर एक विधवा महिला संगीता देवी पति स्व धनीराम मांझी के घर को ध्वस्त कर दिया। साथ ही घर में रखे अनाज को चट कर गए। मुखिया सतीश कुमार ने बताया कि महिला व उनकी तीन बेटियां घर के कोने में दुबक कर अपनी जान बचाई। जबकि महिला का एकलौता पुत्र दूसरे प्रदेश में मजदूरी करने गया है। हाथियों द्वारा सारा अनाज खा जाने से बेवा महिला संगीता व उनकी तीनों पुत्रियों के समक्ष भुखमरी की नौबत आ गई है। महिला ने बताया कि घर में खाने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। सूचना पर मुखिया सतीश मुर्मू गांव पहुंच कर घटना की जानकारी लिया। मुखिया ने पीड़ित महिला को वनकर्मियों से बात कर मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा हाथियों ने दर्जनों किसानों के खेतों में लगे धान का बिचड़ा, मुंगफली, मकई सहित अन्य फसलों को खाते हुए रौंदकर बर्बाद कर दिया।

सांप काटने से सात वर्षीय बच्चे की मौत

पाकरटांड़। प्रखंड के बेरीटोली गांव में सात वर्ष के बालक असेसन कुल्लू की जहरीले सांप काटने से मौत हो गई। बताया गया कि घर में खटिया आदि नहीं रहने के कारण असेसन जमीन में सोया हुआ था। इसी दौरान गुरुवार देर रात उसे जहरीले सांप ने काट लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। लेकिन रात अधिक होने के कारण पीड़ित बच्चे को अस्पताल लाने का साधन नहीं मिला। अहले सुबह किसी तरह एक वाहन व्यवस्था कर परिजन सर्पदंश से पीड़ित असेसन को अस्पताल लाने लगे। लेकिन बच्चे ने रस्ते में हीं दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा सूचना भेजने के बाद पुलिस सदर अस्पताल पहुंच कर शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम तैयारी में जुट गई है। बच्चों के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

श्रम अधीक्षक के रूप में वाल्टर कुजूर ने लिया पदभार

सिमडेगा। संयुक्त श्रम भवन कार्यालय सिमडेगा में आठवें श्रम अधीक्षक के रूप में वाल्टर कुजूर ने पदभार ग्रहण किया। इससे पहले, श्रम अधीक्षक का पदभार पुनीत मिंज के पास था, जिन्होंने नए श्रम अधीक्षक वाल्टर कुजूर को कार्यालय में स्वागत कर उन्हें पौधा भेंट किया और अपना कार्यभार सौंप दिया। नए श्रम अधीक्षक ने पदभार ग्रहण करने के बाद, श्रम विभाग के कर्मियों के साथ एक बैठक की, जिसमें उन्होंने मजदूरों के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। उनका कहना है कि श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाना और मजदूरों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता होगी। ज्ञात हो कि पुनीत मिंज का स्थानांतरण पलामू जिला में हुआ है वहीं वाल्टर कुजूर खूंटी जिला के श्रम अधीक्षक हैं जिन्हें सिमडेगा जिला का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।मौके पर निवर्तमान श्रम अधीक्षक पुनीत मिंज, सावित्री कुमारी, मधुरिमा केरकेट्टा, सतीश कुमार, आलोक कुमार, मिलावती देवी, बालचंद सिंह, अशोक साय, दिनेश केरकेट्टा, सिपोरा केरकेट्टा, अनमोल कुमार साहू, बिनीता बखला, सेराज अंसारी, इंदु मिंज सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

जंगली हाथियों का आतंक आठ किसानों की फसल बर्बाद, लाखों का नुकसान

नवीन मेल संवाददाता

बानो। बानो प्रखंड के जमताई पंचायत अंतर्गत जोरपोंडा गांव में गुरुवार की रात 22–25 जंगली हाथियों के झुंड ने धावा बोल दिया। रात करीब 7 बजे पहुंचे हाथियों ने खेतों में लगी धान की फसल और कद्दू जैसी सब्जियों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया। घटना से गांव में दहशत का माहौल है और किसान बेहद परेशान हैं। गांव के किसान विमल केरकेट्टा ने बताया कि हाथियों को भगाने के लिए ग्रामीणों ने मशाल और टॉर्च की मदद से प्रयास किया, लेकिन झुंड पूरी रात एक ही स्थान पर डटा रहा। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीण उन्हें भगाने में सफल हुए, लेकिन तब तक लाखों रुपए की फसलें नष्ट हो चुकी थीं। चन्द्रवाहन नायक, संजू नायक, गोकुल नायक, पूसवती देवी, विमल केरकेट्टा, जुनेल नायक, विनोद कोटवार और जितवाहन कोटवार उन किसानों में शामिल हैं जिनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। घटना की सूचना जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना और वन विभाग बानो को दी गई। शुक्रवार सुबह जोरपोंडा के ग्रामीण वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी से मिले और अपनी समस्या से अवगत कराया। रेंजर, वनपाल और वन कर्मियों ने हाथी भगाने की सामग्री ग्रामीणों को उपलब्ध कराई। फिलहाल हाथियों का झुंड अभी भी गांव के आसपास के जंगलों में विचरण कर रहा है, जिससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण रात भर जागकर अपनी फसलों और घरों की रक्षा करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजा और

किलेसेरा गांव में बारिश से पलटन पातर का घर जलमग्न

बोलबा। प्रखंड अंतर्गत किलेसेरा मांझी टोली गांव में पिछले कई दिनों से हो रही लगातार भारी बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। अत्यधिक वर्षा के कारण गांव के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। विशेष रूप से गांव निवासी पलटन पातर के घर में बारिश का पानी घुस गया है, जिससे उनका दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।पलटन पातर का घर पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है, जिसके चलते उन्हें और उनके परिवार को रहने में काफी कठिनाई हो रही है। बरसात का पानी घर के अंदर जमा होने से बिस्तर, राशन और अन्य घरेलू सामान भी प्रभावित हो गए हैं।

डीसी ने की डीएमएफटी फंड से संचालित कार्यों की समीक्षा

खनन क्षेत्र के आसपास की आबादी पर हो रहे प्रभाव का आकलन करें : डीसी

- **उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि डीएमएफटी मद की राशि का सदुपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाना चाहिए**

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला खनन फाउंडेशन ट्रस्ट सिमडेगा की प्रबंधकीय समिति की शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएमएफटी मद अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे अपर समाहर्ता एवं अंचल अधिकारियों के सहयोग से खनन क्षेत्र के आसपास के गांवों एवं वहां की आबादी पर खनन गतिविधियों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव का आकलन करें।

उन्होंने डीएमएफटी कोष में रॉयल्टी का शत-प्रतिशत जमा सुनिश्चित करने तथा मनरेगा योजनाओं में प्रयुक्त पत्थरों की रॉयल्टी एजेंसियों से वसूल कर जमा करने का भी निर्देश दिया। जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में डीएमएफटी अंतर्गत कुल 51 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से कई योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है।

उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वीकृत योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें, ताकि खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का लाभ शीघ्र उपलब्ध हो सके।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सिविल सर्जन को जिला अस्पताल के लिए अल्ट्रासाउंड मशीन एवं पोर्टेबल नेत्र ऑपरेटिंग सर्जिकल माइक्रोस्कोप की शीघ्र खरीद सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं, पुलिस अधीक्षक ने जिले में स्टोन माइनिंग के लिए नए स्थान का चयन करने का सुझाव दिया। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि डीएमएफटी मद की राशि का सदुपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाना चाहिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी, वन प्रमंडल पदाधिकारी शशांक शेखर सिंह, उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी, सिविल सर्जन डॉ सुन्दर मोहन सामद, जिला खनन पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

सिमडेगा की बेटी अमीषा: पाइकपारा के छोटे से गांव से यूथ ओलंपिक तक का सफर

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। ठेठईटांगर प्रखंड स्थित पाइकपारा पाहन टोली की 17 वर्षीय अमीषा केरकेट्टा ने अपने अथक परिश्रम और अदम्य साहस के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन किया है। अमीषा का चयन अबू धाबी में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों के लिए हुआ है, जहां वह मुक्केबाजी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे सिमडेगा और झारखंड राज्य के लिए गर्व का विषय है। अमीषा का जीवन संघर्ष से भरा रहा है। एक साधारण किसान परिवार से आने वाली अमीषा ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को जीवित रखा। उन्होंने झारखंड राज्य खेल संवर्धन सोसाइटी से प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उन्हें अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध मुक्केबाज बीबी मोहंती का मार्गदर्शन मिला। हाल ही में अमीषा ने जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया था। इसके अतिरिक्त वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी पदक जीत चुकी हैं। अमीषा की इस सफलता पर सिमडेगा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा, सचिव तौकीर उस्मानी और जिले के अन्य खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है। सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और अमीषा को शुभकामनाएं दीं। वहीं पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने कहा कि अमीषा ने यह सिद्ध कर दिया है कि सिमडेगा केवल आदिवासी संस्कृति का केंद्र नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं की भी उर्वर भूमि है। अमीषा आज लाखों ग्रामीण बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई हैं और उनका यह सफर आने वाली पीढ़ियों को भी सपने देखने और उन्हें साकार करने का हौसला देगा।

बलिकाओं के बीच सेनेटरी पैड का हुआ वितरण

सिमडेगा। सिमडेगा सदर प्रखंड अंतर्गत बीरु गाँव निवासी प्रेम कुमार के नेतृत्व मे हाई स्कूल बीरु मे कार्यक्रम आयोजित कर महावरी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर बलिकाओ को पैड दिया गया। प्रेम कुमार दास ने कहा की मै कपिल शर्मा का फैन हु, और उनकी तरह लोगो के फेस मे छोटी छोटी मुस्कान लाने की कोशीश करता हु अक्षय कुमार की पैड मैन फिल्म देखने के बाद मै काफी प्रभावित हुआ और बलिकाओ को इसके प्रति जागरूक करने की सोच के साथ गाँव मे लोग इसके बारे मे बात करने से कतराते है, वही दूसरी और इस पर खुल कर चर्चा कर बलिकाओ के बीच महा वरी स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे मे जानकारी देने का कम कर रहा हुए, प्रेम ने बताया की जन औषधि केंद्र सिमडेगा मे पैड कम दामो मे मिलते पर इसका प्रचार लोगो तक होना चाहिए । सिमडेगा के बहुत से प्रखंड व अन्य जिलों के गांवों मे भी जाकर जागरूक करने का काम किया ।

दो मानव तस्करों को मिली 14-14 वर्ष कारावास की सजा

- **आदिम जनजाति समुदाय की लड़की को बेचने का था आरोप**

नवीन मेल संवाददाता

DISTRICT COURT
SIMDEGA

सिमडेगा। सिमडेगा कोर्ट में शुक्रवार को अहातु थाना कांड संख्या 11/2021 के तहत दर्ज मानव तस्करी मामले में सुनवाई करते हुए एडीजे निरंजन सिंह की अदालत ने दो मानव तस्करों को 14 -14 वर्ष कारावास और 10000 जुर्माने की सजा सुनाई।

प्रभारी लोक अभियोजन निशि कच्छप ने घटना के संबंध में बताया कि दिलीप नायक और इसकी पत्नी संगीता देवी ने 2021 में लुप्तप्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय की एक लड़की को रोजगार दिलाने का झांसा देकर महानगर ले जाकर बेच दिए। महानगर जाने के बाद जब काफी दिनों लड़की ने अपने घर वालों से किसी तरह का संपर्क नहीं किया तब घरवालों को शंका हुई और उन्होंने अपनी लड़की की खोज खबर शुरू की।

काफी खोजबीन के बाद जब घर वालों को लड़की का कोई पता नहीं चला तब उन्होंने अहातू थाना में दिलीप और संगीता के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

मामला दर्ज होने पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। बताया गया कि आज तक लड़की का पता नहीं चल सका है। आज इसी मामले सुनवाई करते हुए एडीजे की अदालत ने अभियोजन पक्ष से प्रभारी अभियोजन निशि कच्छप के द्वारा पेश किए गए साक्ष्य और गवाह के आधार पर दिलीप और संगीता मानव तस्करी का दोषी करार देते हुए 14-14 वर्ष कारावास और 10000 जुर्माने की सजा सुनाई।

बूथ स्तर के कार्यकर्ता बनें गांव के लोगों की आवाज : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। केरसई प्रखंड में कांग्रेस पार्टी ने नव नियुक्त प्रखंड उपाध्यक्ष, महासचिव और मंडल के सदस्यों को जिला अध्यक्ष डेविड तिर्की की अध्यक्षता में नियुक्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा उपस्थित थे। भूषण बाड़ा ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अब संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाना है जो ज़िम्मेदारी आप सबको सौंपी गई है। वह सिर्फ पद की नहीं, जनसेवा की है। गांव के कार्यकर्ता अब गांव के लोगों की आवाज बनें। जनता की समय सुने और उसका तत्काल समाधान कराएं। अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जुड़कर मजबूत बनाने में जुट जाएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे जनसमस्याओं को प्राथमिकता दें और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर पहुंचाएं। कार्यक्रम में जिप सदस्य जोसिमा खाखा, प्रखंड प्रवेक्षक सह जिप सदस्य सामरोम पौल तोपनो, प्रखंड अध्यक्ष जेफरेन केरकेट्टा, सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया मुंश खेस, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, जिप सदस्य प्रेम बड़ा, कार्यकारी प्रखंड अध्यक्ष बालासियुष खेस, सदर विधायक प्रतिनिधि सलमान खान, नगर विधायक प्रतिनिधि सज्जाद अंसारी, विधायक प्रतिनिधि शीतल तिर्की, राहुल रोहित तिग्गा, सुरेंद्र कुमार, 20 सूत्री सदस्य मनोहर कुमार, अरविंद यादव, जिला अल्पसंख्यक महासचिव मो. अबजल सहित कई वरिष्ठ नेता, पंचायत अध्यक्षगण, महिला प्रखंड अध्यक्ष मधुचंद खलखो, असरानी एक्का, उर्मिला कुजूर तथा बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पत्नी की हत्या करने वाले पति को मिली आजीवन कारावास की सजा

नवीन मेल संवाददाता

जिला न्यायालय, सिमडेगा

सिमडेगा। सिविल कोर्ट में पीडीजे राजीव कुमार सिन्हा की अदालत ने शुक्रवार को महाबुआंग थाना कांड संख्या 10/2022 के तहत दर्ज हत्या के एक मामले में सुनवाई करते हुए आरोपी को अपनी पत्नी के हत्या करने के जुर्म आजीवन कारावास और 20000 जुर्माने की सजा सुनाई। लोक अभियोजन अमर चौधरी ने घटना के संबंध में बताया कि 14 अक्टूबर 2022 की रात को महाबुआंग निवासी ग्राबियल टोपनो ने किसी बात को लेकर अपनी पत्नी अलियानी बडिंग के साथ काफी मारपीट कर दी।

जिससे 15 अक्टूबर 2022 की सुबह उसकी पत्नी अलियानी की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने थाने में पत्नी के साथ मारपीट और हत्या का मामला दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस आरोपी ग्राबियल टोपनो को गिरफ्तार कर जेल भेज दी थी। आज इसी मामले में पीडीजे की अदालत में सुनवाई करते हुए अभियोजन पक्ष से लोक अभियोजन अमर चौधरी द्वारा पेश किए गए साक्ष्य और गवाह के आधार पर ग्राबियल को अपनी पत्नी के हत्या के आरोपी करार देते हुए आजीवन कारावास और 20000 जुर्माने की सजा सुनाई।

श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिए होगा वरदान

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। शुक्रवार को जलडेगा प्रखंड के परबा लमडेगा गांव में लीड्स संस्था के कार्यकर्ता कलिंद्र प्रधान, ललिता कंडुलना, जूही कुमारी और आत्मा के एटीएम नितेश पौल एक्का ने किसान मधु प्रधान के खेत में उतरकर श्रीविधि से धान रोपाई की। यह एक वैज्ञानिक व कम लागत में अधिक उपज देने वाली तकनीक है। इस दौरान लीड्स संस्था के कार्यकर्ताओं ने खेत में मौजूद किसानों को बताया कि श्री विधि में कम बीज की जरूरत होती है और पौधों को सही दूरी पर लगाने से पैदावार भी अच्छी होती है। उन्होंने कहा कि यह तरीका खेती को आसान और लाभदायक बनाता है। धान की रोपाई करते समय उन्होंने किसानों से बातचीत की, उनकी खेती से जुड़ी समस्याएं सुनीं व समाधान भी बताए। आत्मा के एटीएम नितेश पौल एक्का ने अधिक से अधिक किसानों को श्री विधि से धान की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें इस विधि के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि श्री विधि से धान की खेती करने से किसानों की आय में वृद्धि होगी और वे अधिक खुशहाल जीवन जी सकेंगे। लीड्स के परियोजना समन्वयक आलोक कुमार ने कहा कि श्री विधि, धान की खेती करने की एक ऐसी तकनीक है जिसमें कम पानी, कम बीज और कम रसायनों का उपयोग करके अधिक उपज प्राप्त की जा सकती है।

सुतरीउली गांव में हाथियों ने घर किया ध्वस्त, अनाज बर्बाद

बानो। प्रखंड के महाबुआंग थाना क्षेत्र अंतर्गत बेड़ाइरगी पंचायत के सुतरीउली गांव में शुक्रवार तड़के लगभग 2 बजे जंगली हाथियों के झुंड ने सिप्रियान सिंह के घर को ध्वस्त कर दिया। हाथियों ने घर में रखे अनाज को खा लिया और घर को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।घटना की जानकारी मिलते ही झामुमो सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद सक्रिय हुए। उन्होंने मामले की सूचना झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष मोहम्मद तनवीर हुसैन, सचिव अमित बडिंग और तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया को दी। विधायक के निर्देश पर झामुमो प्रतिनिधिमंडल ने वन क्षेत्र पदाधिकारी से मुलाकात की और पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की। वन विभाग ने शीघ्र मुआवजा देने का आश्वासन दिया है।घटनास्थल पर पहुंचे झामुमो नेताओं ने पीड़ित परिवार को सूखा राशन सामग्री प्रदान की। लगातार हाथियों के हमलों से ग्रामीणों में भय व्याप्त है और वे रात में जागकर दिन काटने को मजबूर हैं।मौके पर संदीप समद, संदीप नाग, प्रकाश सिंह, मदन सिंह, धनेश्वर सिंह समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है।

ग्रामीणों की हर समस्या के साथ खड़ा है झामुमो : अनिल कंडुलना

ठेठईटांगर। शुक्रवार को राजाबासा पंचायत में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना विशेष रूप से आमंत्रित थे। ग्राम सभा में ग्रामीणों ने बिजली सहित कई ज्वलंत समस्याओं को उनके समक्ष रखा। राजाबासा पंचायत के ग्रामीणों ने बताया कि जोराम पावर हाउस से चिराटोली फीडर होते हुए लगभग 40–45 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर पंचायत के गांवों में बिजली पहुंचती है, जबकि काहुपानी गांव की दूरी मात्र 4–5 किलोमीटर है। इस दूरी के बावजूद गांवों को दूरस्थ फीडर से बिजली आपूर्ति की जा रही है, जिससे बार-बार विद्युत व्यवधान की समस्या उत्पन्न होती है।इन समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कांडुलना ने कहा कि वे इस मामले को विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता के समक्ष रखकर शीघ्र समाधान का प्रयास करेंगे। उन्होंने ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।बैठक में झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य नोवस केरकेट्टा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, मुखिया बसंत समद, राजेश तिर्की, सिमोन कांडुलना, प्रीतम समद, मनोहर लुगुन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष व महिलाएं उपस्थित थीं।

धानरोपनी

धान रोपती महिलाओं की अनूठी जुगलबंदी में जिंदा है सदियों पुरानी संस्कृति और परंपरा

बनगड़ी और पंचायत पूजा के साथ होती है धानरोपनी की शुरुआत

- **महिलाएं लोकगीत गाकर देती हैं खेती को शक्ति**

विकास साहू

सिमडेगा। आधुनिकता के दौर में खेती के तरीके जरूर बदले हैं। हल-बैल की जगह ट्रैक्टर ने ले ली है, अब खेती के लिए बाजार में खाद-बीज भी उपलब्ध हैं, लेकिन कुछ परंपराएं आज भी जीवंत हैं। गांव-घर और खेत-खलिहानों की संस्कृति और लोकजीवन की खुशबू से सराबोर लोकगीतों की सदियों पुरानी परंपरा आज भी जिंदा है। सिमडेगा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में धान रोपनी की शुरुआत आज भी महिलाएं अपने खेतों में पारंपरिक पूजा बनगड़ी और पंचायत करती हैं और गाते हुए धान की रोपाई शुरू करती हैं। सिमडेगा के ग्रामीण क्षेत्रों में अभी धान रोपने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है जहां पर महिलाएं सामूहिक रूप से धान रोपाई करते हुए पारंपरिक गीतों को गाकर धान रोपाई करती है। बनगड़ी पूजा में गांव का पहान चावल, महुआ, तेल, घी, तिलक, मखाना आदि पूजा सामग्री लेकर खेत के मेढ़ पर पूजा करता है।

पूजा में खेती से किसान की संपन्नता के लिए भगवान, धरती माता व जल देवता से प्रार्थना की जाती है।

पूजा के बाद महिलाएं खेत में उतरकर लोकगीत गाती हैं। इसको गाते महिलाएं खेती के प्रति जुड़ाव भी लाती हैं। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। ऐसी मान्यता है कि धान के बिचड़ा रोपनी के समय महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले लोकगीत में इतनी ताकत होती है कि खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है।

धानरोपनी ने पकड़ी रफ्तार, हल-सिमडेगा के अलावा कोलेबिरा, जलडेगा , बानो, ठेठईटांगर, पाकरटांड़, बासजोर, केरसई सहित प्रखंड के किसान अपने खेतों में धान रोपनी कर रहे हैं। ग्राम संस्कृति में रचे-बसे सिमडेगा के ग्रामीणों में इन दिनों खेती का उत्साह चरम पर है। ऐसे में इस बार धान उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद रहेगी।

बैल लेकर जुटे किसान

सिमडेगा जिला के अलावा प्रखंड क्षेत्र में हो रही बारिश से किसान खुश हैं। मानसून की मेहरबानी ने किसानों के चेहरे पर हंसी ला दी है। किसान तेजी से धान की रोपाई कर रहे हैं। पूरे जिले व आसपास में जगह-जगह धानरोपनी में किसान जुटे हुए हैं। सभी प्रकार खेतों में कहीं हल तो कहीं ट्रैक्टर से खेत जोतने का कार्य चल रहा है। खेत से लेकर मेढ़ तक लोग सक्रिय हैं। धान रोपनी की परंपरा के तहत हल-बैल की जोड़ी भी एक बार फिर खेतों में उतर चुकी है।

पीएम के प्रधान सचिव ने बीएआरसी दीक्षांत समारोह में वैज्ञानिक अधिकारियों को संबोधित किया

2047 तक विकसित राष्ट्र के लिए 'सुधार प्रदर्शन और परिवर्तन' का है पीएम का संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ पीके मिश्र ने शुक्रवार को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) प्रशिक्षण स्कूल के 68वें दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षण पूरा करने वाले वैज्ञानिक अधिकारियों को संबोधित किया। यह समारोह इस संस्थान और भारत के वैज्ञानिक समुदाय की अगली पीढ़ी के लिए एक उपलब्धि है।

डॉ. मिश्र ने बीएआरसी की विरासत और डॉ. होमी जहाँगीर भाभा की परिकल्पना पर टिप्पणी की और संस्थान की प्रशिक्षण संबंधी उत्कृष्टता तथा भारत के विकास में इसके योगदान की सराहना की। उन्होंने आंतरिक परिवर्तन और बदलती अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता द्वारा संचालित भारत के वैश्विक उत्थान पर प्रकाश डाला और युवा जनसांख्यिकी, बुनियादी ढांचे के विस्तार एवं तकनीकी उपलब्धियों जैसी खूबियों का उल्लेख किया।

डॉ. मिश्र ने 2047 में विकसित भारत से संबंधित प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला और देश को एक विकसित राष्ट्र में बदलने में 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. मिश्र ने 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में भारत की स्थिति, 2024-25 में 185 बिलियन से अधिक लेनदेन के लिए यूपीआई प्रोसेसिंग सहित डिजिटल बुनियादी ढांचे का पैमाना और 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता सहित साहसिक जलवायु प्रतिबद्धताएं व राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहल समेत विविध राष्ट्रीय उपलब्धियों का हवाला दिया।

पांच संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा कल से

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट ने रांची के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर में परमहंस डॉ संत शिरोमणि स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में 27 जुलाई से 31 जुलाई तक पांच दिवसीय संगीतमय श्रीकृष्ण बीतक कथा का भव्य आयोजन किया है। ट्रस्ट के प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने शुक्रवार को बताया कि श्री कृष्ण बीतक कथा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। संजय सर्राफ ने बताया कि इस आयोजन में सुप्रसिद्ध कथावाचक विदुषी साध्वी मीणा महाराज एवं विदुषी साध्वी पूर्णा महाराज वृंदावन से आ रही हैं। आगामी 27 जुलाई से 31 जुलाई तक प्रतिदिन अपराह्न 2:30 बजे से संध्या 5:00 बजे तक दोनों साध्वी अपनी मधुर वाणी, गहन आध्यात्मिक अनुभव और श्रद्धा से परिपूर्ण भावों के माध्यम से श्रीकृष्ण लीला, रासोत्सव, भक्ति योग एवं जीवन दर्शन की व्याख्या करेंगी। श्रीकृष्ण बीतक कथा, केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह आत्मा के शुद्धिकरण, मन की शांति और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला एक महायज्ञ है। उन्होंने कहा कि इस कथा में भगवान श्रीकृष्ण के बाल्यकाल, युवावस्था, गीता ज्ञान, रासलीला एवं उनके अद्भुत चरित्र की व्याख्या की जाएगी। विशेषकर आज के युग में श्रीकृष्ण के उपदेश, धर्म के प्रति उनका समर्पण और निष्काम कर्म की भावना युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकती है। संजय सर्राफ ने कहा कि कथा के उपरांत प्रतिदिन सामूहिक आरती होगी और प्रसाद का वितरण किया जाएगा।

पेंचीदा होता जा रहा तिसरी कृषि फार्म की जमीन का मामला

26 लोगों को दिया गया नोटिस संबंधित लोग पहुंचेंगे डीसी दरबार

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। तिसरी प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि फॉर्म जमीन अतिक्रमण का मामला दिन प्रतिदिन पेचीदा होते जा रहा है। एक ओर जहां अंचलाधिकारी द्वारा 26 लोगों को नोटिस कर कार्यालय में जमीन संबंधित दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया है। वहीं उक्त 26 लोगों ने इसके विरुद्ध उपायुक्त के नाम आवेदन लिखकर अंचल अमीन पर मनमाने तरीके से मापी करने का आरोप लगाया है। शुक्रवार की शाम मिशन स्कूल के मैदान में इसको लेकर बैकुंठ गुप्ता, नरेश अग्रवाल, विकास गुप्ता, चन्दन कुमार, रणधीर कुमार, रौनक गुप्ता,नीरज कुमार, अमित प्रजापति आदि लोगों ने बैठक कर उपायुक्त के नाम आवेदन तैयार किया। आवेदन में नोटिस धारियों ने लिखा है कि वे लोग कृषि फॉर्म की जमीन से बाहर हैं। यहां कृषि फॉर्म स्थापित होने से पूर्व से ही वे लोग मकान बनाकर रह रहे हैं। पूर्व मुखिया बैकुंठ गुप्ता ने कहा कि वे पूर्वज के जमाने से कृषि फॉर्म स्थापित होने के पूर्व से ही यहां रह रहे हैं। उसके बाद कृषि फॉर्म का सीमांकन किया गया है। वे लोग उनके पास उक्त जमीन से संबंधित हुकूमनामा भी है। कहा कि अचानक हमें यहां से हटाने की प्रक्रिया की जा रही है जो न्यायसंगत नहीं है। विकास गुप्ता ने कहा कि कृषि फॉर्म की जमीन का सीमांकन किया गया है वे लोग उससे बाहर हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने पूर्वज के समय से ही यहां रह रहे हैं उनके पास 1944 का कागजात भी उपलब्ध है, जो उन्होंने अंचल कार्यालय में प्रस्तुत किया है।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के कार्यान्वयन का हुआ समापन

ससमय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव ने शुक्रवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (BPMFBY) के कार्यान्वयन एवं अनुश्रवण हेतु जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति (DLMC) की बैठक की। बैठक में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की गई तथा ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना (NMNF) के कार्यान्वयन की भी समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया गया। डीसी ने कहा कि किसानों को जहां तक हो सके योजनाओं का लाभ् मिलें। बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला गव्य विकास पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, जिला मत्स्य पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बिजुपाडा के विशाल बने डीएसपी

बीजुपाड़ा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बिजुपाडा के पूर्व छात्र मांडर के हेसमी निवासी विशाल सिंह जेपीएससी की परीक्षा क्वालीफाई कर बने डीएसपी

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

गिद्दी। सिटीजन फोरम पब्लिक स्कूल गिद्दी ए में शुक्रवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल गिद्दी के एएमओ डॉ जेडआई खान के देख रेख में डॉ सागर कुमार ने छात्रों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस शिविर 65 स्कूली छात्रों की जांच की गई। शिविर में फार्मासिस्ट तौहीद आलम, मुस्कान कुमारी और स्कूल के शिक्षकों ने योगदान किया।

डीएवी हेहल में डीएवी स्पोर्ट्स का हुआ शुभारंभ

खेल अनुशासन और आत्मविश्वास को निखारता है : एसडीओ

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल के खेल मैदान में शुक्रवार को डीएवी स्पोर्ट्स–2025 का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह नौ बजे किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार थे। मौके पर उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्फूर्ति का माध्यम है,बल्कि यह अनुशासन,आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता को भी निखारता है। विद्यालय स्तर की ऐसी प्रतियोगिताएँ भविष्य के खिलाड़ियों के लिए सशक्त मंच तैयार करती हैं।"विशिष्ट अतिथि जेएससीए अध्यक्ष नाथ शाहदेव,अध्यक्ष ने कहा कि खेलों के माध्यम से टीम भावना,नेतृत्व क्षमता और प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ सोच विकसित होती है। डीएवी समूह का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। इस दो-दिवसीय क्षेत्रीय प्रतियोगिता में झारखंड जोन-सी (क्लस्टर-III) के 10 डीएवी विद्यालयों से आए 1000 से अधिक छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं।विद्यालय के प्राचार्य बिपिन राय ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों,निर्णायकों,शिक्षकगणों,अभिभाव कों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। वहीं कहा कि डीएवी स्पोर्ट्स केवल खेलों का आयोजन नहीं,बल्कि यह नई पीढ़ी को आत्मानुशासन,नेतृत्व और सहयोग की भावना से ओतप्रोत करने की एक पहल है। इस प्रतियोगिता की संकल्पना एवं मार्गदर्शन डॉ वी सिंह, निदेशक (पीएस), डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति, नई दिल्ली तथा संयोजक, डीएवी स्पोर्ट्स के सौजन्य से हुआ।

रेलवे स्टेशन से 10 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद

रांची। नशे के खिलाफ रेलवे पुलिस फोर्स चला रही ऑपरेशन नार्कोस' के तहत बड़ी कामयाबी मिली है। रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ टीम ने 10 किलोग्राम अवैध गांजा की बरामदगी की है। यह कार्रवाई कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर गई। शिफ्ट प्रभारी उप निरीक्षक सुरज पांडेय, अश्वनी कुमार, एएसआई कृष्णा राय, कांस्टेबल विषाम लाल मीणा (फ्लाइंग टीम, रांची) एवं छोटे कुमार सिंह सीआईबी, रांची द्वारा प्लेटफॉर्म सं। 1ए, चेकिंग के दौरान यह सफलता हाथ लगी है। चेकिंग के दौरान आरपीएफ जवानों को शक होने पर एक संदिग्ध पिठु बैग को बैंच के नीचे छिपाकर रखे लावारिस अवस्था में पाया। पूछताछ में और रांची रेलवे स्टेशन पर एनाउंस कराये जाने के बाद भी उस बैग का कोई दावेदार सामने नहीं आया तब आरपीएफ ने बैग की तलाशी शुरु की, जिसमें नीले व भूरे रंग की पैकिंग में एक पैकेट बरामद हुआ, जो गांजा प्रतीत हो रहा था। इसकी सूचना एएससी, आरपीएफ, रांची को दी गई कानूनी प्रक्रियाओं के तहत बैग की जांच की गई। जिसमें इस गांजे की बरामदगी की गयी।

रांची के योगदा आश्रम में मनाया गया महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। योगदा सत्संग परंपरा के परमगुरुओं में से एक महावतार बाबाजी का स्मृति दिवस शुक्रवार को योगदा आश्रम, रांची में मनाया गया। वर्ष 1920 में, 25 जुलाई को महावतार बाबाजी ने श्री श्री परमहंस योगानंदजी के कोलकाता स्थित पारिवारिक आवास पर उन्हें आशीर्वाद देने के लिए दर्शन दिया था। यह वह वक्त था, जब योगानंदजी क्रियायोग के प्राचीन विज्ञान को दुनिया भर में फैलाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर निकलने वाले थे। योगदा आश्रम, रांची में शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरुआत सुबह स्वामी ललितानंद गिरि के नेतृत्व में एक विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान से हुई। इसमें उन्होंने विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक ग्रंथ 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी (योगी कथमृत)' से कुछ अंश भी पढ़े, जिसमें इस बात का वर्णन था कि कैसे महावतार बाबाजी ने योगानंदजी को पश्चिम में क्रियायोग के प्राचीन विज्ञान के प्रसार के उनके विश्वव्यापी मिशन के लिए आशीर्वाद देने के लिए दर्शन दिया था। भारत के विभिन्न भागों से भक्तों ने इस विशेष ध्यान में भाग लिया। इसके बाद, सुबह में 9:30 बजे से 11:30 बजे तक ब्रह्मचारी कैवल्यानंदजी और ब्रह्मचारी प्रशांतानंदजी ने अन्य संन्यासियों के साथ मिलकर भक्तिपूर्ण संकीर्तन का आयोजन किया। इसमें कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों ने भाग लिया।

डालसा सचिव ने की पीएलवी के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

साथी, डॉन, जागृति और आशा पर करें फोकस : आरके भास्कर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के सचिव रवि कुमार भास्कर ने शुक्रवार को कांफ्रेंस हॉल, रांची में लगभग 100 कार्यरत पीएलवी के साथ बैठक की। यह बैठक झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के तय कैलेंडर के अनुसार हुई। बैठक में उपस्थित पीएलवी के किए गए कार्यों की समीक्षा की गई एवं कार्यरत सभी पीएलवी की क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत उन्हें कई दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए सचिव रवि कुमार भास्कर ने सभी पीएलवी से कहा कि गांवों, कस्बों व मुहल्लों में नालसा एवं झालसा स्कीम की समुचित जानकारी ग्रामीणों व असहाय लोगों को दें। उन्होंने कहा कि 'साथी', 'आशा', 'जागृति' एवं 'डॉन' योजनाओं की जानकारी लोगों को दें। लोग जागरूक होंगे, तभी इन योजनाओं का लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'साथी' अभियान के तहत अगर कोई निराश्रित बच्चे को आपके द्वारा चिह्नत किया जाता है, तो उन्हें समुचित सहायता मुहैया कराएं एवं डालसा कार्यालय को इसकी सूचना दें। रवि कुमार भास्कर ने कहा कि अक्सर कम उम्र के बच्चे नशे के आदि हो जाते है, उन्हें चिह्नत करें और नशा उन्मूलन अस्पताल में पहुंचाएं। नशा के लिए जहरीले पेय पदार्थों को भी उपयोग में लाया जा रहा है। इस कारण हमारे समाज में कम उम्र के बच्चे नशे के गिरफ्त में आ रहे है। अगर इसे अभी से ही नहीं रोका गया, तो ये आगे चल कर यह विकराल रूप धारण कर सकता है। उन्होंने कहा, हम सब को जागरूक होना होगा।

रांची समाहरणालय में कर्मियों के साथ संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जनता से व्यवहार में रहे मर्यादा : उपायुक्त

- रांची के उपायुक्त की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची, मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को समाहरणालय के ब्लॉक-बी, कमरा संख्या 505 में जिला प्रशासन के अंतर्गत कार्यरत सभी कार्यालयों के प्रधान लिपिक, उच्च वर्गीय लिपिक, निम्न वर्गीय लिपिक, एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के साथ एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन, जन शिकायतों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन, एवं कार्य संस्कृति के उन्नयन को सुनिश्चित करना था। मंजूनाथ भजंत्री ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि जिला प्रशासन का प्रत्येक कर्मचारी सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए प्रत्येक कर्मचारी को अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना होगा, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।उपायुक्त ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, और ग्रामीण विकास से संबंधित योजनाओं के आवेदनों की जांच और निष्पादन में किसी भी प्रकार की देरी न करें। उन्होंने प्रत्येक योजना के लाभार्थियों की सूची को समय-समय पर अद्यतन करने और पात्र व्यक्तियों तक त्वरित लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने जिले के सभी कार्यालयों में अनुशासन, पारदर्शिता और जनता के प्रति उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार को लेकर कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आत्मानुशासन सभी कर्मियों की कार्य संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मियों को आईडी कार्ड और नेम प्लेट हमेशा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य है। सभी को निर्धारित कार्यावधि तक कार्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। कार्यालयों की साफ-सफाई, फाइलों की सुसंगतता पर भी विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है।

प्रधान लिपिक, उच्च वर्गीय लिपिक, निम्न वर्गीय लिपिक
एवं कंप्यू...रेटरों के साथ

कार्यालय में उपस्थिति और कार्य निष्पादन की नियमित समीक्षा होगी

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी कर्मचारियों को कार्यालय समय का कड़ाई से पालन करने और कार्य के प्रति संवेदनशीलता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में उपस्थिति और कार्य निष्पादन की नियमित समीक्षा की जाएगी, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला प्रशासन के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं

संवाद कार्यक्रम के अंत में रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे जिला प्रशासन के विजन को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य रांची जिले को एक मॉडल जिला बनाना है, जहां सरकार की योजनाएं और सेवाएं हर नागरिक तक समय पर और प्रभावी ढंग से पहुंचें।

न्यूज बॉक्स

चारदीवारी का डेढ़ वर्ष बाद भी नहीं बनना स्कूल की सुरक्षा से खिलवाड़ : मुखिया

बौआ कला। उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़की बौआ की चारदीवारी को आठ लेन सड़क निर्माण के दौरान प्रक्रिया के तहत कार्रवाई करते हुए हटाया गया। जिसमें स्कूल परिसर का कई भवन और चापाकल भी चारदीवारी के साथ तोड़ा गया। जिसके लगभग डेढ़ वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक चारदीवारी निर्माण को लेकर कोई कार्रवाई नहीं हुई हैं। जिससे स्कूल की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं।उक्त बातें बौआ कला उत्तर पंचायत के मुखिया भीम लाल रजक ने कही। उन्होंने बताया कि उक्त मामले को लेकर गुरुवार को उन्होंने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक गणेश प्रसाद पंडित से भी मुलाकात कर जानकारी ली।प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल परिसर की चारदीवारी का निर्माण नहीं होने के कारण स्कूल परिसर की सुरक्षा खतरे में हैं। वहीं आए दिन असामाजिक तत्वों का जुटान रात्रि के समय स्कूल परिसर में होता हैं।यहां शराबी,जुआरी एवं अन्य आपराधिक प्रवृति के लोगों का अड्डा बन चुका हैं।जबकि,बच्चों के सुरक्षा पर भी खतरा हैं। रात्रि के समय चोरी की घटना भी घट सकती हैं।

दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

चाईबासा। बीते 24 जुलाई को जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शारदा गांव के पास हवाई फायरिंग करने वाले दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इनके पास से एक देसी पिस्टल, एक जिंदा पाइंट 33 एमएम की गोली और दो स्मार्ट फोन भी बरामद किया गया।

रांची नगर निगम ने वीटीएस पर किया कार्यशाला का आयोजन

रांची। रांची नगर निगम ने शुक्रवार को कूड़ा संग्रहण कार्य को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के लिए व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम (वीटीएस) पर निगम सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कूड़ा संग्रहण के लिए कार्यरत एजेंसी मेसर्स स्वच्छता कॉरपोरेशन के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वीटीएस प्रणाली से संबंधित तकनीकी जानकारी साझा की।कार्यशाला का उद्देश्य निगम क्षेत्र के प्रतिदिन शत-प्रतिशत भवनों से कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करना था। इस संदर्भ में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत परिचर्चा की गई और लक्ष्य प्राप्ति के लिए अहम सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम के दौरान वीटीएस के संचालन, निगरानी एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया की गहराई से जानकारी दी गई, जिससे कि निगम द्वारा कूड़ा उठाव की गुणवत्ता और पारदर्शिता में सुधार लाया जा सके। बैठक में सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, नगर अभियान प्रबंधक, सैनिटरी सुपरवाइजर, मेसर्स स्वच्छता कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि, मेसर्स जोनटा के प्रतिनिधि एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

तार स्क्रैप चोर गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा, आठ गिरफ्तार

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र स्थित बिजली विभाग पावर हाउस से तार स्क्रैप चोरी करने के मामले का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा किया। डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी के संगठित गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से चोरी किए गए चालीस बंडल स्क्रैप तार, घटना में प्रयुक्त स्कूटी और छह मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। पकड़े गए अपराधियों में गुड्डू होरो, रोहित कुमार, विवेक थापा, दीपक महली, पवन यादव, रॉकी नायक और आर्यन मुंडा शामिल हैं।

OFFICE OF THE
EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION
DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT
(RCD),RANCHI
NirupanBhawan, 3rd Floor,Room No. 401,
56-Set, Doranda, Ranchi-834002

e-Procurement (Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-14/2025-26
2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/14/2025-26
Date:-24.07.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Land Acquisition Proposal, Detailed Resettlement and Rehabilitation Proposal & Detailed Forest Diversion Proposal for Reconstruction of Road from Pansa to Haidernagar Road (Under CRIF) (Tentative length-7.505Km) in the State of Jharkhand. *Only Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to bid.
2	Tentative Length	7.505 Km
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents& Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/(Non-Refundable) EMD:- The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 15000.00 (Fifteen thousand only) as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	28.07.2025,05:30 PM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	11.08.2025, 12:00 NOON
8	Date and Time of Bid opening	12.08.2025, 12:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division, RCD, Ranchi, Mob No.-9471650883
11	Advertisement no.	PR 356326 Road (25-26)_D

Note:- Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seen on e procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in/).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR.NO.358194 Road(25-26):D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"कोई भी कार्य करने से पहले उसका परिणाम सोच लेना हितकर होता है, क्योंकि हमारी आने वाली पीढ़ी उसी का अनुसरण करती है।" - **छत्रपति शिवाजी महाराज जी**

संपादकीय

ऑनलाइन भुगतान में अग्रणी अब डिजिटल साक्षरता चुनौती

भारत जिस तेज गति से वैश्विक स्तर पर पहचान बना रहा है उसमें एक है कई देशों में भारतीय मुद्रा की स्वीकार्यता। अब यूपीआइ से अनेक देशों में सीधे भुगतान किया जा सकता है। पहले साक्षरता चुनौती थी अब डिजिटल साक्षरता चुनौती है क्योंकि साइबर ठगों की बढ़ती संख्या के शिकार पढ़े लिखे लोग ज्यादा हो रहे हैं।भारत ने डिजिटल भुगतान में नया कीर्तिमान स्थापित किया है, और यह गर्व की बात है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इसे वैश्विक स्तर पर त्वरित भुगतान में अग्रणी माना है। जून, 2025 में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) ने 18.39 अरब लेनदेन के साथ 24 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में बत्तीस फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह उपलब्धि भारत की तकनीकी प्रगति को तो रेखांकित करती ही है, इससे यह भी पता चलता है कि कैसे एक मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे ने देश को नकदी-प्रधान से डिजिटल-प्रधान अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यूपीआइ, जिसे 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा शुरू किया गया था, की कामयाबी को महज आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के रूप में देखना चाहिए, जिसने भारत में बैंकिंग को आम आदमी की जेब में पहुंचा दिया है। अब गांव का किसान हो, या छोटे शहर का दुकानदार-बैंकों की लंबी कतारों में लगे बिना महज एक मोबाइल एप से भुगतान कर सकता है।

यूपीआई ने शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण और छोटे शहरों में भी वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है।

जाहिर है कि इससे नकदी पर निर्भरता घटी है, पारदर्शिता बढ़ी है और छोटे कारोबारियों को डिजिटल पहचान भी मिली है। यूपीआइ अब भारत में 85 फीसदी डिजिटल लेनदेन और वैश्विक स्तर पर लगभग 50 फीसदी रियल-टाइम डिजिटल भुगतानों को संचालित करता है। यह आंकड़ा तब और प्रभावशाली हो जाता है, जब हम देखते हैं कि प्रतिदिन होने वाले भुगतानों के मामले में इसने वैश्विक दिग्गज वीजा को भी पीछे छोड़ा हुआ है। यह उपलब्धि केवल नौ वर्ष में हासिल की गई है, जो भारत की तकनीकी नवाचार और कार्यान्वयन की गति को दर्शाती है। यूपीआई ने शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण और छोटे शहरों में भी वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। जनधन योजना के तहत पचपन करोड़ से अधिक बैंक खातों ने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। सस्ती इंटरनेट सुविधा व 5जी नेटवर्क के तेज विस्तार ने भी यूपीआई की पहुंच को व्यापक बनाया है। यूपीआई का प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि यह संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस में भी कार्यरत है। अब भारत ब्रिक्स समूह में यूपीआई को एक मानक भुगतान प्रणाली के रूप में पहुंचाने की कोशिश कर रहा है और अगर ऐसा होता है, तो यह वैश्विक डिजिटल नेतृत्व में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगा। हालांकि, इस कामयाबी के साथ साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने की चुनौतियां भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले वीर सैनिक और हम

कारगिल विजय दिवस पर विशेष

देश के वीर सैनिक देश का गौरव हैं, जो देश की रक्षा के लिए सदैव कर्तव्य पथ पर तैनात रहते हैं। चाहे कैसी भी आपदा या संकट हो, वे डरते नहीं हैं; चाहे चिलचिलाती धूप हो या खून जमा देने वाली ठंड, घने जंगल हो, ऊँचे पहाड़ हो या मानसूनी तूफान, देश का सैनिक अपनी भूमिका बखूबी निभाता है। कई स्थितियों में भूखे-प्यासे रहकर, असुविधाओं से जूझकर, मौत को आगे देखकर भी वह जवान कभी पीछे नहीं हटते, बहादुर सैनिक अपने कर्तव्य और देश की रक्षा के लिए शहीद हो जाते हैं। देश के वीर सैनिकों के प्रति जो सम्मान, आदर और गर्व हमारे मन में है, क्या उतना ही सम्मान देश के वीर सैनिकों के मन में हमारे लिए है? देश में हर दिन नए विवाद और नई समस्याएँ उत्पन्न होती नजर आती है। संगीन अपराधो का ग्राफ तो ऐसा तेजी से बढ़ रहा है कि, छोटे-छोटे बच्चे भी उनमें सक्रीय नजर आते है। रिश्तों को कलंकित करने वाली घटनाएं तो अब रोजाना ही देखने-सुनने मिलती है। लोगों के लिए मर्यादा, पवित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता, विश्वसनीयता, सहनशीलता, स्वाभिमान, आत्मसम्मान जैसे शब्दों का मोल खत्म होकर लालच, द्वेष, उग्रता, धोखाधड़ी, झूठ, दिखावा, भ्रष्टाचार, अश्लीलता, चापलूसी, जालसाजी, कथनी-करनी में अंतर और स्वार्थ आ गया है। हर कोई अपने स्वार्थ के लिए पर्यावरण, समाज और देश को अनावश्यक रूप से खोखला करने का प्रयास कर रहा है। देश में लोगों की ऐसी परिस्थिति को देखकर वीर जवान को क्या महसूस होता होगा? क्या कभी लोगों के मन में वीर जवानों की भांति जीने का ख्याल नहीं आता। 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की विजय के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को मनाया जाता है। यह दिवस उन भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान का सम्मान करता है जिन्होंने पाकिस्तानी सेना द्वारा कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को पुनः प्राप्त करने के लिए लड़ाई लड़ी थी। कारगिल विजय दिवस चुनौतीपूर्ण ऊँचाई वाली परिस्थितियों में लड़ने वाले जांबाज भारतीय सैनिकों के साहस, वीरता और बलिदान को दर्शाता है। यह दिवस भारत की अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। कारगिल विजय दिवस राष्ट्रीय गौरव और स्मरण का दिवस है, जो वीरता और बलिदान की कहानियों से भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। देश में ऐसे विजय दिवस हमें हर पल प्रेरित करते है, साथ ही यह भी गौरव होता है कि देश की सुरक्षा भारतीय सैनिकों के हाथों में महफूज है। लेकिन उनकी तुलना में जब हम अपने आसपास का वातावरण देखते है तो लगता है कि क्या, हम जैसे स्वार्थी लोगों के लिए देश का जवान सरहद पर इतनी तकलीफे सहता है।

आज की बात

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

नेता चुनाव के बाद 5 साल होते ही फिर जनता के बीच जाकर अभिनय कला शुरू कर देते है और चुनाव खत्म होते ही पूर्व की भांति हो जाते है, कई नेता तो चुनाव के प्रचार के वक्त आम जनता के घर, खेत और कार्यस्थल में जाकर भी लोगों के काम में हाथ बटाते हुए मीडिया में छाए नजर आते है। जनता को भोला कहे या मूर्ख, जनता जिस नेता को जनप्रतिनिधि चुनकर जनकल्याण के लिए 5 साल के कार्यकाल के लिए ऊंचे-ऊंचे पद पर विराजमान करती है, अगर वह नेता योग्य नीति से जनकल्याण कार्य करने में असफल होता है तो, उस नेता से जवाब पूछने में चुनकर देनेवाली जनता खुद ही डरती है। कितने लोग अपने नेता, सांसद, विधायक, पार्षद या अपने इलाके के संबंधित जनप्रतिनिधियों से सवाल पूछते हैं या जवाब मांगते हैं? एक नेता जितना ऊंचा पद धारण करता है, वह जनता के प्रति उतना ही अधिक जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। अगर देश के नेता अपनी जिम्मेदारी और फर्ज को पूरी सत्यनिष्ठा और देशप्रेम से वीर जवानों की भांति निभाए, तब देश में कोई समस्या ही नहीं रहेगी। मैं अपने जीवन के छोटेसे अनुभव को आप सभी के साथ सांझा कर रहा हूँ, मैं महाविद्यालयीन शिक्षा प्राप्त करने के दौरान राष्ट्रीय कैडेट कॉर्प्स का भी छात्र रहा, तब हम छात्र सैन्य कैंप में जाकर बहुत कुछ सीखते थे, दिसंबर की ठंड में जंगल के उस एनसीसी कैंप में रात भर हर छात्र की ड्यूटी 2 घंटे के लिए टेंट के बाहर सुरक्षा के तौर पर लगायी जाती थी, रात के 1 बजे या 3 बजे हो छात्र को नींद से जागकर, पूरी वर्दी पहनकर, तैयार होकर टेंट के बाहर हमें संत्री की ड्यूटी करनी पड़ती थी। 25 किलोमीटर लगातार जंगल ट्रैकिंग करना, अपने-अपने टेंट की जमीन को रोज गोबर से पोतना, विविध स्पर्धाओं में भाग लेना। सुबह 5 बजे उठकर, तैयार होकर रिपोर्टिंग करना, रोज बिना शिकायत के अपना पूरा काम खुद करना, तय समय पर नास्ता, दोपहर और रात का खाना खुले घास के मैदानों में बैठकर करना। दिनभर के काम से शरीर इतना थक जाता था कि लेटते ही गहरी नींद लग जाती थी, थोडीसी भी गलती पर सख्त सजा मिलती थी। देश के कोने-कोने से आने वाले छात्र अपनी विविध कला-कौशल का बेहतर प्रदर्शन करते थे। सामूहिक कार्य, सद्भावना, देशप्रेम, तत्परता, निष्ठा, लगन, मेहनत, समर्पण भाव का एक अनूठा संगम देखने मिलता था और उसका एक भाग बनकर गर्व होता था। वो दिन मुझे जीवन में बहुत कुछ सीखा गए, जीवन में नियम और अनुशासन बेहद जरुरी है। समस्याओं की जड़ को समझने के बजाय लोग बाहरी आवरण को देखकर या झूठे दिखावे का शिकार होकर अपनी धारणाएं बनाकर समस्याओं को अधिक बढ़ा देते हैं। प्रत्येक के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएँ और योग्यता के अनुसार रोज़गार या व्यवसाय सेवा, एक मज़बूत देश की पहचान हैं। अपने जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं के प्रति जागरूक हुए बिना हम बेकार की चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और आपस में लड़ते-झगड़ते हैं, जिनका हमारे जीवन से कोई संबंध नहीं होता। विश्वास नहीं होता लेकिन, समाज में 8-11 साल के बच्चे 4-5 साल की बालिका के बलात्कार में दोषी होने की घटनाएं हो रही है। अभिभावकों को बच्चों के साथ या उनके सामने कैसा व्यवहार करना है, यह तक पता नहीं है। मोबाइल, सोशल मीडिया, फैशन ने बच्चों से उनका बचपन, मासूमियत छीन ली है। वीर शहीद जवानों, महापुरुषों, क्रांतिकारी देश भक्त, समाज सुधारकों, पराक्रमी राजा-महाराजाओं की प्रेरणात्मक गाथा को जानने के लिए बजाएं आजकल फिल्मी सितारों, ऑनलाइन गेम्स, टाइमपास मनोरंजन, फूहड़ता को देखने-जानने के लिए अपना कीमती समय गवांते हैं। लोग सिर्फ़ जीभ के स्वाद के लालच के कारण अस्वास्थ्यकर भोजन पसंद करते हैं। मानवीय आलस्य, नशाखोरी, प्रदूषण और मिलावट ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को कमज़ोर कर दिया है, लेकिन लोग स्वास्थ्य महत्व नहीं देते, जो सबसे ज़रूरी बात है। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस जैसे एक दिन के लिए हम आम लोगों में देशभक्ति जागती है, खूब तिरंगे खरीदकर घूमते-फिरते, रैली निकालते है, देशभक्ति के गानों में सराबोर हो जाते है, खूब इंजॉय करते है और दूसरे दिन हमारे आसपास सड़कों पर, कूड़े में, जहा-तहा वे तिरंगे ध्वज खराब अवस्था में पड़े हुए होते है। देश के तिरंगे ध्वज को इतना सस्ता ना बनाओ कि खिलौने की भांति खेलकर दूसरे दिन वह कूड़े में मिलें। ध्वज की कीमत पैसे से नहीं अपितु देश के सम्मान से है, जिसकी कोई कीमत नहीं हो सकती। इसी तिरंगे की रक्षा और सम्मान की खातिर वीर जवान बलिदान देता है, फिर उस जवान की तुलना में हम लोग कहा है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

मध्यमवर्गीय के लिए वरदान 'रांची कैंसर हॉस्पिटल व रिसर्च सेंटर'

रांची कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर झारखंड ही नहीं, बल्कि बंगाल, उड़ीसा और बिहार जैसे आसपास के राज्यों के लिए भी एक नवजीवन देने वाला केंद्र बनकर उभरा है। टाटा ग्रुप द्वारा संचालित है, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई के अनुभव और विशेषज्ञता को आधार बनाते हुए यहां की चिकित्सा प्रणाली को बेहद कुशल, मानवीय और किफायती बनाया गया है। यहां सभी उपचार और जांच सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। ब्लड टेस्ट, सीटी स्कैन, एमआरआई, बायोप्सी, रेडिएशन थेरेपी, कीमोथेरेपी या सर्जरी हो हर सेवा आधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ सुलभ है। झारखंड के अनेक गरीब और ग्रामीण परिवार इलाज की भारी भरकम लागत के चलते दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में जाने की हिम्मत नहीं कर पाते। कई बार तो समय पर इलाज न मिल पाने के कारण मरीज दम तोड़ देते हैं। यहां न्यूनतम खर्च पर इलाज संभव है, जिससे कोई भी वर्ग का व्यक्ति यहां इलाज करा सकता है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत योजना के तहत यहाँ इलाज की सुविधा मौजूद है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीज बिना किसी खर्च के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज करवा रहे हैं। अब तक सैकड़ों मरीज इस योजना का लाभ लेकर पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने घर लौटे हैं।स्टाफ और डॉक्टर्स न केवल तकनीकी रूप से दक्ष हैं, बल्कि उनमें संवेदनशीलता और मानवीयता भी कूट-कूट कर भरी हुई है। यहां का माहौल भय और तनाव के बजाय सहयोग, विश्वास और उम्मीद से भरा होता है। अस्पताल की साफ-सफाई और परिसर की हरियाली, रोगियों और आगंतुकों को एक सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करती है। अस्पताल का प्रबंधन अत्यंत पारदर्शी है और मरीजों को कोई अनावश्यक आर्थिक दबाव नहीं डाला जाता। आने वाले समय में यह केंद्र झारखंड में ऑन्कोलॉजी एजुकेशन का हब बन सकता है। ऐसे अस्पतालों की सफलता समाज और शासन दोनों की सामूहिक ज़िम्मेदारी है। जरूरत है कि राज्य और केंद्र सरकार, समाजसेवी संस्थाएं, और मीडिया इस केंद्र की उपयोगिता को उजागर करें ताकि झारखंड ही नहीं, पूर्वी भारत के हर कोने से मरीज यहां इलाज के लिए बेझिझक आ सकें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

डॉ. दीपक प्रसाद
निर्देशक, सहायक आचार्य

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता : एक क्रांतिकारी कदम

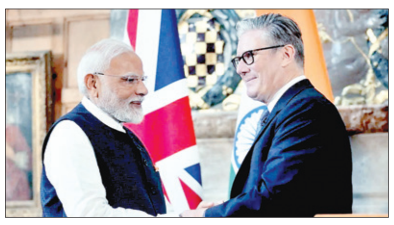

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झूकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागज़ी करार नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे। मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाज़े खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

ललित गर्ग

फेसबुक वॉल से

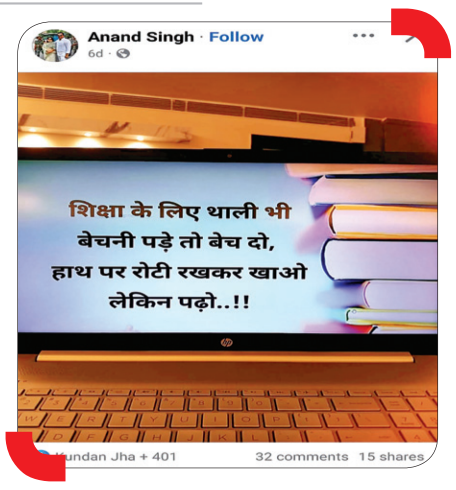

Anand Singh · Follow
6d

शिक्षा के लिए थाली भी बेचनी पड़े तो बेच दो, हाथ पर रोटी रखकर खाओ लेकिन पढ़ो..!!

Kundan Jha + 401 · 32 comments · 15 shares

एक्स से

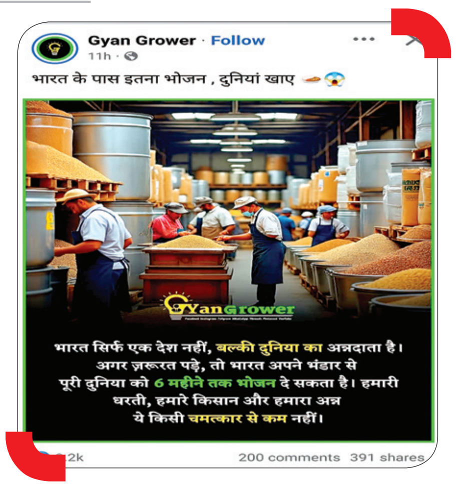

Gyan Grower · Follow
11h

भारत के पास इतना भोजन , दुनियां खाए

भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्की दुनिया का अन्नदाता है। अगर ज़रूरत पड़े, तो भारत अपने भंडार से पूरी दुनिया को 6 महीने तक भोजन दे सकता है। हमारी धरती, हमारे किसान और हमारा अन्न ये किसी चमत्कार से कम नहीं।

2k · 200 comments · 391 shares

आज का दोहा

वक्त उतारे आरती, वक्त लिखे इतिहास।
वक्त न उनको पूछता, वक्त न जिनके पास।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

शतरंज की बिसात पर उगा भारत का नया सूरज दिव्या देशमुख

भारतीय शतरंज के आकाश में एक नया सूरज उगा है, जिसका नाम है दिव्या देशमुख। मात्र 19 वर्ष की उम्र में, इस युवा ग्रैंडमास्टर ने जॉर्जिया के बटुमी में चल रहे फिडे (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ) महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में पहुंचकर इतिहास के पन्नों पर अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित कर दिया। वे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं, जिन्होंने न केवल देश का गौरव बढ़ाया, बल्कि विश्व शतरंज को एक नई प्रेरणा दी। लगातार तीन ग्रैंडमास्टरों को धूल चटाकर, दिव्या ने साबित कर दिया कि सपनों के पीछे अगर जुनून और मेहनत हो, तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं। उनकी यह यात्रा केवल एक जीत की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय शतरंज की नई पीढ़ी का एक ऐसा गान है, जो हर भारतीय के दिल को गर्व से भर देता है। दिव्या देशमुख की यह उपलब्धि भारतीय शतरंज के लिए एक मील का पत्थर है। फिडे महिला विश्व कप विश्व चैंपियनशिप चक्र का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां शीर्ष तीन खिलाड़ी 2026 के फिडे महिला विश्व कप टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करते हैं। फाइनल तक का उनका सफर न केवल उनकी तकनीकी कुशलता का परिचय देता है, बल्कि उनकी मानसिक दृढ़ता और दबाव में संयम को भी रेखांकित करता है। इस प्रक्रिया में, उन्होंने अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की, जो विश्व चैंपियनशिप की दौड़ में एक बड़ा कदम है। सेमीफाइनल में उनका सामना था पूर्व विश्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज तान झोंग्यी से। यह मुकाबला किसी भी मायने में आसान नहीं था। झोंग्यी का शास्त्रीय शतरंज में दिव्या के खिलाफ 3-1 का रिकॉर्ड और उनकी अनुभवी रणनीतियां उन्हें एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बनाती थीं। लेकिन दिव्या ने इस चुनौती को न केवल स्वीकार किया, बल्कि अपनी बुद्धिमत्ता और साहस से उसे परास्त कर दिखाया। पहले गेम में, काले मोहरों के साथ, उन्होंने क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड ओपनिंग के जवाब में संतुलित रणनीति अपनाई। मोहरों की तेज अदला-बदली के बाद, दोनों खिलाड़ियों के पास एक-एक रूक, एक-एक बिशप और तीन-तीन प्यादे बचे, जिसके चलते खेल ड्रॉ पर समाप्त हुआ। यह ड्रॉ अपने आप में एक जीत थी, क्योंकि यह दर्शाता है कि दिव्या ने अनुभवी झोंग्यी के खिलाफ दबाव को बखूबी संभाला। दूसरे गेम में, सफेद मोहरों के साथ, दिव्या ने अपनी आक्रामकता और रणनीतिक कौशल का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अलापिन सिसिलियन डिफेंस का सहारा लिया, जो उनकी सामान्य ओपन सिसिलियन रणनीति से हटकर था। यह अप्रत्याशित चाल झोंग्यी के लिए एक झटका साबित हुई। खेल के मध्य में, दिव्या ने लगातार दबाव बनाए रखा और झोंग्यी को गलतियां करने पर मजबूर किया। एक समय ऐसा लगा कि झोंग्यी वापसी कर सकती हैं, खासकर 32वीं चाल में, जब उनके पास एक रणनीतिक अवसर था। लेकिन समय की कमी और दबाव में, झोंग्यी ने गलत चाल खेली, जिसने दिव्या को दो प्यादों की बढ़त दिलाई। 101 चालों तक चले इस कठिन मुकाबले में, दिव्या ने धैर्य, समय प्रबंधन और रणनीति का शानदार नमूना पेश किया और अंततः जीत हासिल की। दिव्या की यह जीत केवल सेमीफाइनल तक सीमित नहीं है। उनकी टूर्नामेंट यात्रा एक प्रेरणादायक गाथा है। राउंड 4 में, उन्होंने विश्व नंबर 6 और दूसरी वरीयता प्राप्त झू जिनर को हराकर अपने इरादे जाहिर किए। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में, उन्होंने अपनी हमवतन और अनुभवी ग्रैंडमास्टर हरिका द्रोणवल्ली को रैपिड टाईब्रेक में 2-0 से मात दी। यह ऑल-इंडियन मुकाबला इसलिए भी खास था, क्योंकि यह अनुभव और युवा जोश का टकराव था, जिसमें दिव्या ने अपनी रणनीति और आत्मविश्वास से बाजी मारी। इन जीतों ने न केवल उनके तकनीकी कौशल को प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दिखाया कि वे बड़े मंच पर दबाव को संभालने में माहिर हैं। 19 साल की उम्र में, दिव्या देशमुख ने साबित कर दिया कि वे भारतीय शतरंज की नई धड़कन हैं। उनकी यह उपलब्धि विश्व चैंपियनशिप की दौड़ में उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाती है। उनकी जीत के बाद एक साक्षात्कार में, उन्होंने अपनी विनम्रता और आत्म-विश्लेषण की क्षमता दिखाई। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मैं और बेहतर खेल सकती थी। एक समय मैं जीत रही थी, लेकिन फिर यह जटिल हो गया। मुझे थोड़ा भाग्य मिला।" यह विनम्रता और सीखने की ललक उन्हें एक असाधारण खिलाड़ी बनाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

प्रो. आरके जैन

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

लड़कियों की शादी की उम्र... बयान पर भारी विवाद, अनिरुद्धाचार्य ने मांगी माफी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले स्थित वृंदावन के गौरी गोपाल आश्रम में कथावाचक स्वामी अनिरुद्धाचार्य की ओर से एक धार्मिक आयोजन में दिए बयान पर विवाद गहराया हुआ है। अनिरुद्धाचार्य ने कथित तौर पर कहा है कि 25 वर्ष की अविवाहित लड़कियों का चरित्र ठीक नहीं होता। लड़कियों की शादी 14 वर्ष की उम्र में ही कर देनी चाहिए। इससे वे परिवार में अच्छे से घुल मिल जाएंगी। उनके बयान को लेकर महिलाओं में भारी आक्रोश है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे में अब उन्होंने माफी मांगी है। महिला संगठनों ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के बयान को लेकर जमकर हंगामा मचाया है। देश में बच्चियों की शादी की उम्र 18 वर्ष है। अनिरुद्धाचार्य के बयान को कानून के खिलाफ बताया जा रहा है। हालांकि, विवाद गहराने के बाद कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने एक नया वीडियो जारी कर माफी मांगी। उन्होंने सफाई दी कि वायरल हुआ वीडियो AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाया गया है।

दो सिर वाली बच्ची के दो हार्ट

इंदौर। इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में एक महिला ने दो सिर वाले बच्ची को जन्म दिया है। महिला की उम्र 22 साल है। इस बच्ची को बचाने के लिए डॉक्टर दिन रात मेहनत कर रहे हैं। वे अपनी हर संभव कोशिश कर रहे हैं। अब एक डॉक्टर ने बताया है कि इस बच्ची के दो हार्ट भी हैं। दरअसल, देवास जिले की एक महिला ने इंदौर के शासकीय महाराजा तुकोजीराव अस्पताल में मंगलवार को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिये ऐसे बच्ची को जन्म दिया जिसके एक ही धड़ से दो सिर जुड़े हैं। बच्ची का वजन 2.80 किलो है। इसे NICU में भर्ती किया गया है।

एमटीएच की डॉक्टर नीलेश जैन ने बताया कि बच्ची का वजन तो ठीक है लेकिन बच्ची के शरीर में दो हार्ट हैं जिनमें से एक हार्ट बहुत छोटा है जबकि दूसरे हार्ट में अपेक्षाकृत ज्यादा विकृतियां हैं। एक हार्ट को दो ब्रेन को ब्लड सप्लाई करना पड़ रहा है जिसकी वजह से उस पर लोड ज्यादा है। ऐसे में बच्ची का सर्वाइवल मुश्किल है।

उन्होंने बताया कि बच्ची को सांस लेने में भारी दिक्कत और अन्य गंभीर समस्याएं हो रही हैं। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे किए, कई पहलों की शुरुआत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को (25 जुलाई 2025) अपने कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण कर लिए। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रपति भवन और प्रेसीडेंट्स एस्टेट में शुरू की गई कई महत्वपूर्ण जनहितकारी पहलों की जानकारी साझा की।

इन पहलों का उद्देश्य दिव्यांगजनों की सुविधा, डिजिटल सुलभता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सहभागिता को सशक्त बनाना है।

तीसरे वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में राष्ट्रपति भवन को दिव्यांगजनों के लिए पूर्ण रूप से अनुकूल बनाना शामिल है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की 50 अनुशंसाओं के आधार पर अब राष्ट्रपति भवन, अमृत उद्यान और संग्रहालय दिव्यांगजनों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर पुनः डिज़ाइन किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रपति भवन की आधिकारिक वेबसाइटें अब 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं, जिससे देश के विविध भाषाई समुदायों को आसानी से जानकारी प्राप्त हो सके।

राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रेसीडेंट्स एस्टेट में आगंतुकों और निवासियों के लिए कई नई सुविधाओं का उद्घाटन भी किया है, जिनमें आगंतुक सुविधा केंद्र, राष्ट्रपति निलयम, हैदराबाद में निलयम निकुंज, मशोबरा स्थित राष्ट्रपति निवास में कैफेटेरिया, स्मृति चिह्न दुकान (सोविनियर शॉप), स्वागत कक्ष और पुनर्निर्मित जिम शामिल हैं।

उन्होंने "ई-उपहार सीजन 2" की भी शुरुआत की, जिसमें 250 से अधिक उपहारों की ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। इससे प्राप्त आय बच्चों के कल्याण से जुड़ी पहलों के लिए दान की जाएगी।

राष्ट्रपति भवन को मार्च 2027 तक नेट ज़ीरो बनाने की दिशा में भी कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बीते तीन वर्षों में ऐसे कार्य और निर्णय लिए गए जिनसे राष्ट्रपति भवन और आम नागरिकों के बीच जुड़ाव बढ़ा है।

उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि अब दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रपति भवन और उससे जुड़े परिसर अधिक सुलभ हो गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में और भी अनेक नई पहलें की जाएंगी, जो देश के नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से जोड़ेंगी।

बंगाली भाषा विवाद पर ममता बनर्जी बोली

एक और भाषा आंदोलन की ज़रूरत

एजेंसी। कोलकाता

बंगाली भाषा को लेकर उठे विवाद के बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक और भाषा आंदोलन का आह्वान किया और आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बंगाली बोलने के लिए लोगों को परेशान किया जा रहा है। 'महानायक सम्मान' पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सभी को जागृत करने के लिए एक और भाषा आंदोलन की आवश्यकता है। कई जगहों पर बंगाली बोलने के कारण लोगों को परेशान किया जा रहा है। बंगाली दुनिया में पाँचवीं सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और एशिया में दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। लगभग 30 करोड़ लोग बंगाली बोलते हैं और आज बंगाली बोलने वालों को जेल भेजा जा रहा है।

व्यापक जनभागीदारी का आह्वान करते हुए, उन्होंने जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं इसे स्वीकार नहीं कर सकती, और मेरा मानना है कि आप भी नहीं कर सकते। सिर्फ़ बंगाली बोलने के कारण लोगों को हिरासत में नहीं लिया जा सकता। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। इस मुद्दे पर हर स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। यह मुद्दा सिर्फ़ मेरा नहीं है; यह सबका है। बंगाल हमारे लिए सब कुछ है। हमें इस ज़मीन की रक्षा करनी चाहिए। मुख्यमंत्री बनर्जी ने अपनी मातृभाषा की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी अपनी मातृभाषा बोलते हैं। बच्चे पहली बार अपनी मातृभाषा में 'माँ' बोलते हैं। हालाँकि, बंगाली भाषा को लेकर भाषा युद्ध छिड़ गया है। पश्चिम बंगाल के फिल्म उद्योग, टॉलीवुड, पर कटाक्ष करते हुए, बनर्जी ने संगीत में बंगाली सामग्री की कमी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आजकल हमारे गानों में बंगाली कहाँ है? बस तेज़ और भड़कीला संगीत है। हमारे पास इसके लिए बॉलीवुड पहले से ही मौजूद है। दक्षिण भारतीय फ़िल्में भी लोकप्रिय हैं। लेकिन टॉलीवुड में सिर्फ़ संगीत ही नहीं, बल्कि ज़्यादा बंगाली गाने होने चाहिए।

अपना रुख स्पष्ट करते हुए, बनर्जी ने कहा कि वह अन्य भाषाओं के विरोध में नहीं हैं, बल्कि उन्होंने बंगाली भाषा के संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया।

सुनियोजित व्यवधान लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं: लोकसभा अध्यक्ष ओम

एजेंसी। नई दिल्ली

मानसून सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को सदन में विपक्षी सांसदों की ओर से जोरदार हंगामा हुआ, जिसके कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दोपहर दो बजे तक सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि सुनियोजित व्यवधान लोकतंत्र के लिए अच्छे नहीं होते हैं। ओम बिरला ने कहा, "मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि सदन सुचारू रूप से चले, विशेष रूप से प्रश्नकाल के दौरान। मेरा हमेशा यही प्रयास रहता है कि प्रश्नकाल माननीय सदस्यों का समय होता है, और इस दौरान व्यापक चर्चा होनी चाहिए, जिसमें सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित हो। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं कि सदन को जानबूझकर बाधित किया जा रहा है। तख्तियां लहराई जा रही हैं और नारेबाजी हो रही है।"

उन्होंने आगे कहा, "यदि आप किसी मुद्दे या विषय पर चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आएं। मैं हर मुद्दे पर सरकार से बात करके चर्चा का रास्ता निकाल सकता हूं। लेकिन सदन के अंदर या बाहर केवल तख्तियां लहराकर और नारेबाजी करके बाधा डालना उचित नहीं है। यदि आपको लगता है कि कोई मुद्दा महत्वपूर्ण है, तो आएं, मैं सरकार के प्रतिनिधियों और आपको बुलाकर मुद्दों पर चर्चा करवाऊंगा। लेकिन यह तरीका ठीक नहीं है।" ओम बिरला ने कहा, "दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में हमारे पीछे लाखों लोग बड़ी आशाओं के साथ सदन की कार्यवाही को देखते हैं। वे उम्मीद करते हैं कि उनके मुद्दों, उनकी आकांक्षाओं और उनकी चिंताओं पर सदन में चर्चा होगी। तख्तियां लेकर नारेबाजी करना उचित नहीं है।

बिहार के बाद अब देशभर में होगा वोटर वेरिफिकेशन: चुनाव आयोग

- **बिहार में आखिरी बड़ा पुनरीक्षण 2003 में 1 जनवरी 2003 को आधार तारीख के साथ हुआ था**

एजेंसी। नई दिल्ली

बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने वोटर वेरिफिकेशन को लेकर आदेश जारी किया है। ईसीआई के मुताबिक, देशभर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) शुरू किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर 24 जून का आदेश जारी किया है, जिसके बारे में जानकारी शुक्रवार को दी गई है। ईसीआई ने 24 जून के आदेश में कहा, "चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू करने का फैसला लिया है। यह कदम संविधान के अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (आरपीए 1950) के तहत लिया गया है, जिसमें संसद और राज्य विधानसभाओं के चुनावों और मतदाता सूची की तैयारी की देखरेख की जिम्मेदारी आयोग को दी गई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूची की सटीकता जरूरी है। जन प्रतिनिधि अधिनियम 1950 और 1960 के मतदाता पंजीकरण नियमों (आरईआर, 1960) के तहत मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया और योग्यता तय की जाती है।"

ईसीआई ने कहा, "चुनाव आयोग ने पूरे देश में विशेष गहन संशोधन (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) शुरू करने का फैसला किया है, लेकिन बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए बिहार में यह अभियान पहले शुरू होगा। बाकी देश के लिए समय-कार्यक्रम बाद में जारी होगा।"

इसमें आगे बताया गया, "आयोग ने पहले भी 1952-56, 1957, 1961, 1965, 1966, 1983-84, 1987-89, 1992, 1993, 1995, 2002, 2003 और 2004 में देश के कुछ हिस्सों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया था। बिहार में आखिरी बड़ा पुनरीक्षण 2003 में 1 जनवरी 2003 को आधार तारीख के साथ हुआ था। इस पुनरीक्षण का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल हों और किसी को बाहर न रखा जाए। संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 साल या उससे ज्यादा उम्र के भारतीय नागरिक, जो किसी कानून से अयोग्य न हों, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के हकदार हैं। आयोग ने पिछले 20 सालों में मतदाता सूची में बड़े बदलाव, शहरीकरण, और लोगों के एक जगह से दूसरी जगह पलायन को देखते हुए इस कदम को जरूरी माना है।"

चुनाव आयोग ने यह भी कहा, "बिहार में आखिरी गहन संशोधन 2003 में हुआ था, इसलिए 1, जनवरी 2003 की मतदाता सूची को पात्रता और नागरिकता का आधार माना जाएगा, जब तक कि कोई नई जानकारी न मिले, जिनका नाम 2003 की सूची में नहीं है, उन्हें मतदाता सूची में शामिल होने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित दस्तावेज जमा करने होंगे। मौजूदा मतदाता सूची 6, जनवरी 2025 को प्रकाशित हुई थी और तब से लगातार अपडेट हो रही है। आयोग ने निर्देश दिया है कि 25 जुलाई 2025 तक सभी मौजूदा मतदाताओं को पहले से भरा हुआ गणना फॉर्म (एन्यूमरेशन फॉर्म) उपलब्ध कराया जाए। ड्राफ्ट मतदाता सूची में केवल उन मतदाताओं के नाम शामिल होंगे, जिन्होंने यह फॉर्म भरा होगा। यह एक गहन संशोधन है, इसलिए फॉर्म न जमा करने वाले मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा सकते हैं और 25 जुलाई 2025 से पहले किसी भी मतदाता का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।"

कमल हासन तथा तीन अन्य सांसदों ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

नई दिल्ली। अभिनय की दुनिया से राजनीति में आए कमल हासन तथा तीन अन्य सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सुबह 11 बजे बैठक शुरू होने पर मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) प्रमुखकमल हासन तथा द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की राजाथी, एस आर शिवलिंगम और पी विल्सन को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। इन सभी ने तमिल में शपथ ली। सफेद रंग की शर्ट और काली पैंट पहने कमल हासन का सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर स्वागत किया।

'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने इस मामले को दिल्ली हाईकोर्ट को सौंपते हुए निर्देश दिया कि सभी पक्ष वहां अपनी दलील पेश करें। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी ने फिल्म पर रोक की मांग की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

इसका मतलब है कि फिल्म के निर्माता केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय की समिति द्वारा सुझाए गए छह बदलावों के साथ फिल्म को रिलीज कर सकते हैं। 'उदयपुर फाइल्स' कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित है, जो साल 2022 में उदयपुर में 'सर तन से जुदा' नारे के साथ हुआ था। इस घटना ने देशभर में सनसनी फैला दी थी। फिल्म के ट्रेलर और डायलॉग को लेकर विवाद उठा था, जिसके बाद जमीयत ने इसे सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाते हुए रिलीज पर रोक की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने रिलीज पर रोक लगाने से इनकार करते हुए सुझाए गए संशोधनों का पालन करने की बात निर्माताओं से कही। एडवोकेट बरुण सिन्हा ने बताया, "दिल्ली हाईकोर्ट यह तय करेगी कि केंद्र सरकार के 21 जुलाई 2025 के आदेश से कोई प्रभाव पड़ता है या नहीं।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें ।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

बिहार विधानसभा मानसून सत्र के आखिरी दिन हंगामा जारी

सीएम ने विपक्ष के प्रदर्शन का मजाक उड़ाया

- **लोग जानते हैं कि सरकार ने कितना काम किया है और हर जगह लोगों को लाभ मिल रहा है**

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को सदन में फिर से हंगामा हुआ। विपक्षी दलों (आरजेडी, कांग्रेस और वामपंथी) के विधायकों ने सदन के बेल में आकर नारेबाजी की और प्रश्नकाल के दौरान मेजें गिराने की कोशिश की। विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने बार-बार शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन नारेबाजी और हंगामा जारी रहा, जिसके कारण उन्हें कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

विपक्षी विधायक, जो राज्य में विशेष मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं, लगातार पांचवें दिन काले कपड़े पहनकर विधानसभा पहुंचे। विपक्ष का यह विरोध मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग को लेकर था। हंगामे के दौरान सदन में मौजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष की विरोध पोशाक पर कटाक्ष किया। सीएम नीतीश ने कहा कि सब एक जैसे कपड़े पहने हुए हैं। एक बात तो साफ हो गई है, पहले एक-दो दिन हंगामा होता था, बाकी दिन काम चलता रहता था। अब तो सब रोज यही काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि लोग जानते हैं कि सरकार ने कितना काम किया है और हर जगह लोगों को लाभ मिल रहा है। पांच दिवसीय मानसून सत्र में विपक्ष ने मतदाता सूची संशोधन को लेकर लगातार हंगामा किया, जिससे विधायी कामकाज प्रभावित हुआ। विपक्ष का आरोप है कि सरकार और चुनाव आयोग मिलकर विधानसभा चुनाव से पहले गरीबों के नाम मतदाता सूची से हटा रहे हैं। सरकार ने इस आरोप को खारिज किया है। सत्र शुरू होने से ही विपक्ष दोनों सदन के अंदर और बाहर हंगामा कर रहा है, और मतदाता सूची संशोधन पर बहस की मांग कर रहा है।

स्कूल की छत गिरने की घटना में अब तक पांच बच्चों की मौत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने झालावाड़ की घटना पर दुख जताया है। उन्होंने घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं। झालावाड़ में शुक्रवार को स्कूल की छत गिरने से 5 बच्चों की मौत हो गई है, जबकि 20 से अधिक बच्चे घायल हुए हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "झालावाड़ के पीपलोदी में स्कूल की छत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। घायल बच्चों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ईश्वर दिवंगत दिव्य आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति दें।"

बेगूसराय अस्पताल में मुर्दा को जिंदा करने के लिए चला अंध विश्वास का खेल

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय सदर अस्पताल में अंधविश्वास का नजारा देखने को मिला। दरअसल डॉक्टर की ओर से मृत घोषित युवक को जिंदा करने के लिए परिजन शव के शरीर पर बेलन और आटा पाउडर रगड़कर जिंदा करने का प्रयास करते रहे। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सदर अस्पताल परिसर में एक बेंच पर एक युवक का शव पड़ा है और शव के शरीर पर उसके परिजन बेलन से रगड़ रहे हैं। इतना ही नहीं पूरे शरीर में आटा और पाउडर रगड़कर उसे जिंदा करने का प्रयास किया जा रहा है। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह पूरा मामला सदर अस्पताल में गुरुवार की दोपहर बाद की है।

वाईएसआरसीपी ने खारिज की तिरुपति मंदिर भगदड़ पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट, उठाई सीबीआई जांच की मांग

एजेंसी। नई दिल्ली

- राज्य मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकार की गई रिपोर्ट, दो अधिकारियों; हरिनाथ रेड्डी और रमण कुमार, को इस घटना के लिए गलत तरीके से ज़िम्मेदार ठहराती है और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश करती है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने तिरुपति में वैकुंठ एकादशी भगदड़ पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को कड़ा विरोध करते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण है और इसका उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों को बचाना और निचले स्तर के कर्मचारियों को बलि का बकरा बनाना है। मीडिया को संबोधित करते हुए, टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष और वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता भुमना करुणाकर रेड्डी ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकार की गई रिपोर्ट, दो अधिकारियों, हरिनाथ रेड्डी और रमण कुमार, को इस घटना के लिए गलत तरीके से ज़िम्मेदार ठहराती है और उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की सिफारिश करती है। इस घटना में छह लोगों की जान चली गई थी और कम से कम 29 लोग घायल हुए थे। रिपोर्ट को पूर्वनिर्धारित बताते हुए करुणाकर रेड्डी ने आरोप लगाया कि इसमें चुनिंदा व्यक्तियों को निशाना बनाया गया है, जबकि उन लोगों को छोड़ दिया गया है जो वास्तव में जिम्मेदार थे, जिनमें टीटीडी, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया एक दिखावा और भविष्य की सभी जांचों के लिए एक केस स्टडी प्रतीत होती है। हम इस न्यायिक आयोग की रिपोर्ट को पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं, जो पूर्व-नियोजित और चुनिंदा तरीके से प्रस्तुत की गई है। उन्होंने वैकुंठ एकादशी के दौरान पिछली वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा शुरू की गई विस्तारित दर्शन व्यवस्था को रद्द करने के लिए गठबंधन सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि धार्मिक प्रमुखों से परामर्श के बाद लागू की गई विस्तारित दर्शन व्यवस्था ने दस दिनों तक भीड़ को नियंत्रित करने में मदद की, जबकि वर्तमान व्यवस्था कथित तौर पर श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने में विफल रही है।

करुणाकर रेड्डी ने ठहरने के स्थानों के प्रबंधन के पीछे के निर्णयों पर सवाल उठाए और विसंगतियों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि हरिनाथ रेड्डी को निलंबित कर दिया गया, जबकि टिकट काउंटर पर मौजूद एक अन्य अधिकारी सूर्यप्रकाश को छोड़ दिया गया।

श्रेयंका पाटिल और प्रिया भारत 'ए' महिला टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर

● श्रेयंका पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर हैं।

मुंबई (आईएएनएस)

श्रेयंका पाटिल और प्रिया मिश्रा चोट के कारण भारत 'ए' के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, "दोनों खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और वर्तमान में अपने रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल का पालन कर रही हैं। श्रेयंका पिछले कुछ समय से मैदान से बाहर हैं। पिछले साल जुलाई में महिला एशिया कप के दौरान उन्हें उंगली में चोट लगी थी। इसके बावजूद अक्टूबर में यूएई में हुए टी20 विश्व कप में वह खेली थीं। हालांकि, एक और चोट के कारण वह विमेंस प्रीमियर लीग 2025 से बाहर हो गई थीं। श्रेयंका और प्रिया दोनों के अनुपलब्ध होने के कारण, बंगाल की बल्लेबाज धरा गुज्जर और उत्तराखंड की ऑलराउंडर प्रेमा रावत को तीनों प्रारूपों के लिए टीम में शामिल किया गया है। धरा को पहले एकदिवसीय और चार दिवसीय टीमों में शामिल किया गया था, जबकि प्रेमा को केवल टी20 के लिए चुना गया था। इसके अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने विमेंस प्रीमियर लीग 2025 में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया था।

फ्रांसिस और बेन ने ऑल-अमेरिकन क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

वाशिंगटन (आईएएनएस)

फ्रांसिस टियाफो ने फ्लावियो कोबोली को 6-1, 6-4 से हराकर डीसी ओपन के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है। यह 2025 एटीपी टूर सीजन में टियाफो का तीसरा क्वार्टरफाइनल है, इससे पहले उन्होंने ह्यूस्टन और रोलैंड गैरोस में यह उपलब्धि हासिल की थी। एटीपी के अनुसार, टियाफो इस सदी में आंद्रे अगासी और अलेक्जेंडर ज्वेरेव के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने लगातार चार साल तक वाशिंगटन क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। इस सीजन में उनकी पहली टॉप 20 जीत (1-2) के साथ, टियाफो ने 2024 यूएस ओपन सेमीफाइनल के बाद पहली बार लगातार दो हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की हैं। टियाफो ने पिछले साल यूएस ओपन के तीसरे राउंड में अपने ही देश के बेन शेल्टन को हराया था और अब शुक्रवार के क्वार्टरफाइनल में फिर से भिड़ेंगे, जहां उनके पास शेल्टन के खिलाफ अपने लेक्सस एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 2-2 से बराबर करने का मौका होगा। शेल्टन ने गेब्रियल डियालो को 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। टियाफो ने शेल्टन के साथ मुकाबले के बारे में कहा, "मैं उत्साहित हूं। हम बहुत अच्छे दोस्त हैं।

● टियाफो ने पिछले साल यूएस ओपन के तीसरे राउंड में अपने ही देश के बेन शेल्टन को हराया था

पिछले साल यूएस ओपन में हमारा शानदार मुकाबला हुआ था। मुझे लगता है कि हम दोनों ने तब अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया। उन्होंने मुझे पहली कुछ बार हराया। वह एक शानदार खिलाड़ी और मेरा अच्छा दोस्त है।

जो रूट ने 38वें शतक के साथ रचा इतिहास

सर्वाधिक टेस्ट रन में पोंटिंग कैलिस और द्रविड़ को पछाड़ा

रूट के रिकॉर्ड

● जो रूट टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वे अब भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर के 15,921 रन के वर्ल्ड रिकॉर्ड से पीछे हैं।

मैनचेस्टर । एजेंसी

इंग्लैंड ने मैनचेस्टर टेस्ट में भारत के खिलाफ मजबूत शुरुआत की है। शुक्रवार को मैच का तीसरा दिन है। इंग्लिश टीम ने टी-ब्रेक तक पहली पारी में 4 विकेट पर 450 रन बना लिए हैं। जो रूट 130 और बेन स्टोक्स 41 पर नाबाद हैं। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। जो रूट टेस्ट क्रिकेट के टॉप-2 स्कोरर में शामिल हो गए हैं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग (13, 378 रन) को पीछे छोड़ा। सबसे ज्यादा टेस्ट शतक के मामले में रूट ने श्रीलंकाई दिग्गज कुमार संगाकारा के 38 शतक के रिकॉर्ड की बराबरी की। ओली पोप (71 रन) को वॉशिंगटन सुंदर ने स्लिप पर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। उन्होंने 106 रन की साझेदारी को तोड़ा। यहां भारतीय टीम को दिन का पहला विकेट मिला।इंग्लिश टीम ने शुक्रवार को मुकाबले के तीसरे दिन 225/2 से खेलना शुरू किया। बीते दिन बेन डकेट 94 और जैक क्रॉली 84 रन बनाकर आउट हुए। दोनों ने 166 रन की ओपनिंग साझेदारी की। भारतीय टीम पहली पारी में 358 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

लंगड़ाते हुए बैटिंग करने उतरे पंत ने फिफ्टी लगाई सबसे ज्यादा टेस्ट सिक्स लगाने वाले भारतीय बने

मैनचेस्टर/एजेंसी । भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले के दूसरे दिन विकेटकीपर ऋषभ पंत लंगड़ाते हुए बैटिंग करने उतरे। उन्होंने फिफ्टी लगाई। वे सबसे ज्यादा टेस्ट सिक्स लगाने वाले भारतीय भी बन गए। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में 5 विकेट लिए।

मैनचेस्टर टेस्ट के मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स...

1. **लंगड़ाते हुए बैटिंग करने उतरे ऋषभ पंत :** भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत मुकाबले के पहले दिन बैटिंग के दौरान इंजर्ड हो गए। उनके दाएं पैर की उंगली में चोट लगी थी, जिस कारण उन्हें 37 रन के स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। वे दूसरे दिन छठा विकेट गिरने के बाद लंगड़ाते हुए बैटिंग करने उतरे। पंत ने 75 बॉल खेली और 54 रन बनाकर टीम को 350 के पार पहुंचाया।
2. **सबसे ज्यादा टेस्ट सिक्स लगाने वाले भारतीय बने :** पंत ऋषभ पंत ने अपनी पारी में 2 छक्के लगाए। इसी के साथ उनके टेस्ट में 90 छक्के पूरे हो गए। पंत ने टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय के रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली। नंबर-1 पर मौजूद पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने भी भारत के लिए 90 टेस्ट सिक्स ही लगाए हैं। पंत 2 छक्के लगाकर रोहित शर्मा से आगे निकले, जिनके नाम 88 सिक्स हैं।

पाक ने रचा इतिहास भारत के बाद बनी दुनिया की दूसरी टीम

नई दिल्ली । एक तरफ जहां भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज में खेलने में व्यस्त है। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बांग्लादेश दौरे पर पहली जीत नसीब हुई। लगातार 2 T20I हारने के साथ ही सीरीज गंवाने वाली पाकिस्तान टीम ने आखिरी और तीसरे T20I में मेजबान बांग्लादेश को 74 रनों से करारी शिकस्त दी। इस तरह पाकिस्तान का बांग्लादेश में क्लीन स्वीप होने से बच गया। बांग्लादेश ने 2-1 से सीरीज अपने नाम की। इस दौरान पाकिस्तान ने सीरीज गंवाने के बावजूद इतिहास रच दिया। दरअसल, पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को तीसरे T20I में हराने के साथ ही क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 150वीं जीत दर्ज की।

पीएम मोदी ने इंग्लैंड के क्रिकेटरों से की मुलाकात

नई दिल्ली (आईएएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी दो दिन की आधिकारिक ब्रिटेन यात्रा के दौरान इंग्लैंड के युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ उनके समकक्ष कीर स्टार्मर भी मौजूद थे। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और युवा क्रिकेटरों की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। उन्होंने लिखा, "क्रिकेट का यह रिश्ता अपने चरम पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने चेकर्स एस्टेट में ब्रिटेन के युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की। उनसे बातचीत की और दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। भारत और इंग्लैंड लंबे समय से क्रिकेट के मैदान पर एक-दूसरे के मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय 5 टेस्ट मैचों की 'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी' के लिए इंग्लैंड दौरे पर है।

शुरुआती 3 मैचों में इंग्लैंड ने 2 जबकि भारत ने एक मैच में जीत हासिल की है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट में फिलिप्स की जगह ब्रेसवेल खेलेंगे

हरारे (आईएएनएस)

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए चोटिल ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में शामिल किया गया है। फिलिप्स को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के फाइनल के दौरान चोट लगी थी और जिम्बाब्वे पहुंचने पर उनकी मेडिकल जांच की गई, जिसमें पाया गया कि उन्हें पूरी तरह ठीक होने में कई हफ्तों का समय लगेगा।

ब्रेसवेल को शुरू में जिम्बाब्वे में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए नहीं चुना गया था, क्योंकि उनकी प्रतिबद्धताएं इंग्लैंड में द हंड्रेड टूर्नामेंट के साथ थीं, जो इस सीरीज के साथ ओवरलैप करती थीं। हालांकि, फिलिप्स के ग्रोइन इंजरी के कारण बाहर होने के बाद, ब्रेसवेल को पहले टेस्ट के लिए रिप्लेसमेंट के रूप में बुलाया गया है। यह उनकी 2023 के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी।

34 वर्षीय न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर, जिन्होंने आखिरी बार 2023 में श्रीलंका के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान टेस्ट खेला था, जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ब्लैककैप्स टेस्ट स्क्वॉड में ग्लेन फिलिप्स के चोटिल होने के कारण शामिल किए गए हैं। वह बुलावायो में होने वाले पहले टेस्ट मैच के बाद जिम्बाब्वे से रवाना हो जाएंगे और इंग्लैंड में द हंड्रेड टूर्नामेंट में साउदर्न ब्रेव के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए जुड़ेंगे। माइकल ब्रेसवेल ने 2022 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 8 टेस्ट मैचों में 24 विकेट लिए और 259 रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ग्लेन फिलिप्स की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए माइकल ब्रेसवेल को टेस्ट स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

● अब तक 8 टेस्ट मैचों में 24 विकेट लिए और 259 रन बनाए हैं

बहादुरी एक बात है, टीम को पंत का ध्यान भी रखना चाहिए: सुरिंदर

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ऋषभ पंत की इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में गंभीर चोट के बावजूद बल्लेबाजी के लिए वापसी ने उनके साहस और समर्पण को दर्शाया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरिंदर खन्ना ने उनकी बहादुरी की प्रशंसा की, लेकिन यह भी कहा कि टीम प्रबंधन को पंत को चोट के बाद अपनी सेहत का ध्यान रखने के लिए मार्गदर्शन करना चाहिए था। ऋषभ पंत पहले दिन के आखिरी सत्र में क्रिस वोक्स की गेंद पर दाहिने पैर के अंगूठे में चोट लगने के कारण 37 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। पैर में फ्रैक्चर की खबरों के बावजूद वह फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे। गुरुवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में ऋषभ पंत के दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरने पर दर्शकों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। पूर्व क्रिकेटरों ने भी उनके साहसिक कदम की जमकर सराहना की। पूर्व क्रिकेटर सुरिंदर खन्ना ने शुक्रवार को आईएएनएस से बातचीत में ऋषभ पंत की बहादुरी की तारीफ की, जब उन्होंने क्रिस वोक्स की गेंद पर पैर के अंगूठे में चोट लगने के बावजूद ओल्ड ट्रैफर्ड में दोबारा बल्लेबाजी की। खन्ना ने पंत के रिवर्स स्वीप के दौरान लगी चोट और उनके साहसिक वापसी को "बहादुरी भरा कदम" बताया। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि मेडिकल रिपोर्ट्स पर अटकलों के बीच, मेडिकल टीम को पंत की चोट पर कड़ी नजर रखनी चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उनके करियर के लिए खतरा पैदा करने वाली चोट में न बदल जाए। बहादुर होना अच्छी बात है, लेकिन साथ ही, लंबी उम्र के लिए, सावधान रहना भी ज़रूरी है।

● पैर में फ्रैक्चर की खबरों के बावजूद वह फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे

व्यापार/लाइफ व साइंस

पीएम मोदी के कारण ब्रिटेन भारत के बीच विश्वास बढ़ा

एफटीए से दोनों देशों को होगा फायदा : अनिल अग्रवाल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

वेदांता के नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने शुक्रवार को कहा कि ब्रिटेन-भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण दोनों देशों के बीच बढ़े विश्वास का नतीजा है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। अग्रवाल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए अद्वितीय है। इसे लेकर दोनों देशों ने अपनी तरफ से पूरी मेहनत की है। इससे दोनों देशों के बीच संबंधों में काफी सुधार होगा। उन्होंने आगे कहा कि ब्रिटेन के पास 400-500 वर्षों का अनुभव है और इसकी भारत को काफी जरूरत है। यूके के पास न्यूक्लियर, डिफेंस और ऑटोमोबाइल में काफी अच्छी टेक्नोलॉजी है। वहीं, हम टेक्सटाइल, डे-टू-डे प्रोडक्ट्स आदि का निर्यात कर सकते हैं। इस एफटीए से भारत की ओर से निर्यात होने वाले सामानों पर 90-95 प्रतिशत तक शुल्क कम हो जाएगा और दोनों देशों के बीच व्यापार 30 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। अग्रवाल ने आगे बताया कि ब्रिटेन के साथ हुआ यह एफटीए केवल शुरुआत है इसका असर पूरे यूरोप पर होगा। इससे आगे के लिए और अवसर खुलेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल था। इस दौरान दोनों देशों के उद्योगपतियों के बीच बातचीत हुई। अग्रवाल ने कहा, "यह एफटीए एक अच्छे वातावरण में हुआ है। इसकी दोनों देशों को जरूरत थी और इससे दोनों देश के लिए दरवाजे खुल चुके हैं। अग्रवाल ने बताया, "इस दौरे पर पीएम मोदी का व्यक्तित्व इतना आकर्षक था कि यहां रहने वाले लोग भी स्तब्ध रह गए।

नए इनकम टैक्स बिल में सरल भाषा एक बड़ा बदलाव कानून समझने में होगी आसानी : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली (आईएएनएस)

नए इनकम टैक्स बिल 2025 में सरल भाषा का उपयोग प्रावधानों को आसानी से समझने, गलत व्याख्या की संभावना को कम करने और करदाता-केंद्रितता और अनुपालन को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। यह जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से दी गई। उन्होंने आयकर विभाग से फेसलेस अपीलीय प्राधिकारियों के समक्ष लंबित विवादित कर मांगों के निपटान में तेजी लाने और मुकदमेबाजी के लंबित मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए कहा कि विभाग को तीन महीने के भीतर केंद्रीय बजट 2024-25 में घोषित संशोधित मौद्रिक सीमा से नीचे आने वाली विभागीय अपीलों की पहचान करनी चाहिए और उन्हें वापस लेना चाहिए। 166वें आयकर दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, "टैक्स रिफंड की समय पर प्रोसेसिंग और करदाताओं की शिकायतों का सक्रिय एवं समय पर समाधान सुनिश्चित करें। शिकायतों का विश्लेषण करें और न केवल मौजूदा लंबित मामलों को सुलझाने के लिए, बल्कि उन चुनौतियों का समाधान करने के लिए भी रणनीति तैयार करें जो शिकायतों का कारण बन रही हैं। वित्त मंत्री ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर नए इनकम टैक्स बिल 2025 का कुशलतापूर्वक ड्राफ्ट तैयार करने में विभाग के सराहनीय कार्य के लिए भी बधाई दी। उन्होंने इस बात की सराहना की कि विभाग सेलेक्ट कमेटी से प्राप्त सिफारिशों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

166वां आयकर दिवस समारोह
आयकर विभाग
166वां आयकर दिवस

वित्त मंत्री ने भविष्य में भी इस गति को जारी रखने के महत्व पर बल दिया और निरंतर एवं कुशल सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए आगे एडवांस टेक्नोलॉजी को अपनाने पर भी जोर दिया। वित्त मंत्री ने कहा, "सीबीडीटी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम कर्मचारियों और अधिकारियों को बेहतर कार्यस्थलों और आवासों के मामले में पर्याप्त सहायता प्रदान करें, जिससे उन्हें कठिन परिस्थितियों में आवागमन न करना पड़े। मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहूंगी कि सीबीडीटी और राजस्व विभाग परिवारों के लिए आवास और बेहतर कार्यस्थलों के त्वरित विकास को प्राथमिकता दें।

शेयर बाजार लाल निशान में बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में हुई बिकवाली

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार के कारोबारी सत्र में भारी गिरावट हुई। दिन के अंत में सेंसेक्स 721.08 अंक या 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,463.09 और निफ्टी 225.10 अंक या 0.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,837 पर बंद हुआ। बिकवाली का अधिक दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में देखा गया है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 951.25 अंक या 1.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,009.45 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 392.35 अंक या 2.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,294.45 पर बंद हुआ। मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि बाजार एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। बीते दो सत्रों में इसमें गिरावट देखने को मिली है, जबकि इससे पहले के सत्र में सेंसेक्स में 500 अंक की बड़ी तेजी देखने को मिली थी। आगे कहा कि निवेशक अभी अमेरिका-भारत ट्रेड डील का इंतजार कर रहे हैं। एक बार यह डील हो जाएगी, फिर इसका सकारात्मक प्रभाव बाजार पर देखने को मिलेगा। सेक्टोरल आधार पर, ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में बंद हुआ। फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स ही हरे निशान में बंद होने में कामयाब रहे। सेंसेक्स पैक के 50 में से 48 शेयर लाल निशान में बंद हुआ।

यूपीआई पेमेंट को भविष्य में वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाने की जरूरत : आरबीआई गवर्नर

मुंबई (आईएएनएस)

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को संकेत दिया कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से पूरी तरह से मुफ्त डिजिटल लेनदेन का युग हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि यूपीआई इंटरफेस को भविष्य में वित्तीय रूप से सस्टेनेबल बनाया जाना चाहिए। यूपीआई सिस्टम वर्तमान में यूजर्स के लिए निःशुल्क है और पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को सपोर्ट करने वाले बैंकों और अन्य हितधारकों को सरकार सब्सिडी देकर लागत वहन करती है। उन्होंने देश की आर्थिक राजधानी में एक कार्यक्रम में कहा, "लागत चुकानी होगी। किसी न किसी को तो लागत वहन करनी ही होगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा, "भुगतान और पैसा जीवन रेखा हैं। हमें एक सार्वभौमिक रूप से कुशल प्रणाली की आवश्यकता है। फिलहाल, कोई शुल्क नहीं है। सरकार यूपीआई पेमेंट सिस्टम में बैंकों और अन्य हितधारकों जैसे विभिन्न पक्षों को सब्सिडी दे रही है। जाहिर है, कुछ लागत तो चुकानी ही होगी। उन्होंने कहा, "किसी भी महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को फलदायी होना ही चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी सेवा के वास्तव में सस्टेनेबल होने के लिए उसकी लागत का भुगतान सामूहिक रूप से या यूजर्स द्वारा किया जाना चाहिए।

रेयर अर्थ की कमी के कारण महाराष्ट्र में लागत में वृद्धि या परियोजना में देरी की कोई जानकारी नहीं : केंद्र

नई दिल्ली (आईएएनएस)

शुक्रवार को संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, प्रमुख रेयर अर्थ मैग्नेट पर हाल ही में लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप सप्लाई चेन में बाधाएं उत्पन्न हुई हैं, जिसका असर ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर सहित उपयोगकर्ता उद्योगों पर पड़ रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के उद्योगों से लागत में वृद्धि या परियोजना में देरी की कोई सूचना नहीं है। राज्यसभा में एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा, "मंत्रालय को महाराष्ट्र के औरंगाबाद-नासिक-पुणे ऑटो बेल्ट और मुंबई व नवी मुंबई के इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टरों की कंपनियों से रेयर अर्थ मैग्नेट की कमी के कारण लागत में वृद्धि या परियोजना में देरी के संबंध में कोई विशिष्ट रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। राज्य मंत्री से पूछा गया था कि क्या रेयर अर्थ मटीरियल के लिए भारत की चीन पर निर्भरता कम करने के लिए कोई अंतर-मंत्रालयी टास्क फोर्स या मिशन-मोड कार्यक्रम स्थापित किया गया है या क्या सरकार रेयर अर्थ मैग्नेट के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना पर विचार कर रही है। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि वर्तमान में, ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। सरकार कुछ देशों द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों से उत्पन्न चुनौतियों को कम करने, सप्लाई चेन में व्यवधानों को कम करने और भारतीय आयातकों के हितों की रक्षा करने के लिए संबंधित हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है।

डीसी ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

नीति आयोग के तहत किए जा रहे कार्यों में तेजी लाए : उपायुक्त उत्कर्ष

- आयोग के द्वारा जो निर्धारित मानक है उसे पूरा करना सुनिश्चित करें

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानक को लेकर जिले में हो रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नीति आयोग,भारत सरकार द्वारा हर माह आकांक्षी जिलों के संबंध में जारी किए जाने वाले आंकड़ों के आधार पर विभागवार चल रहे कार्यों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नीति आयोग के तहत् किए जा रहे कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करना है। इसके लिए जिले के सभी पदाधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। बैठक में जिले के विकास से संबंधित निर्धारित विभिन्न प्रक्षेत्र में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि-जल संसाधन, कौशल विकास के तहत जिला एवं प्रखंड में हुए कार्य प्रगति की बिदुवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्रथम एएनसी चेक अप शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया। वहीं गर्भवती महिलाओं का संस्थागत प्रसव शत प्रतिशत करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने पोषण ट्रैकर ऐप में कुपोषित बच्चों का सही से डाटा एंट्री करने, कुपोषण को दूर करने के लिए मिलकर कार्य करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान उपायुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि नीति आयोग के द्वारा जो निर्धारित मानक है उसे पूरा करना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने स्वास्थ्य, शिक्षा , समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, जेएसएलपीए समेत अन्य विभाग को संचालित योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति को मिले इसको लेकर बेहतर कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया।

इस बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, संबंधित पदाधिकारी, पीरामल की टीम उपस्थित थे।

चंदवा के शुक्रबाजार में हुआ डिजनी लैंड मेले का उद्घाटन

चंदवा। अलौदिया पंचायत अंतर्गत शुक्रबाजारटांड़ में शुक्रवार को डिजनीलैंड मेला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि चंदवा पश्चिमी जिप सदस्य सरोज देवी,विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कांग्रेसी रामयश पाठक,बाबर खान,मुखिया फुलजेंसिया टोप्पो, राजद जिलाध्यक्ष रामप्रवेश यादव,राम प्रसाद साहू,सत्येंद्र यादव,रवि डे व अन्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने कहा कि चंदवा में पहली बार डिजनीलैंड मेला का आयोजन किया गया है जिसका लुत्फ़ उठाये। वहीं मेला संचालक मां काली इंटरप्राइजेज के सोनू कुमार ने बताया कि डिज्नीलैंड मेंले में बच्चों एवं युवाओं के लिए झूला,ब्रेक डांस,टोरा टोरा,नाव झूला,ड्रैगन,जादूगर,छोटे बच्चों का झूला व मीना बाजार समेत मनोरंजन के कई साधन भी उपलब्ध है। उद्घाटन के मौके पर मुखिया प्रतिनिधि संदीप टोप्पो, राजेश साव,मुकेश साव,प्रेम नाथ गुप्ता, कैश खान समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

आरपीएफ जवानो ने किया नाबालिग बच्ची का किया सफल रेस्क्यू

चंदवा। टोरी आरपीएफ इंस्पेक्टर रंजीत रंजन सहाय के नेतृत्व में रेल पुलिस बल के जवानों ने टोरी स्टेशन परिसर से एक 10 वर्षीय बच्ची का सफल रेस्क्यू किया है। इंस्पेक्टर श्री सहाय ने बताया कि गुरुवार की रात्रि करीब 8:45 बजे बच्ची अकेली प्लेटफॉर्म नंबर एक पर घूम रही थी जिस पर रेल पुलिस की टीम की नजर पड़ी। पूछताछ करने पर उन्होंने आप बीती आरपीएफ जवानों को बताई। बच्ची ने अपना पता अलौदिया पंचायत बताया। कहा कि वह गुरुवार को स्कूल आई थी, स्कूल से छुट्टी होने के बाद वह ट्यूशन पढ़ने के लिए एक दीदी के घर गई थी, लेकिन ट्यूशन छुट्टी होने के कारण वह अपनी चाची के घर कुछ जरूरी कागजात लेने के लिए चली गई। वहां से घर जाने के क्रम में एक व्यक्ति आया व घर पहुंचाने बहाने उसे स्कूटी में बैठा लिया। चंदवा बाजार लाकर उसे एक चप्पल खरीद कर दिया व टोरी जंक्शन के पास छोड़ दिया। जिसके बाद आरपीएफ जवानों की नजर पड़ी जिसके बाद उसे रेस्क्यू किया गया। टोरी में महिला पुलिस पदाधिकारी नहीं होने के कारण आरपीएफ को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा, स्थानीय प्रशासन एवं रेल के अधिकारियों के वार्ता के पश्चात भी महिला पदाधिकारी नहीं मिल पाई जिसके बाद रात्रि में ही बच्ची को अग्रतर कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन बरवाडीह को सुपुर्द कर दिया गया। बता दें कि 15 से 30 जुलाई तक बाल दुर्व्यपार के विरुद्ध विशेष अभियान चल रहा है। जिसके तहत रेल प्रशासन के द्वारा यात्रियों को लगातार जागरूक करने का कार्य भी किया जा रहा है।

हुटाप में वज्रपात से महिला घायल

चंदवा। प्रखंड के हुटाप पंचायत अंतर्गत हाका निवासी खुदी सिंह की पत्नी राजकुमारी देवी शुक्रवार की सुबह व्रजपात का हल्का झटका लगने से घायल हो गई। घटना के बाद परिजन तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा को इसकी सूचना दी। एम्बुलेंस के माध्यम से उसे अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक डॉ तरुण जोश लकड़ा ने महिला का उपचार किया। बताया गया कि व्रजपात से महिला को मामूली झटका लगा है। वह खतरे से बाहर है। घटना को लेकर महिला के पति खुदी सिंह ने बताया की दोनों पति पत्नी अपने घर मे बैठ कर खाना खा रहे थे इसी दौरान उसके बगल के सटे घर के बाहर वज्रपात हुआ जिससे राजकुमारी को झटका लगा। इलाज के उपरांत महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।

आठवीं के छात्र-छात्राओं के बीच 37 साइकिलों का हुआ वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। प्रखंड कार्यालय परिसर मे झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की ओर से प्रदत्त निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकिय आदर्श मध्य विद्यालय के आठवीं क्लास के छात्र-छात्राओं के बीच 37 साइकिल का वितरण प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पासवान व प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी विरेन्द्र भगत ने सयुंक्त रुप से किया।मौके पर उपस्थित प्रखण्ड एम आई एस समन्वयक नितीश कुमार ने बातया की प्रखण्ड क्षेत्र के 38 विद्यालय मे कुल 1314 साईकिल प्राप्त हुआ है.जिसमे सभी साईकिलो को जल्द ही वितरण किया जाना है. प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार पासवान ने कहा कि साइकिल मिलने से सुदुर ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को अब आने-जाने में कोई परेशानी नहीं उठानी होगी।इससे बच्चे उत्साहित होंगे तथा शिक्षण कार्य में सुधार होगा। वही निःशुल्क साइकिल पाकर छात्र छात्राओं के चेहरे खिल उठे। छात्र-छात्राओं ने कहा कि स्कूल आने-जाने में कई तरह की परेशानी होती थी, लेकिन अब साइकिल मिल जाने से आने जाने में परेशानी नहीं होगी।मौके पर सहायक शिक्षक मिथिलेश कुमार मेहता,राजेश कुजूर,राजीव कुमार सहित काफी संख्या मे छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार मेले का आयोजन आज

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। लातेहार जिला में रोजगार की तलाश में अब तक भटक रहे अभ्यर्थियों को कल बहुत बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। जिला खेल स्टेडियम में आज नियोजनालय विभाग के द्वारा आयोजित की जा रही रोजगार मेला में झारखंड राज्य एवं बाहरी राज्य की कंपनियां 3500 लोगों को रोजगार देने का अवसर लेकर आ रही है।जिला नियोजनालय पदाधिकारी संतोष कुमार ने रोजगार के लिए भटक रहे अभ्यर्थियों के लिए इसे सुनहरा अवसर बताते हुए सारी दस्तावेजों के साथ आज 10 बजे इस मेला में भाग लेने की अपील की है। बता दे की जिला नियोजनालय विभाग के द्वारा जिला खेल स्टेडियम में रोजगार मेला का आयोजन शनिवार को किया गया है। इसमें महाराष्ट्र कर्नाटक उड़ीसा एवं झारखंड राज्य के तकरीबन 23 कंपनियां रोजगार का अवसर जिले के बेरोजगारों को रोजगार का अवसर प्रदान करेगी। जिला नियोजनालय पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि इस रोजगार मेला का लाभ पूर्व में लातेहार जिला नियोजनालय में रजिस्टर्ड है उन्हें और कल आयोजित होने वाली एक दिवसीय दंत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेले में रजिस्ट्रेशन करा कर भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि सैलरी की यदि बात की जाए तो न्यूनतम पांच हजार और अधिककतम 30 हजार रूपये है। वहीं कहीं कई कंपनियां सैलरी के साथ साथ रहने और खाने पीने की भी सुविधा उपलब्ध करायेगी। इस मेले में पांचवी पास से लेकर बीए, बीएड, एमएसी सहित अन्य योग्यता प्राप्त युवक भाग ले सकते है। उन्होंने आगे बताया कि उनका प्रयास रहेगा की इस रोजगार मेला में जितनी रिक्तियां उन्हें प्राप्त हुई है उसे 70 प्रतिशत तक पूरा कर लिया जाए। तब जाकर वे इस रोजगार मेला को सफल मानेंगे। जिला नियोजनालय पदाधिकारी श्री कुमार ने रोजगार पाने की इच्छा रखने वाले उन सभी अभ्यर्थियों को इस अवसर में भाग लेने की अपील करते हुए अपने सभी दस्तावेजों के साथ इसमें भाग लेने का आग्रह किया है।

इस में भाग लेने के लिए इन दस्तावेजों की होगी आवश्यकता

1. झारखण्ड राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधित नियोजन कार्ड।
2. शैक्षणिक योग्यता से संबंधित कागजातों की छाया प्रति।
3. 2 कॉपी फोटो
4. आधार कार्ड की छाया प्रति
5. स्थानीय निवास प्रमाण पत्र
6. जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति
7. बायोडाटा की दो कॉपी

ताईकांडों नेशनल प्रतियोगिता में भाग लेने जमशेदपुर रवाना हुई लातेहार की विभा

- 30 जुलाई को जमशेदपुर से बेंगलुरु के लिए होगी रवाना

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नेशनल ताइकांडो प्रतियोगिता अंडर- 19 मे भाग लेने के लिए विभा रानी शुक्रवार की सुबह जमशेदपुर के लिए रवाना हुई है। बताते चले कि लातेहार जिले से मात्र एक खिलाड़ी विभा रानी का नेशनल प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। विभा जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव की पुत्री है. श्री उरांव ने बताया कि नेशनल के लिए चयनित सभी खिलाड़ी 26-30 जुलाई तक कोचिंग कैंप केवी टाटा नगर मे रहेंगी। इसके बाद 30 जुलाई को बेंगलुरु कर्नाटक के लिए रवाना किया जाएगा। यहां दो से छह जुलाई तक नेशनल प्रतियोगिता में चयनित सभी खिलाड़ी भाग लेंगे। नेशनल प्रतियोगिता केवी नंबर वन जलाहली बंगलुरू में होगी। मौके पर मौजूद भाजपा जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने कहा कि लातेहार जिले से मात्र विभा रानी को नेशनल प्रतियोगिता में चयन होना निश्चित रूप से जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने अन्य खिलाड़ियों को भी विभा रानी से प्रेरणा लेने की बात कही। उन्होंने विभा की बेहतर प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम रौशन करने की बात कही. मौके पर पंचायत समिति सदस्य पिंटू रजक, केंद्रीय विद्यालय लातेहार की शिक्षक नंदनी किरण, सुनील प्रसाद व अख्तर अंसारी मौजूद थे।

कार पलटने से बाल-बाल बचे दो युवक, मुरपा में हुआ हादसा

बालूमाथ(लातेहार)। थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरपा गांव के पास गुरुवार की देर रात को एक बड़ा हादसा हो गया।एक चलती कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में कार में सवार दोनों युवक मामूली चोटें आईं हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनसिंघा मुरपा निवासी रोहित कुमार उम्र 25 वर्ष पिता शामलाल यादव अपने एक साथी के साथ किसी आवश्यक कार्यवश मुरपा से भगिया की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। हालांकि इस दुर्घटना में दोनों युवकों को सिर्फ मामूली चोटें आई हैं .घटना की जानकारी मिलते ही मुरपा पिकेट प्रभारी होसेन डांग दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच और बीच बचाव में लग गए।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा को लेकर किसानों से मिले प्रखंड कॉर्डिनेटर

हुसैनाबाद । व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पलामू जिला पैक्स अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा और बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रखंड कॉर्डिनेटर गौतम कुमार ने हुसैनाबाद प्रखंड के ग्राम डांडिला में किसानों के खेत में जाकर किसानों से रूबरू हुए । व्यापार मंडल अध्यक्ष बैठा ने कहा कि किसानों के लिए अति महत्वकांक्षी बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना है ।यह आपके फसल का सुरक्षा कवच है । झारखंड सरकार के द्वारा किसानों को निशुल्क बीमा किया जा रहा सिर्फ मात्र एक रुपए का टोकन लग रहा है इसलिए सभी किसान अपने अपने रकबा के अनुसार 31/07/2025 तक बीमा करा लें । कॉर्डिनेटर गौतम कुमार ने कहा कि ये योजना किसान हित में है ।

झारखंड के पलामू में हाईटेक जैविक खेती का नया अध्याय शुरू

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। नवाचार और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली संस्था वीकेएस एग्रीफार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने एक और सफल पहल की है। कंपनी के निदेशक प्रिय रंजन सिंह ने जानकारी दी कि ग्राम नादिआईन, पंचायत दंगवार, प्रखण्ड हुसैनाबाद के किसानों द्वारा अब कोलंबों अरहर की जैविक खेती शुरू की गई है।इस खेती के लिए विशेष किस्म कोलंबो अरहर 5000 के बीज हैदराबाद से मंगवाए गए हैं, जिसकी खासियत यह है कि एक बार लगाने के बाद यह पौधा लगातार आठ वर्षों तक उपज देता है और साल में दो बार फलन करता है।

पौधों की रोपाई नर्सरी विधि से की जाती है। रोपण विधि के अनुसार, पौधा से पौधा की दूरी 5 से 7 फीट तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 10 से 12 फीट रखी जाती है। दिशा निर्धारण के तहत पौधे पूर्व से पश्चिम और लाइनें उत्तर से दक्षिण दिशा में लगाई जाती हैं।

समता स्कूल में अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया

अग्निशमन विभाग ने अग्नि सुरक्षा के बारे में बच्चों को कर रहे हैं जागरूक: डॉ.अक्षय

नवीन मेल संवाददाता

TA SCHOOL JAPLA HUSSAINABAD

हुसैनाबाद। शहर के अमन चैन मुहल्ला स्थित समता स्कूल में अग्निशमन विभाग की ओर से अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। मौके पर सब ऑफिसर अशोक कुमार सिंह ने बच्चों को बताया कि आग मुख्य रूप से चार प्रकार की होती है, और प्रत्येक स्थिति में उसे बुझाने के अलग-अलग तरीके होते हैं। उन्होंने कहा कि अग्निशमन यंत्र, बालू, पानी, कार्बन डाइऑक्साइड गैस तथा घरेलू उपायों का प्रयोग कर आग पर काबू पाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने बताया कि आमजन को आग से बचाव की जानकारी होना बेहद जरूरी है, क्योंकि आग की घटनाएं कहीं भी और कभी भी घट सकती हैं जैसे कि घर, बाजार, स्कूल या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर।प्रशिक्षण सत्र में बच्चों को न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी गई।

हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में नहीं आते हैं चिन्हित चिकित्सक

- मरीजों को होती है परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

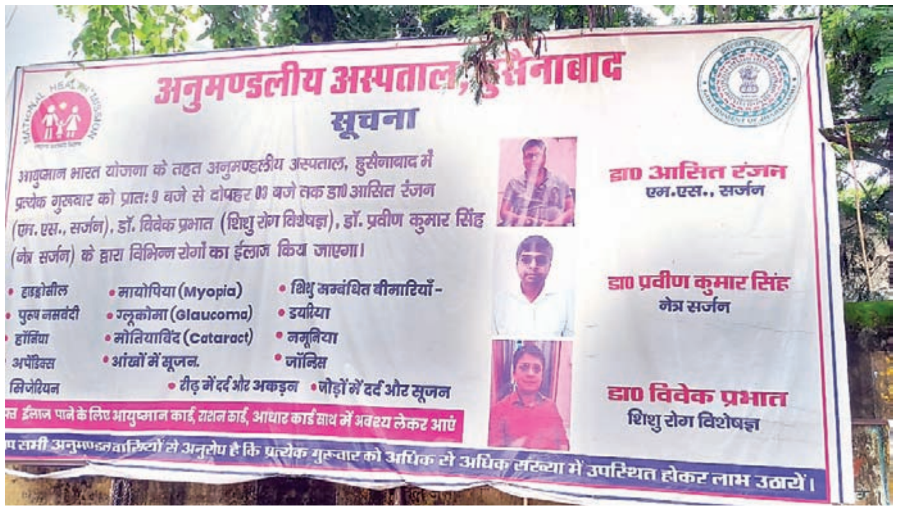

अनुमण्डलीय अस्पताल, हुसैनाबाद

सूचना

आयुष्मान भारत योजना के तहत अनुमण्डलीय अस्पताल, हुसैनाबाद में प्रत्येक गुरुवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 03 बजे तक डा0 आसित रंजन (एम.एस., सर्जन), डॉ. विवेक प्रभात (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. प्रवीण कुमार सिंह (नेत्र सर्जन) के द्वारा विभिन्न रोगों का ईलाज किया जाएगा।

- हाइड्रोसील
- पुरुष नसबंदी
- हॉर्निया
- अपेंडिक्स
- सिजेरियन
- मायोपिया (Myopia)
- ग्लूकोमा (Glaucoma)
- मोतियाबिंद (Cataract)
- आंखों में सूजन
- शिशु सम्बंधित बीमारियां -
- डायरिया
- निमूनिया
- जॉन्डिस
- रीढ़ में दर्द और अकड़न
- जोड़ों में दर्द और सूजन

ईलाज पाने के लिए आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आधार कार्ड साथ में अवश्य लेकर आएं

सभी अनुमण्डलवासियों से अनुरोध है कि प्रत्येक गुरुवार को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर लाभ उठायें।

डा0 आसित रंजन
एम.एस., सर्जन

डा0 प्रवीण कुमार सिंह
नेत्र सर्जन

डा0 विवेक प्रभात
शिशु रोग विशेषज्ञ

हुसैनाबाद। आयुष्मान भारत योजना के तहत गुरुवार को हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में नियोजित तीनों चिकित्सक अनुपस्थित रहे। जिसमें एसएस सर्जन डॉ. आसित रंजन, नेत्र सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार सिंह, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक प्रभात का नाम शामिल है। गुरुवार को 12 बजे तक उक्त चिकित्सकों का ओपीडी कक्ष बंद था। बताया गया कि आज उक्त चिकित्सक नहीं आये हैं। कई मरीजों ने बताया कि पिछले गुरुवार को भी वे लोग नहीं थे। विभाग के इस आलम में मरीजों की परेशानी व इलाज की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। आयुष्मान भारत योजना के तहत हैं प्रतिनियोजित सूचना बैनर में तीनों का नाम व दिन हैं अंकित शहर के अंबेडकर चौक स्थित अर्बन अस्पताल में इस संदर्भ में बड़ा बैनर सूचना लगाया गया है। जिसमें बताया गया है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में प्रत्येक गुरुवार को प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक एस एस सर्जन डॉ. आसित रंजन, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक प्रभात,नेत्र सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार सिंह द्वारा विभिन्न रोगों का इलाज किया जाएगा।

क्या कहना हैं मरीजों का

प्रखंड के देवरी खुर्द पंचायत के टोला बनकट गांव की सविता देवी ने बताई कि वह पिछले दो सप्ताह से अपना इलाज कराने के लिये उक्त चिकित्सक के लिए आ रहे है, परंतु वे सभी लोग यहां हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल नहीं आ रहे। जबकि प्रचार प्रसार के लिये जपला अंबेडकर चौक के पास पुराने अर्बन अस्पताल में लगाया गया है। मरीजों का कहना है कि जब चिकित्सक नहीं आते है तो मरीजों को दिगभ्रमित क्यों किया जा रहा है।

क्या कहते हैं प्रभारी स्वास्थ्य उपाधीक्षक

इस संदर्भ में प्रभारी स्वास्थ्य उपाधीक्षक डॉ. बिनेश कुमार ने कहा कि अनुपस्थित होने की जानकारी है। इसके बारे में पलामू सीएस को लिखेंगे।

पेज एक के शेष

राज्य को मिलेगी...

इस मद में लगभग 7 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इसके आलोक में मुख्य सचिव ने स्कूली शिक्षा विभाग को निर्देश दिया कि वे इसके लिए दूसरे राज्यों में स्थित सैनिक स्कूलों के मॉडल का परीक्षण कर लें, फिर उसके आधार पर आगे बढ़ें। मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, स्कूली शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और सैनिक स्कूल, तिलैया के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जोबला पाठ में...

महिला गुड़िया देवी (पति सुरेंद्र कोरवा) को प्रसव पीड़ा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चैनपुर ले जाना था। लेकिन, 108 एंबुलेंस जोबला पाठ तक पहुंचने में असमर्थ थी, क्योंकि वहां जाने के लिए कोई रास्ता ही नहीं है। मजबूरन, एंबुलेंस ब्रह्मपुर तक ही आ पाई। इस विकट परिस्थिति में, स्वास्थ्य सहिया ग्लोरिया लकड़ा, बीटीटी जीवनती कुमारी, और टाटा फाउंडेशन की मानसी मिंज एवं भारती सिंह के अथक सहयोग से गुड़िया देवी को चैनपुर लाया जा सका। गुड़िया देवी के पति सुरेंद्र कोरवा ने अपनी पत्नी को अपने पीठ पर लादकर जोबला पाठ से ब्रह्मपुर तक पहुंचाया, जहां से एम्बुलेंस उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जा सकी। स्वास्थ्य सहिया ग्लोरिया लकड़ा ने इस भयावह स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जोबला पाठ तक जाने के लिए कोई सड़क नहीं है, सिर्फ पगडंडी के सहारे ही आना-जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अधिसंख्य गर्भवती महिलाओं को ऊपर पाठ से नीचे लाने में काफी परेशानी होती है। उन्हें स्वयं पैदल चलकर इतनी ऊंचाई तक जाना पड़ता है। रास्ते में न तो कोई पुल है और न ही कोई सुगम मार्ग, खेत की मेड़ों से होकर एक-एक परिवार तक पहुंचना पड़ता है। यह घटना जोबला पाठ जैसे कई अन्य दूरस्थ आदिम जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और आधारभूत संरचना की कमी की पोल खोलती है। यह दर्शाता है कि सरकारी योजनाएं कागजों पर भले ही कितनी भी अच्छी क्यों न लगें, जमीनी स्तर पर उनकी पहुंच और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना अभी भी एक बड़ी चुनौती है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आज भी एक बुनियादी सड़क जैसी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो उनके जीवन को सीधे प्रभावित करती हैं।

हजारीबाग में तोड़ी...

सिदो-कान्हू की प्रतिमा के टूटने की खबर भी शहर में तेजी से फैली। लोगों ने इन घटनाओं को स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बताया और इसे समाज के नैतिक मूल्यों पर हमला कहा। शहर में इन हरकतों के खिलाफ गुस्सा और आक्रोश का माहौल है। प्रतिमाओं की तोड़फोड़ की घटना पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ऐसे महामानवों की प्रतिमाओं को खंडित करना बेहद निंदनीय कृत्य है और इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सांसद ने हजारीबाग जिला प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी कर उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने दोनों महापुरुषों की प्रतिमाओं को तत्काल पुनः स्थापित करने की अपील की है।

सबसे लंबे कार्यकाल...

गुजरात (2002, 2007, 2012) और लोकसभा चुनाव (2014, 2019, 2024)। राज्य या केंद्र में, लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के प्रमुख के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के लगभग 24 वर्षों के कार्यकाल में यह एक और मील का पत्थर होगा। लंबे समय तक पद पर स्थापित रहने का रिकॉर्ड प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम है। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीन लोकसभा चुनावों में अपनी-अपनी पार्टियों को जीत दिलाने में नेहरू की बराबरी की है। गुजरात के वडनगर में एक साधारण परिवार में जन्मे नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से पहले, रेलवे स्टेशन पर अपने पिता के साथ चाय बेचने में मदद की। अपने जमीनी जुड़ाव और दमदार संवाद शैली के लिए जाने जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भाजपा को ऐतिहासिक राष्ट्रीय जीत दिलाने से पहले एक दशक से भी ज्यादा समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। तब से, उन्होंने खुद को एक प्रमुख वैश्विक नेता के रूप में स्थापित किया है और भारत को विश्व मंच पर एक आत्मविश्वासी और मुखर आवाज के रूप में पेश किया है।

'ऑपरेशन सिंदूर' आतंकियों...

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुई घटना अभी तक की सबसे निंदनीय आतंकी घटना थी। इसमें धर्म पूछ कर एक पत्नी के सामने उसकी पति की नृशंस हत्या की गई। जब एक महिला ने आतंकियों से पूछा कि उन्हें क्यों जिंदा छोड़ा जा रहा है, उन्हें भी उनके पति के साथ मार दिया जाए। तब आतंकवादियों ने जवाब दिया कि उन्हें इसलिए छोड़ा जा रहा है, ताकि वे अपने प्रधानमंत्री को जाकर इस घटना के बारे में बताएं। उस वक्त हमारे प्रधानमंत्री विदेश यात्रा पर थे। वे इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अपनी यात्रा को आधे में ही छोड़कर भारत लौट आए और आतंकवादियों के इस घृणित कृत्य के लिए सबक सिखाने हेतु भारतीय सेना को उचित कार्रवाई करने के लिए खुली छूट दे दी। भारत की जल, थल और वायु सेना सुनियोजित तरीके से जवाब देने के लिए तत्पर हो गई। हमारे प्रधानमंत्री ने इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया। 6 मई, 2025 को भारत में 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए, 11 पाकिस्तानी एयरबेस तबाह हुए, राफेल, ब्रह्मोस और एस-400 का इस्तेमाल हुआ। यह आतंकवाद के खिलाफ भारत की सटीक कार्रवाई थी।

पायलटों को फंसाने की हो रही कोशिश!

ट्रंप सरकार बोइंग को बचाने के लिए कर रही मैकेनिकल फेलियर से इनकार

ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद बोइंग विमान दुर्घटना में आधिकारिक जांच पूरी होने से पहले ही अमेरिका की ट्रंप सरकार व अखबार 'वाल स्ट्रीट जर्नल' पूरी तरह से इस घटना की लीपापोती में लग गया है। पहले अमेरिकी मीडिया की ओर से इस हादसे की वजहों को लेकर भ्रामक खबरें दी जा रही थीं। अब अमेरिकी सरकार के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने भी उसी रास्ते पर चलना शुरू कर दिया है। एयर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान की फ्लाइट संख्या एआई-171 की दुर्घटना की जांच भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआई) कर रही है। लेकिन,एक रिपोर्ट के अनुसार एफएए अपनी ओर से इस नतीजे पर पहुंच गया है कि विमान के फ्यूल कंट्रोल यूनिट और स्विच सिस्टम में किसी तरह का मैकेनिक फेलियर नहीं हुआ। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस में छपी एक खबर के मुताबिक एफएए के एक बयान में इस बात की पुष्टि की गई है कि एआई-171 के फ्यूल कंट्रोल यूनिट्स और स्विच मेकेनिज्म सामान्य रूप से काम कर रहे थे और इसके नाकाम होने या अनजानी हरकत के कोई संकेत नहीं मिले हैं। जबकि, इस विमान हादसे की जांच आधिकारिक रूप से भारत की एएआईबी कर रही है और इसमें अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड और यूके की एयर एक्सीडेंट्स इंवेस्टिगेशन ब्रांच सहयोग कर रही है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में 260 लोगों की मौत हो गई थी

BOEING
एआई जेनरेटेड

ट्रंप सरकार बोइंग व इंश्योरेंस कंपनियों को बचा रही है ?

अमेरिकी सरकार की एजेंसी ने जिस तरह से मैकेनिकल फेलियर को खारिज करने की कोशिश की है, उससे साफ है कि वह जांच को मानवीय चूक वाली आशंका की ओर ले जाने की कोशिश में है। मतलब एयर इंडिया के दिवंगत पायलटों पर ही दोष मढ़ने की कोशिश हो रही है। क्योंकि, जब तक, एएआईबी दुर्घटना की विस्तृत जांच नहीं कर लेती, इस तरह के एकतरफा दावे बोइंग और इंश्योरेंस कंपनियों को कवर देने मंशा ही जाहिर करती है। 12 जून के अहमदाबाद से लंदन के गेटविक जा रहा एयर इंडिया का यह विमान टेक ऑफ के कुछ ही सेकंड बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर से टकरा गया। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों के साथ जमीन पर भी 19 लोगों की मौत हो गई।

स्विच लॉकिंग मेकेनिज्म सही थे : एफएए

एएआईबी ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में यह बताया है कि विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच टेकऑफ के कुछ ही सेकंड के बाद 'रन' से 'कट ऑफ' की स्थिति में चले गए, जिससे दोनों इंजनों की शक्ति कम हो गई। 10 से 14 सेकंड के बीच में दोनों स्विच वापस 'रन'की स्थिति में लौटे, लेकिन तब तक इंजन पर्याप्त ताकत हासिल करने में नाकाम हो चुका था। वहीं कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में दर्ज डेटा के अनुसार एक पायलट ने सवाल पूछा था कि 'फ्यूल को बंद' क्यों किया, जिस पर दूसरे पायलट ने साफ किया कि उसने ऐसा नहीं किया है। इसी के बाद से यह बात जांच के दायरे में है कि स्विच बंद किए गए थे या किसी यांत्रिक गड़बड़ी की वजह से ऐसा हुआ। इसी पर एफएए ने दावा किया है कि स्विच लॉकिंग मेकेनिज्म सही थे और ऐसा कोई मैकेनिकल फेलियर नहीं हुआ, जिससे इंधन बंद हो गया हो। रिपोर्ट में एफएए एडमिनिस्ट्रेटर ब्रायन बेडफोर्ड के हवाले से कहा गया है कि विमान के सिस्टम ने उसी अनुसार काम किया, जैसा कि डिजाइन किया गया है और डिजाइन में बदलाव या एडिशनल सेफ्टी बुलेटिन जारी करने की अभी कोई योजना नहीं है। 787 ड्रीमलाइनर बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग पहले से ही यही दावा कर रही है कि उसके सिस्टम में कोई खराबी नहीं है।

यह अमेरिका में ही संभव है

फेडरल रिजर्व के नवीनीकरण की लागत को लेकर ट्रंप से कैमरे के सामने ही भिड़े पॉवेल

ब्यूरो

MAKE AMERICA GREAT AGAIN

ट्रंप ने ब्याज दरें कम करने को कहा था लेकिन इससे देश व अर्थव्यवस्था को नुकसान होने की बात कह पावेल ने इन्कार कर दिया

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन स्थित केंद्रीय बैंक के ऐतिहासिक मुख्यालय के नवीनीकरण का निरीक्षण करने के लिए साइट विजिट के दौरान फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की आलोचना व उनको बेइज्जत करने की कोशिश की। जब ट्रंप पत्रकारों के सामने बयान देने के लिए रुके, तो उन्होंने कैमरे पर पॉवेल को अपने बगल में खड़े होने का इशारा किया।

इसके बाद राष्ट्रपति ने दावा किया कि फेडरल रिजर्व की इमारतों के नवीनीकरण की कुल लागत 3.1 अरब डॉलर थी, जो पहले बताई गई राशि से ज्यादा थी। जैसे ही ट्रंप ने यह दावा किया, पॉवेल ने अपनी असहमति जताने के लिए सिर हिलाकर मना कर दिया। "मुझे इसकी जानकारी नहीं है," पावेल ने कहा। "मैंने फेड में किसी से ऐसा नहीं सुना है।" ट्रंप ने ज़ोर देकर कहा कि यह नया आंकड़ा "अभी-अभी सामने आया है" और उन्होंने स्पष्ट प्रमाण के तौर पर अपने कोट से कागज निकालकर पॉवेल को दे दिए।

"क्या यह मैंने दिया है?" पावेल ने पूछा। ट्रंप के यह कहने के बाद कि नए आंकड़े उनके (ट्रंप) लोगों द्वारा दिए गए हैं, पॉवेल को पता चला कि नवीनीकरण का आंकड़ा अचानक इतना ज़्यादा क्यों हो गया। उन्होंने (पावेल) कहा, "आपने एक तीसरी इमारत भी शामिल कर ली।" इस पर ट्रंप ने ज़ोर देकर कहा कि तीसरी इमारत नवीनीकरण की कुल लागत का हिस्सा थी। उन्होंने पॉवेल पर स्वतंत्र फेड अध्यक्ष (पावेल)को हटाने का कोई बहाना ढूंढने के लिए प्रबंधन का आरोप लगाया है, जिन्होंने राष्ट्रपति के अनुरोध पर ब्याज दरें कम करने से इनकार कर दिया था। पॉवेल ने बताया कि जिस तीसरी इमारत के बारे में ट्रंप ने अचानक दावा किया कि वह नवीनीकरण का हिस्सा है, "वह पांच साल पहले बनी थी। यह नई नहीं है।ट्रंप के साथ उनके कट्टर सहयोगी, दक्षिण कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर टिम स्कॉट भी थे, जिन्होंने भी यही कहा कि नवीनीकरण का काम बजट से बहुत ज्यादा हो गया है। पॉवेल से जब पूछा गया कि क्या उन्हें आगे भी लागत में बढ़ोतरी की उम्मीद है, तो उन्होंने जवाब दिया, "उम्मीद मत करो" लेकिन कहा कि जरूरत पड़ने पर स्वतंत्र केंद्रीय बैंक "इसके लिए तैयार" है। इसके बाद ट्रंप ने एक चहेते रिपोर्टर को बुलाया, जिसने उनसे पूछा कि एक बिल्डर होने के नाते, वह "ऐसे प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ क्या करेंगे जो बजट से ज़्यादा खर्च कर रहा हो"।

"आम तौर पर," ट्रंप ने कहा, "मैं उन्हें बर्खास्त कर दूँगा।"

जैसे ही ट्रंप, पॉवेल और स्कॉट दौरे को जारी रखने के लिए मीडिया से दूर हुए, ट्रंप ने कहा कि पावेल नवीनीकरण की लागत को लेकर उनकी चिंताओं को कम करने के लिए कुछ कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "मैं चाहूंगा कि वे ब्याज दरें कम करें।" पॉवेल ने बार-बार ज़ोर देकर कहा है कि एक स्वतंत्र एजेंसी के प्रमुख होने के नाते, राष्ट्रपति के पास उन्हें बर्खास्त करने का अधिकार नहीं है और ब्याज दरों पर फ़ैसले राजनीतिक दबाव से मुक्त होने चाहिए।

इस तरह वाशिंगटन में केंद्रीय बैंक के ऐतिहासिक मुख्यालय के नवीनीकरण का निरीक्षण कर रहे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैमरे पर हुई बातचीत के दौरान फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। यह अमेरिका में ही संभव है, क्या यह भारत में संभव है?

देश में वन मेडिसिन वन प्राइस की जरूरत : चंद्रशेखर आजाद

कहा, महंगी दवाओं से लोगों की टूट रही है कमर

ब्यूरो

नई दिल्ली। धनी देशों की तरह भारत में भी महंगी दवाइयों के चलते लोगों का बजट गड़बड़ा जा रहा है। तमाम लोग व उनके परिवार बर्बाद हो रहे हैं। तथाकथित अच्छे दिन आने के बाद भी दवा व इलाज के बढ़ते खर्च से हालत बदतर होती जा रही है। सरकार की तरफ से तमाम दावे किए जाते हैं, कई बार योजनाएं भी आती हैं, लेकिन गरीब आदमी के पास आज भी सस्ती दवाइयां उपलब्ध होना एक चुनौती है। जेनेरिक दवा के अभियान पर खर्च करके बहुत कुछ कहा गया , लेकिन गंभीर बीमारी में इसका स्पेसिफिक दवाओं जैसा असर नहीं होने की बात लोग कहने लगे हैं। जिसके कारण कई भुक्त भोगी मरीज़ ब्लड प्रेशर से लगायत अन्य कई बीमारियों की रोज़ लेने वाली दवा फिर किसी ब्रांडेड कंपनी से खरीदने लगे हैं। इसमें सबसे ज्यादा बर्बाद हो रहे हैं गरीब व दलित परिवार। इसलिए आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इसे मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा - इस देश को अब 'वन मेडिसिन वन प्राइस' की जरूरत है।इस बारे में चंद्रशेखर आजाद कहते हैं कि एक ऐसा देश जहां पर हम सभी इस समय वन नेशन वन इलेक्शन को प्रमोट कर रहे हैं, क्या दवाइयों के साथ भी ऐसा नहीं हो सकता।

इस देश में किसी बीमारी की एक कंपनी की दवाई यदि 5 रुपये में मिलती है, तो दूसरी कंपनी की 200 रू. में। इन कंपनियों को खुली छूट दी गई है और ये लोगों को लूट रहे हैं। इस बात को किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। बड़े स्तर पर लोगों की जेब को चपत लग रही है। इसलिए मैं मांग करता हूं कि अब देश में वन मेडिसिन वन प्राइस की पॉलिसी लागू हो जानी चाहिए, जिससे सभी को एक समान प्राइस पर कोई भी दवाई उपलब्ध हो सके। वैसे ऐसा नहीं है कि सरकार इस बारे में नहीं जानती है, कई जरूरी दवाइयों के दम पर कैप लगाने का काम होता है जिससे तय रेट से ज्यादा पर वो मार्केट में ना बेची जाए। कोरोना के समय भी ऐसा देखा गया था, जब जरूरी दवा के दाम पर कैप लगा था। लेकिन अब चंद्रशेखर आजाद ने बड़ा मुद्दा उठाते हुए कहा है कि सिर्फ किसी दवा की कंपनी बदलने से उसका रेट नहीं बदलना चाहिए। उनकी तरफ से सरकार से मांग की गई है इस बारे में जल्द ही कोई कार्रवाई की जाए जिससे सभी को जरूरी दवाइयां मिल सकें। फिलहाल अब तक इस पर सरकार ने कुछ नहीं कहा है।

ब्रेन इंजुरी की ज्यादातर घटनाएं सड़क दुर्घटनाओं से होती हैं

- दिमाग में चोट लगने से याददाश्त खो व धीमा हो सकती है

ब्यूरो

नई दिल्ली। ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी के मामले भारत में भी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं।इसके कारण मृत्यु दर व अपंगता भी बढ़ती जा रही है। विश्व बैंक 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में जितने वाहन हैं उनमें से भारत में मात्र 1% वाहन हैं, लेकिन सड़क दुर्घटना में मरने वालों का प्रतिशत वैश्विक मौतों का लगभग 10% है। जो कि बहुत ही चिंताजनक है।क्योंकि ब्रेन इंजरी की ज्यादातर घटनाएं सड़क दुर्घटनाओं से होती हैं, लेकिन घर में गिरना व खेलों से जुड़ी चोट भी इसके मुख्य कारण हैं। दिमाग की चोट से उबरना केवल जिंदा रहने तक काफी नहीं है। आगे चलकर जीवन की गुणवत्ता को असल में रिहैबिलिटेशन तय करता है। यह एक प्लांड, मल्टी स्टेज प्रोसेस है, जो मरीजों को फिर से काम करने, आत्मनिर्भर बनने व जीवन में उद्देश्य पाने में मदद करती है।

दिमाग में चोट लगने के बाद : दिमाग में चोट लगने से कई तरह की शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक क्षमताओं पर प्रभाव पड़ सकता है। कई मरीजों में इंद्रियों में बदलाव देखने को मिलते हैं। जैसे सुनने, देखने या छूने की क्षमता में कमी आना। कुछ मामलों में मरीज शरीर के कुछ अंगों को महसूस करना ही बंद कर देते हैं, जिसे 'नेग्लेक्ट' कहा जाता है। याददाश्त में कमी , भ्रम, फोकस करने में दिक्कत या फैसला लेने की क्षमता में कमी आना जैसे मानसिक लक्षण दिखना आम हैं, जो रोज की जिंदगी को प्रभावित करते हैं।

सोशल व इमोशनल बदलाव भी गंभीर होते हैं। बहुत से लोग दूसरों से जुड़ने या सामाजिक संकेत समझने में परेशानी महसूस करते हैं, जिससे अकेलापन महसूस होता है। जिन लोगों को पहले कोई मानसिक समस्या नहीं थी, उन्हें भी मूड में बदलाव, चिंता या अवसाद हो सकता है।हालांकि लक्षण हर मरीज में अलग हो सकते हैं और कुछ देर के लिए भी हो सकते हैं। लेकिन इन्हें पहचानकर वक्त पर उपचार कराना जरूरी है।

वैसे तो अन्य अंगों की तरह मस्तिष्क के पास खुद को ठीक करने की अद्भुत क्षमता होती है, जिसे न्यूरोप्लास्टिसिटी कहा जाता है। लगातार टारगेटेड थेरेपी के जरिए मरीज फिर से खोई हुई क्षमताएं पा सकता है या ऑप्शनल तरीके अपनाकर रोजाना के काम कर सकता है। फिजिकल, ऑक्यूपेशनल, स्पीच-लैंग्वेज व कॉग्निटिव थेरेपी न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देती हैं। ये न केवल शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को फिर से नॉर्मल करती हैं, बल्कि आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास को भी वापिस पाने में मदद करती हैं।

रिहैबिलिटेशन की जरूरत

- दिमाग में चोट लगने के बाद की जिंदगी में रिहैबिलिटेशन एक बुनियाद की तरह होता है। यह एक पर्सनल व टाइमलाइन प्रोसेस होता है, जो आमतौर पर तीन स्टेज में होता है।
- प्रारंभिक चरण (अस्पताल में आधारित)
- मध्य चरण (आउट पेशेंट थेरेपी)
- अंतिम चरण (घर या समुदाय आधारित देखभाल)
- रिहैबिलिटेशन का प्रकार व इंटेंसिटी मरीज की स्थिति व टारगेट पर निर्भर करती है।

इस तरह इस पूरे क्रम में डॉक्टर, थेरेपिस्ट व मनोवैज्ञानिकों की एक टीम शामिल होती है, जो व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक रिकवरी में मदद करती है। परिवारों को भी ट्रेंड किया जाता है ताकि वे क्लिनिक से बाहर भी बेहतर देखभाल कर सकें।

समोआ के पास दक्षिण प्रशांत में 6.6 तीव्रता का भूकंप, पूरे देश में महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली । अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, शुक्रवार को दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश समोआ के पास 6.6 तीव्रता का भीषण भूकंप आया। हालांकि, किसी के हताहत होने या किसी नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार देर सुबह राजधानी अपिया से 440 किलोमीटर (273 मील) दक्षिण-पश्चिम में 314 किलोमीटर (195 मील) की गहराई पर आया। समोआ ऑब्जर्वर समाचार वेबसाइट के एक कर्मचारी ने बताया कि उन्होंने भूकंप महसूस नहीं किया।

किसी सैनिक को साथी ने गोली मार दी तो सैनिक को शहीद जवान को मिलने वाले लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता' : हाईकोर्ट

ब्यूरो

नई दिल्ली। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने शहीद सैनिकों को लेकर एक अहम फैसला दिया। अदालत ने कहा कि साथी की गोली से मरे सैनिक को शहीद जवान को मिलने वाले लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सैन्य अभियान में तैनात किसी सैनिक को अगर उसके साथी सैनिक द्वारा गोली मार दी जाती है. तो उसे युद्ध में शहीद होने वाले सैनिकों को मिलने वाले लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता।अदालत ने यह फैसला याचिकाकर्ताओं भारत संघ और अन्य द्वारा सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के 22 फरवरी, 2022 के आदेश को दी गई चुनौती पर सुनवाई करते हुए सुनाया। एएफटी ने प्रतिवादी रुक्मणी देवी के फैमिली पेंशन के दावे पर विचार करने का निर्देश दिया था। देवी का बेटा भारतीय सेना का जवान था और जम्मू-कश्मीर में 'ऑपरेशन रक्षक' में ड्यूटी पर तैनात था और 21 अक्टूबर 1991 को एक साथी सैनिक द्वारा चलाई गई गोली के कारण उसकी मृत्यु हो गई थी।जस्टिस अनुपिंदर सिंह ग्रेवाल और जस्टिस दीपक मनचंदा की पीठ ने 16 जुलाई को दावा के लिये आवेदन करने में देरी सहित कई आधारों पर देवी को पेंशन देने से इनकार करने की केंद्र की दलील खारिज कर दी। अदालत ने कहा, ''यह स्पष्ट है कि सैन्य अभियान में तैनात किसी सैनिक को अगर उसके साथी सैनिक द्वारा गोली मार दी जाती है तो उसे किसी भी तरह से उन लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता जो उन सैनिकों को मिलते हैं जो कार्रवाई के दौरान अपनी जान गंवाते हैं।'' अदालत इस दलील से भी संतुष्ट नहीं हुई कि आवेदन दाखिल करने में देरी हुई क्योंकि पेंशन, जिसका हकदार राष्ट्र की सेवा करने वाला कर्मचारी हर महीने होता है, एक सतत कारण है। एएफटी ने रक्षा मंत्रालय को देवी के उदारीकृत पारिवारिक पेंशन के दावे पर विचार करने का निर्देश दिया था। उदारीकृत पारिवारिक पेंशन, साधारण पारिवारिक पेंशन की तुलना में अधिक लाभ से युक्त होती है

सतयुग से कलयुग तक के प्रभावशाली 1000 हिंदुओं की तैयार होगी सूची

पहले चरण में 500 मृत व 500 जीवित हिंदुओं को शामिल किया गया है

संवाददाता

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति ने दुनिया के प्रभावशाली 1000 हिंदुओं की सूची तैयार करने के लिए अध्ययन , मनन , चिंतन शुरू कराया है। इसकी शुरुआत सतयुग से होगी, समापन कलयुग में अब तक होगी। यह क्यों हो रहा है ? हो रहा है सनातन के वैभव को दुनिया को बताने के लिए।इसके लिए हिंदू समाज के प्रभावशाली लोगों की सूची तैयार की जा रही है। पहली सूची में सनातन धर्म के एक हजार प्रभावशाली लोगों को शामिल किया जाएगा। प्राचीन काल से वर्तमान तक के सभी प्रभावशाली सनातनी हिंदू इस सूची में होंगे। अखिल भारतीय संत समिति अक्टूबर 2025 में होने वाली संस्कृति संसद में इस सूची को सार्वजनिक करेगी। अखिल भारतीय संत समिति ने इसके लिए देश भर में शोध आरंभ कर दिया है। पहले चरण में 500 मृत व 500 जीवित हिंदुओं को शामिल किया गया है। संत समिति को हर साल इसे वैश्विक स्तर पर जारी किया जाएगा। इसमें देश ही नहीं विदेश में रहने वाले हिंदू समाज के प्रभावशाली लोगों को भी शामिल किया जाएगा। सूची में हिंदू वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, लेखक के साथ ही समाज पर विशेष प्रभाव डालने वाले लोगों को शामिल किया जाएगा। इस सूची में महाभारत के रचयिता वेदव्यास, रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि, पतंजलि, आर्यभट्ट, वराहमिहिर के साथ ही गोस्वामी तुलसीदास, संत कबीर और गंगा विज्ञानी प्रो. जीडी अग्रवाल का भी नाम शामिल है। सूची पर अंतिम मुहर सितंबर माह में लगेगी।

अब देखें 19वीं सदी के प्रभावशाली हिंदू : राजा राममोहन राय, स्वामी दयानंद सरस्वती, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, रवींद्रनाथ टैगोर, मदन मोहन मालवीय ,बंकिम चंद्र चटर्जी, प्रफुल्ल चंद्र रे, जगदीश चंद्र बोस, श्रीनिवास रामानुजन, सत्येंद्र नाथ बोस, मेघनाद साहा, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, डॉ. बीआर आंबेडकर के नाम प्रमुख हैं।

अखिल भारतीय संत समिति के एक महामंत्री हैं स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती,उनके अनुसार हिंदू समाज के गौरवशाली इतिहास व सामर्थ्य को विश्व स्तर पर बताने के लिए यह सूची तैयार कराई जा रही है। हिंदू समाज का देश ही नहीं दुनिया में महत्वपूर्ण योगदान है। इस सूची के मार्फत हम अपने योगदान को पूरे विश्व को बताएंगे कि हमने दुनिया को क्या दिया है?

महाभारत के रचयिता वेदव्यास, रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि, योग सूत्र के प्रवर्तक पतंजलि, सांख्य दर्शन के प्रवर्तक कपिल मुनि, न्यास दर्शन के गौतम, एटामिक थ्योरी के दार्शनिक कन्नडा, मीमांसा के जैमिनी, आदि शंकराचार्य, तमिल दार्शनिक तिरुवल्लुवर, पाणिनी, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, भास्कर, चरक, सुश्रुत आदि का नाम शामिल किया गया है। मध्यकाल के प्रभावशाली संत -रामानुजाचार्य, माधवाचार्य, बसवन्ना, चैतन्य महाप्रभु, मीरा बाई, गोस्वामी तुलसीदास, संत कबीर, नामदेव, संत एकनाथ, संत ज्ञानेश्वर शामिल हैं।

आजादी के बाद के प्रभावशाली हिंदू

सीवी रमन, होमी जहांगीर भाभा, विक्रम साराभाई, हरगोविंद खुराना, सुब्रमण्यम चंद्रशेखर, सीएनआर राव, जयंत नारलीकर, मंजुला भार्गव, सबीर भाटिया, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, डॉ. कर्ण सिंह, आशीष नांदी, राजीव मल्होत्रा, देवदत्त पटनायक शामिल हैं।

HARLEY-DAVIDSON
X
440